पान मसाला पर उपकर वाले विधेयक को लोकसभा ने दी मंजूरी - 12

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा-जीडीपी में सहकारिता की हिस्सेदारी करेंगे तीन गुना- 12

गांधी की समाधि पर नतमस्तक हुए पुतिन अहिंसा और सच्चाई के लिए किया याद - 13

एशेज सीरीज के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने बनाई 44 रनों की बढ़त - 14

आज का मौसम

22.0° अधिकतम तापमान

10.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.51

सूर्यास्त 05.16

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष द्वितीया 09:25 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

शनिवार, 6 दिसंबर 2025, वर्ष 7, अंक 12, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

मुर्शिदाबाद में मस्जिद के शिलान्यास में कोई हस्तक्षेप नहीं: हाईकोर्ट

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर, तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा प्रस्तावित एक मस्जिद के निर्माण में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। अदालत की यह टिप्पणी छह दिसंबर को प्रस्तावित ' 'बाबरी मस्जिद'' के लिए निर्धारित शिलान्यास समारोह से पहले आई है, जो मूल ढांचे के विध्वंस की बरसी भी है। केंद्र ने कहा कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 19 कंपनियां इस साल अप्रैल में मुर्शिदाबाद जिले में हुए सांप्रदायिक दंगों के बाद क्षेत्र में तैनात की गई थीं। वह अभी भी तैनात हैं और हिंसा की स्थिति में तैयार रहेंगी।

काले हिरण के शिकार में तीन लोग गिरफ्तार

रायसेन। मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में शुक्रवार को काले हिरण का शिकार करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई एक मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर की गई। आरोपियों के पास से मृत हिरण, खाल, एक राइफल, कारतूस, दो कार सहित अन्य औजार बरामद किए गए हैं। वन विभाग के रेंजर मनीष सिंह ठाकुर ने बताया कि सागर जिले की सीमा से लगे बेगमगंज–राहतगढ़ के पास ग्राम बेरखेड़ी बीट में बृहस्पतिवार रात काले हिरण के शिकार की सूचना मिली थी। उन्होंने बताया कि इसके बाद शुक्रवार सुबह करीब चार बजे घेराबंदी कर आरोपियों की दो कारों को रोककर तलाशी ली गई।

बिना दबाव भारत को जारी रहेगी तेल आपूर्ति : पुतिन

मोदी बोले- भारत-रूस की दोस्ती ध्रुव तारे की तरह अटल, दोनों देशों ने पंचवर्षीय आर्थिक मसौदे पर जताई सहमति

- हेल्थ, फूड सेफ्टी और शिपबिल्डिंग समेत कई समझौतों पर मुहर
- 2030 से पहले 100 अरब डॉलर का आपसी व्यापार का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में भारत–रूस के 23वें शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। ● एजेंसी

भारत और रूस ने अमेरिका द्वारा दंडात्मक शुल्क और प्रतिबंध लगाने से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए शुक्रवार को आर्थिक और व्यापारिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए एक पंचवर्षीय योजना पर सहमति जताई। इस दौरान पुतिन ने कहा कि रूस भारत को बिना रोक-टोक के तेल आपूर्ति जारी रखेगा। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहा कि यूक्रेन में जारी युद्ध को शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त किया जाना चाहिए।

दुनिया भर की नजर मोदी और पुतिन के बीच होने वाली बातचीत पर रही जिसमें दोनों नेताओं ने आठ दशक से अधिक पुरानी भारत-रूस मित्रता को नई गति प्रदान करने की अपनी दृढ़ इच्छा प्रदर्शित की। मोदी ने कहा कि भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद यह मित्रता ध्रुव तारे की तरह अडिग बनी हुई है। दोनों देशों ने 2030 के आर्थिक कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के अलावा, स्वास्थ्य, गतिशीलता, खाद्य सुरक्षा और लोगों के बीच आदान-प्रदान सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मोदी ने द्विपक्षीय शिखर वार्ता के बाद कहा, गत आठ दशकों में दुनिया ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। मानवता को अनेक चुनौतियों और संकटों से गुजरना पड़ा है। लेकिन आपसी सम्मान और गहरे विश्वास पर आधारित यह संबंध हमेशा समय की कसौटी पर खरा उतरा है। आज हमने इस नींव को और मजबूत करने के लिए सहयोग के सभी पहलुओं पर चर्चा की। आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाना हमारी साझा प्राथमिकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दोनों देश 2030 तक आर्थिक सहयोग कार्यक्रम पर सहमत हुए हैं और इससे द्विपक्षीय व्यापार और निवेश विविध, संतुलित और टिकाऊ बनेंगे। उन्होंने कहा, हम आईएनएसटीसी , उत्तरी समुद्री मार्ग और चेन्नई-व्लादिवोस्तोक गलियारे पर नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेंगे। मुझे खुशी है कि अब हम ध्रुवीय जल में भारतीय नाविकों को प्रशिक्षित करने के लिए सहयोग करेंगे। मोदी कहा, इससे न केवल आर्कटिक में हमारा सहयोग मजबूत होगा, बल्कि भारत के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। अंतर्राष्ट्रीय उत्तर दक्षिण परिवहन गलियारा (आईएनएसटीसी) भारत, ईरान, अफगानिस्तान, अर्मीनिया, अजरबैजान, रूस, मध्य एशिया और यूरोप के बीच माल ढुलाई के लिए 7,200 किलोमीटर लंबी 'मल्टी-मोड' परिवहन परियोजना है। मोदी ने कहा कि पोत निर्माण के क्षेत्र में दोनों पक्षों के बीच गहन सहयोग से 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को मजबूती मिलने की संभावना है।

मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर तथा फ्लोटिंग परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण को लेकर दोनों देश उत्सुक

पुतिन ने संकेत दिया कि रूस भारतीय उत्पादों के लिए अपने बाजार को और सुलभ बनाएगा तथा दोनों पक्ष छोटे एवं मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर तथा फ्लोटिंग परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण में सहयोग के लिए उत्सुक हैं। रूस परमाणु प्रौद्योगिकियों के गैर-ऊर्जा अनुप्रयोग में भी भारत को सहायता दे सकता है, उदाहरण के लिए चिकित्सा और कृषि में। मोदी ने अपने वक्तव्य में कहा कि ऊर्जा सुरक्षा भारत-रूस साझेदारी का एक मजबूत और महत्वपूर्ण स्तंभ रही है और असैन्य परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा, हम इस परस्पर लाभकारी सहयोग को जारी रखेंगे।

रूसी पर्यटकों को 30 दिन का फ्री वीजा देगा भारत

मोदी ने इस अवसर पर घोषणा की कि भारत शीघ्र ही रूसी नागरिकों के लिए 30 दिन का नि:शुल्क ई-पर्यटक वीजा तथा 30 दिन का समूह पर्यटक वीजा शुरू करेगा। पुतिन ने अपने वक्तव्य में कहा कि दोनों पक्ष वार्षिक व्यापार को वर्तमान 64 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब अमेरिकी डॉलर करने पर विचार कर रहे हैं और रूस भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तेल, गैस, कोयला और अन्य सभी आवश्यक वस्तुओं का विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता है। उन्होंने कहा, रूस तेजी से बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए ईंधन की निर्बाध आपूर्ति जारी रखने के लिए तैयार है।

यूक्रेन संकट पर भारत तटस्थ नहीं, शांति का पक्षधर

दोनों शासनाध्यक्षों की बातचीत के दौरान यूक्रेन युद्ध का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। मोदी ने अपने मीडिया वक्तव्य में कहा कि भारत ने उस देश में शांति की वकालत की है। उन्होंने कहा, हम इस मुद्दे के शांतिपूर्ण और स्थायी समाधान के लिए सभी प्रयासों का स्वागत करते हैं। भारत हमेशा योगदान देने के लिए तैयार रहा है और आगे भी ऐसा करता रहेगा।

आतंकवाद से प्रभावी ढंग से निपटने पर चर्चा

वार्ता में आतंकवाद से प्रभावी ढंग से निपटने के तरीकों पर भी चर्चा हुई। मोदी ने आतंकवाद के खतरे पर कहा कि भारत और रूस लंबे समय से इस खतरे के खिलाफ लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। चाहे पहलगाम में हमला हो या क्रोकस सिटी हॉल पर कायरतापूर्ण हमला इन सभी घटनाओं की जड़ एक ही है। भारत का यह दृढ़ विश्वास है कि आतंकवाद मानवता के मूल्यों पर सीधा हमला है और इसके खिलाफ एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

जीएसटी में 10 करोड़ 77 लाख रुपये की कर चोरी का खुलासा

शाहजहांपुर। एसओजी, सर्विलांस सेल और रोजा पुलिस की संयुक्त टीम ने बोगस जीएसटी फर्म बनाकर 10 करोड़ 77 लाख की कर (टैक्स) चोरी कराने वाले गिरोह को पकड़ा है। उनके पास से फर्जी दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, 200 फर्जी रेंट एग्रीमेंट, 39 आधार और 39 पैन कार्ड की प्रतियां, 13 बैंक स्टेटमेंट, 39 एटीएम कार्ड, टैब, मोबाइल, विजिटिंग कार्ड, नोटरी मोहर और कार बरामद की हैं।

आरोपी इंस्टाग्राम पर लोन दिलाने का झांसा देकर लोगों के आधार-पैन कार्ड और बिजली बिल प्राप्त कर फर्जी हस्ताक्षर से रेंट एग्रीमेंट बनाकर बोगस जीएसटी फर्म बनाते थे। फर्म के नाम पर बैंक में करंट खाता खुलवाकर फर्जी लेन-देन कर टैक्स चोरी करते थे। एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया 28 मई 2025 को सहायक आयुक्त राज्य कर भावना चन्द्रा की तहरीर पर रोजा थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसआईटी गठित कर विवेचना निरीक्षक वीरेन्द्र सिंह प्रभारी गैंगस्टर सेल को सौंपी गई। पुलिस ने शुक्रवार को हथौड़ा चौराहे के पास संदिग्ध वाहन की सूचना पर घेराबंदी कर एक कार को रोक लिया। कार सवार गौरव यादव निवासी व्हाइट हाउस अपार्टमेंट दिल्ली, सिद्धार्थ पाण्डेय निवासी टिकरा थाना नवाबगंज (प्रयागराज) और दीपक निवासी समयपुर बादली, दिल्ली को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने बताया फर्जी जीएसटी फर्मों की श्रृंखला बनाकर जीएसटी पोर्टल पर खरीद व बिक्री दर्शाकर फर्जी बिल तैयार करते थे।

- इंस्टाग्राम पर लोन का लालच देकर आधार-पैन कार्ड लेकर फर्म बनाते थे

रेपो दर में 0.25 % की कटौती घर-गाड़ी खरीदना होगा सस्ता

मुंबई, एजेंसी

- आरबीआई गर्वनर संजय मल्होत्रा ने दी जानकारी, फरवरी 2025 से यह चौथी कटौती
- चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि के अनुमान को 6.8 से बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत किया

ऐसे हुई कटौती

- फरवरी : 0.25 %
- अप्रैल : 0.25 %
- जून : 0.50%
- दिसंबर : 0.25

महंगाई का अनुमान घटाया

आरबीआई ने महंगाई दर के अनुमान को 2.6 से घटाकर 2% कर दिया है। गवर्नर ने कहा, मुद्रास्फीति 2.2% के संतोषजनक स्तर पर है और वित्त वर्ष की पहली छमाही में आर्थिक वृद्धि 8.0 प्रतिशत रही है। जो अर्थव्यवस्था के लिए खुशनुमा दौर बनता है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को नीतिगत रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की। इससे घर, वाहन और अन्य कर्ज सस्ता होने की उम्मीद है। इसके साथ ही आरबीआई ने बैंकों में एक लाख करोड़ रुपये की नकदी डालने की भी घोषणा की। इससे अर्थव्यवस्था को अमेरिकी शुल्क के प्रभाव से सुरक्षित रखने और रुपये की कीमत में आई गिरावट से निपटने में मदद मिलेगी।

आरबीआई की छह-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने सर्वसम्मति से रेपो दर को 0.25 प्रतिशत घटाकर 5.25 प्रतिशत करने का निर्णय लिया। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि के अनुमान को 6.8 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया। यह फरवरी 2025 के बाद से चौथी कटौती है और अब तक कुल 1.25 प्रतिशत कटौती हो चुकी है। रेपो दर में छह महीने के अंतराल के बाद की गई इस कटौती से आवास, वाहन और अन्य उपभोक्ता ऋणों के सस्ते होने का रास्ता खुल गया है। दरअसल रेपो दर में कटौती का सीधा असर बैंकों की उधारी लागत पर होता है।

बैंकों को अब केंद्रीय बैंक से सस्ते में उधार मिलेगा लिहाजा वे एमसीएलआर (कोष की सीमांत लागत आधारित ब्याज दर) और अन्य ऋण दरों में कमी कर सकेंगे। इससे घर, वाहन और व्यावसायिक ऋणों की मासिक किस्तें घटेंगी। रेपो दर में इस कटौती से आरबीआई ने डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत 90 के भी पार चले जाने से जुड़ी आशंकाएं दरकिनार करने की कोशिश की है। इस साल डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में पांच प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है जो एशिया की सभी मुद्राओं में सबसे खराब प्रदर्शन है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अगुवाई वाली एमपीसी ने मौद्रिक नीति के रुख को 'तटस्थ' बनाए रखने का भी फैसला किया।

दो पासपोर्ट मामले में भी अब्दुल्ला आजम को सात साल की सजा

रामपुर। दो पासपोर्ट रखने के मामले में शुक्रवार को एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट के न्यायाधीश शोभित बंसल ने आजम खां के पुत्र पूर्व विधायक अब्दुल्ला को दोषी मानते हुए सात साल के कारावास और 50 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है। उन्होंने 332 पेज का फैसला तैयार किया था। वह दो पैन कार्ड के मामले में हुई सजा में रामपुर जेल में बंद हैं।

- एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने सुनाई सजा

अब्दुल्ला आजम के खिलाफ दो पासपोर्ट के मामले में शहर विधायक आकाश सक्सेना ने 2019 में मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि अब्दुल्ला आजम एक पासपोर्ट का इस्तेमाल विदेश यात्रा में भी कर चुके हैं। जन्मतिथि शैक्षिक प्रमाण पत्रों हाईस्कूल बीटेक व एमटेक में एक जनवरी 1993 अंकित है। पासपोर्ट संख्या जेड 4307442 में जन्मतिथि 30 सितंबर 1990 अंकित है। अब्दुल्ला के शैक्षिक प्रमाण पत्र तथा पासपोर्ट का विवरण जन्मतिथि व जन्म स्थान भी विरोधाभासी है। शुक्रवार को अब्दुल्ला वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुए। विधायक के अधिवक्ता संदीप सक्सेना ने बताया कि धारा 420 में तीन वर्ष की सजा 10 हजार का जुर्माना, धारा 467 में 7 साल की सजा 20 हजार का जुर्माना, 468 में 3 वर्ष की सजा 10 हजार का जुर्माना, धारा 471 में दो वर्ष की सजा और 10 हजार का जुर्माना लगाया है।

एक जिला-एक व्यंजन भी बनेगा ब्रांड यूपी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सीएम योगी ने समीक्षा बैठक में ओडीओपी 2.0 की कार्ययोजना को दी मंजूरी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में ओडीओपी 2.0 की कार्ययोजना को मंजूरी दे दी। उन्होंने कहा कि 'एक जनपद–एक उत्पाद' अब 'एक जिला-एक व्यंजन' भी ब्रांड यूपी बनेगा। योगी ने स्थानीय उद्योगों को आधुनिक तकनीक, बेहतर पैकेजिंग, गुणवत्ता उन्नयन और बड़े बाजारों से जोड़ने पर जोर दिया। कहा कि बदलती वैश्विक मांग को देखते हुए योजना को अधिक व्यावसायिक रूप में आगे बढ़ाना समय की जरूरत है।

योगी ने बैठक में बताया कि ओडीओपी 2.0 का उद्देश्य है कि पारंपरिक उत्पाद स्थायी रोजगार का आधार बनें और निर्यात में वृद्धि हो। उन्होंने निर्देश दिए कि पहले चरण में अच्छा काम करने वाले उद्यमियों को विस्तार के अवसर दिए जाएं, ताकि वे बड़े स्तर पर कारोबार कर सकें। मुख्यमंत्री ने 'एक जनपद–एक व्यंजन' (ओडीओसी) योजना लागू करने का निर्देश देते हुए कहा कि अब प्रदेश के खान-पान की परंपरा को भी नई पहचान मिलेगी।

विशेषज्ञों की मदद से उपयोगी बनें कॉमन फैसिलिटी सेंटर

मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉमन फैसिलिटी सेंटर को और उपयोगी बनाया जाए। विशेषज्ञों की मदद से उद्यमियों को डिजाइन, पैकेजिंग और उत्पादन संबंधी सहयोग उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि ओडीओपी उत्पादों को केवल पारंपरिक बाजारों तक सीमित न रखते हुए उन्हें बड़े रीटेल नेटवर्क से जोड़ा जाए। देश में स्थापित सभी यूनिटी मॉल में उत्तर प्रदेश के उत्पादों के लिए अलग स्थान सुनिश्चित किया जाएगा।

चौथे दिन भी 500 उड़ानें रद्द, डीजीसीए ने इंडिगो को दी राहत, विस्तृत जांच के आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

बेंगलुरु हवाई अड्डे पर फैली भारी अव्यवस्था।

- सेवाओं में व्यवधान से हवाई अड्डों पर अफरा तफरी
- चार दिन में 1200 से ज्यादा उड़ाने हो चुकी हैं रद्द

देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो के राष्ट्रीय राजधानी से प्रस्थान करने वाली सभी उड़ानों सहित करीब 500 उड़ानें रद्द करने से देश भर में हजारों यात्री कई घंटों तक फंसे रहे और हवाई यात्रा शुक्रवार को लगातार चौथे दिन भी पटरी से उतरी नजर आई।

लोगों का गुस्सा बढ़ने और विपक्षी दलों के सरकार को घेरने के बाद डीजीसीए ने हस्तक्षेप करते हुए इंडिगो के पायलटों के लिए रात्रि ड्यूटी के कड़े नियमों से अस्थायी छूट दे दी। इंडिगो का संकट उन नए नियमों से खड़ा हुआ जिनके तहत पायलटों के साप्ताहिक आराम की जरूरत के समय को 12 घंटे से बढ़ाकर 48 घंटे कर दिया गया। साथ ही सप्ताह में केवल दो बार रात में लैंडिंग की अनुमति दी गई है, जो पहले छह हुआ करती थी। इंडिगो ने इन व्यवधानों के लिए गलत फैसलों और योजनागत कमियों को जिम्मेदार ठहराया है। दिल्ली से शुक्रवार को इंडिगो की 235 उड़ानें रद्द की गई हैं। चार दिन में 1200 से ज्यादा उड़ाने रद्द हुईं।

जांच के लिए चार सदस्यीय समिति गठित

नई दिल्ली। डीजीसीए ने इंडिगो की बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द होने के कारणों की व्यापक समीक्षा और आकलन के लिए चार सदस्यीय समिति गठित की है। समिति के सदस्यों में संयुक्त महानिदेशक संजय के ब्रम्हाने, उप महानिदेशक अमित गुप्ता, वरिष्ठ उड़ान संचालन निरीक्षक कैप्टन कपिल मांगलिक और उड़ान संचालन निरीक्षक कैप्टन रामपाल शामिल हैं। समिति 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपेगी।

सौहार्द छह दिसंबर को अयोध्या में कोलाहल नहीं, राममंदिर का उल्लास, रामलला का भव्य मंदिर बनकर तैयार, शान से लहरा रहा है धर्म ध्वज

छह साल में ही बदल गई 33 साल की रामनगरी की तस्वीर

विवेक सक्सेना, अयोध्या

अमृत विचार : 06 दिसंबर 1992, 09 नवंबर 2019, 25 मार्च 2020, 22 जनवरी 2024 और 25 नवंबर 2025, ये तिथियां अयोध्या के इतिहास में दर्ज हो गईं हैं। वर्ष 1992 से 2025 तक इन 33 वर्षों में रामनगरी की तस्वीर ऐसी बदली कि आज अयोध्या अद्भुत, अकल्पनीय कहलाने लगी है।

वर्ष 2019 में श्रीराम जन्मभूमि के पक्ष में फैसला आने और 2025 में श्रीराम मंदिर पूरा बनकर तैयार होने पर धर्म ध्वजारोहण होने के दौरान इन छह वर्षों में अयोध्या सम्पूर्ण विश्व में छा गई। हर साल 06 दिसंबर को छाने वाला कोलाहल फिजाओं में गुम हो गया। न सिर्फ मां सरयू नदी अपनी धुन में बह रही है, अपितु चौक, बाजार, गली-मोहल्ले और यहां के निवासी भी सहज हैं। इस दिन रह-रह कर गूंजने वाला सायरन और सुरक्षा बलों के बूटों की धमक की जगह आपसी सौहार्द का गहरा हुआ रंग रिश्तों की

डोर मजबूत कर रहा है। गंगा-जमुनी तहजीब की धूप में तनाव की बदली की सिहरन से लोग मुक्त हो चुके हैं। एहतियात के तौर पर भले ही पुलिस, सुरक्षा बल और खुफिया तंत्र सतर्क हैं, लेकिन दशकों पहले परिस्थितियों वाली गंभीरता नहीं है। यौमे स्याह और शौर्य दिवस का दूर-दूर तक कोई जिक्र नहीं है। कुछ संगठनों ले रस्म अदायगी जरूर की जाती है, लेकिन आमजन रामलला की धुन में है। तारीखें बहुत कुछ बदल देती हैं। 06 दिसंबर 1992 से लेकर 08 नवंबर 2019 तक की खाई को 09 नवंबर 2019 को श्रीराम जन्मभूमि के पक्ष में आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने पाट दिया। मस्जिद के लिए अलग से पांच एकड़ जमीन मुस्लिम पक्ष को देने के आदेश ने बचा-खुचा तनाव भी खत्म कर दिया।

25 मार्च 2020 को रामलला टेंट से निकलकर फाइबर के मंदिर में शिफ्ट हुए और 05 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री ने राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया। इसके बाद शुरू हुए श्रीराम मंदिर निर्माण और 22 जनवरी 2024 को भव्य मंदिर में बाल स्वरूप रामलला की प्राण प्रतिष्ठा ने 500 वर्षों की साधना को फलक तक पहुंचा दिया। 25 नवंबर 2025 को मंदिर निर्माण कार्य पूरा होने और प्रधानमंत्री द्वारा धर्म ध्वजारोहण करने के बाद देश-विदेश के सनातनी ही नहीं अपितु सर्व समाज आनंदित है।

अयोध्या प्राचीन नगरी है। यहां देश-विदेश से लोग आते हैं। हर धर्म हर जाति के देवी-देवता यहां विराजमान हैं। 6 दिसंबर को जो कुछ होना था वह हो चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला कर दिया। मंदिर बन गया। अब हिंदू और मुसलमानों में कोई मतभेद नहीं है। हम चाहते हैं कि आने वाली पीढ़ी ऐसा काम करें जिससे लोग एक-दूसरे से मिल कर रहें। नफरत को भूल जाएं। जिससे पूरा देश और दुनिया अयोध्या के लोगों को याद करे।

– **इकबाल अंसारी,** बाबरी मस्जिद विवाद के मुद्दई।

6 दिसंबर को लेकर सुरक्षा के इंतजाम किए गए है। परिसर की सुरक्षा को लेकर अधिकारियों के साथ मंथन किया गया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा का ध्यान रखते हुए दर्शन चलेगा। अब कहीं कोई विवाद नहीं। – **डॉ. अनिल मिश्रा,** सदस्य श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 6 दिसंबर 2025

पीलीभीत

न्यूज ब्रीफ

ग्रामीण को पीटा, रिपोर्ट

बरखेड़ा, अमृत विचार : गांव पौटाकलां निवासी मनोज कुमार सैनी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया 4 दिसंबर को गांव का नीरज, पवन, बबलू आए और गाली देने लगे विरोध करने पर पीटा। बचाने पहुंची मां से भी मारपीट की, पुलिस ने आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली।

खाते से उड़ाई रकम

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव खमरिया पंडरी निवासी शमशुल कमर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया 28 जून को उसके नंबर पर अज्ञात व्यक्ति ने कॉल की। खुद को बैंक का अधिकारी बताकर लिमिट बढ़ाने का ऑफर दिया। फिर व्हाट्सएप पर एक लिंक भेजा। इसके बाद मोबाइल हैक हो गया। तीन कार्ड से चार बार में 86266 रुपये उड़ा लिए।

युवक से की मारपीट

बरखेड़ा, अमृत विचार : गांव पिपरिया मंडन निवासी कमलेश ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि गुरुवार की सुबह दुकान से सामान घर जा रहे थे। तभी रास्ते में गांव का नन्हेलाल, शनी ने आकर गाली गलौज की। विरोध करने पर हमला कर पिटाई कर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली।

143 वाहनों का चालान

पीलीभीत, अमृत विचार : वाहन चेकिंग अभियान के दौरान शुक्रवार को यातायात पुलिस ने 143 वाहनों के चालान कर 1.66 लाख रुपये जुर्माना वसूला।

दो आरोपी गिरफ्तार

पीलीभीत, अमृत विचार : पुवायां के मोहल्ला हरदयाल कूंचा निवासी रशीद अली ने दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। पुलिस ने आरोपी उगनपुर मरौरी गांव निवासी शफी बक्श और मोहम्मद आरिफ को भड़रिया मोड़ से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

जंगल मार्ग पर तेज रफ्तार से दौड़ रहे वाहन

30 की जगह 100 किमी की रफ्तार में दौड़ रहे वाहन, बैरियर लगाए मगर नहीं हो रही निगरानी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जंगल मार्ग पर वाहनों की तेज रफ्तार हादसों का सबब बनी हुई है। कभी वन्यजीव इसकी चपेट में आकर जान गंवा रहे हैं, तो कभी अनियंत्रित होकर वाहन पलटने से स्कूली बच्चे समेत अन्य राहगीर की जान पर आफत बन रही है। अभी कुछ दिन पहले ही एक निजी स्कूल का वाहन अचानक बंदरों के सामने आने से पलट गया था और कई बच्चे घायल हो गए। इससे पूर्व तेंदुए की मौत भी तेज रफ्तार पिकअप की चपेट में आने से हो चुकी है। पिकअप की रफ्तार सौ किमी प्रति घंटे के आसपास मानी जा रही थी। जबकि जंगल मार्ग पर महज 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार का नियम है। बेकर भी बनवाए गए हैं और बैरियर भी लगे हुए हैं। मगर, नियम का पालन कराने और उल्लंघन पर कार्रवाई के लिए कोई निगरानी नहीं है। नतीजतन वाहनों की बेलगाम रफ्तार पर लगाम नहीं लगाई जा सकी है।

माधोटांडा खटीमा जंगल मार्ग पर लगा बैरियर। ● अमृत विचार

बता दें कि पीलीभीत के जंगल को वर्ष 2014 में टाइगर रिजर्व का दर्जा मिल गया था। माधोटांडा रोड पर भी करीब आठ किमी का जंगल मार्ग है। जिससे वाहनों की आवाजाही रहती है। वहीं, खटीमा-माधोटांडा मार्ग पर भी जंगल मार्ग है। यहां से गुजरने वाले वाहनों की रफ्तार 30 किमी प्रतिघंटा निर्धारित है। इसे लेकर बोर्ड भी लगाए गए हैं, ताकि वाहन चालकों को इसके बारे में जानकारी रहे। इसके अलावा कई जगह बैरियर लगे हैं। उन पर भी निर्धारित गति सीमा की जानकारी अंकित है। मगर, इसका पालन कराने की पुख्ता व्यवस्था न होने के चलते वाहन फर्राटा भरते हुए गुजरते हैं और हादसे भी हो रहे हैं। फिर न तो वन्यजीव सुरक्षित हैं, न ही वाहन सवार। कई बार हादसों में वन्यजीवों की जान भी जा चुकी है। अप्रैल माह में पीलीभीत माधोटांडा मार्ग पर सड़क पार कर रहा एक मादा तेंदुआ तेज रफ्तार पिकअप की चपेट में आ गया था और काफी दूर तक वाहन में फंसकर घसीटता चला गया। उसकी जान चली गई थी। अभी कुछ दिन पहले ही एक निजी स्कूल का बच्चों को लेकर आ रहा वाहन भी अचानक बंदर सामने आने पर पलट गया था और कई बच्चे घायल हो गए थे। ऐसे ही तमाम हादसे हो चुके हैं।

स्पीड ब्रेकर के बाद भी गति पर अंकुश नहीं

वाहनों की तेज रफ्तार पर ब्रेक नहीं लग पा रहा है। माधोटांडा रोड पर आठ किमी के जंगल के रास्ते में दो स्थानों पर बैरियर लगे है। आठ -नौ स्पीड ब्रेकर भी हैं। मगर, मार्ग से गुजरने वाले वाहनों की स्पीड चेक करने के लिए भी कोई इंतजाम नहीं। जिसके चलते नियम को बेफिक्र होकर तोड़ा जा रहा है। कई बार वन विभाग की ओर से इसे लेकर सख्ती के निर्देश दिए जा चुके हैं। प्लानिंग भी की गई लेकिन अभी धरातल पर उसका असर अभी भी नहीं दिख सका है। इसी तरह से असम हाईवे पर भी माला रेंज का जंगल है। वहां पर भी जंगल मार्ग पर गति सीमा निर्धारित करते हुए बैरियर लगा दिए गए हैं। लेकिन वहां पर भी किसी तरह की निगरानी नहीं है। इस मार्ग पर आम नागरिक ही नहीं, जिम्मेदारों के काफिले भी गुजरते हैं। उनमें भी तीस किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाले गति सीमा के नियम का पालन नहीं होता। उनकी गाड़ियां भी तेज रफ्तार में फर्राटा भरती हैं।

> वन क्षेत्र में ओवर स्पीडिंग को लेकर वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। संबंधित वन क्षेत्र मार्ग में प्रवेश करने वाले दोनों स्थानों पर कैमरा सिस्टम लगाए जाए, ताकि वाहनों के एक तरफ से दूसरी तरफ तक पहुंचने में लगने वाले समय की स्थिति को देखते हुए स्पीड का पता लग सके। अगर वाहन द्वारा ओवर स्पीडिंग की गई है तो उसके विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाए। – राजेंद्र कुमार श्रीवास, सीडीओ

स्थापना दिवस को लेकर परेड रिहर्सल शुरू

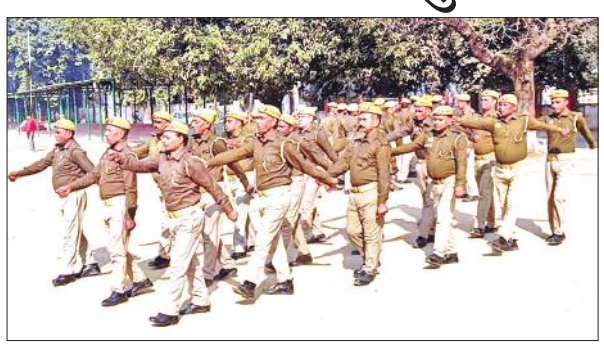

पुलिस लाइन में परेड रिहर्सल करते पीआरडी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- 77 वें स्थापना दिवस की परेड में 70 जवान होंगे शामिल

अमृत विचार: जनपद में पीआरडी का 77 वां स्थापना दिवस 11 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा। प्रांतीय रक्षक दल के स्वयंसेवकों की अभ्यास परेड शुक्रवार से पुलिस लाइंस ग्राउंड पर शुरु हो गई।

प्रभारी जिला युवा कल्याण अधिकारी अमित कुमार ने बताया कि परेड में तीन टुकड़ियां चलेंगी। प्रत्येक टुकड़ी में 21 स्वयंसेवक रहेंगे। तीन टोली कमांडर होंगे। परेड में करीब 70 जवान शामिल होंगे। जनपद स्तर पर स्थापना परेड आयोजित होने से इसकी व्यापकता एवं सार्थकता को बढ़ावा मिला है। साथ ही जवानों में उत्साह भी बढ़ा है। स्थापना दिवस का भव्य आयोजन किया जाएगा। इसमें एसपी अभिषेक यादव के स्तर से भी सहयोग किया जा रहा है। बता दें कि जिले में करीब 400 पीआरडी जवान हैं।

मानक को दरकिनार कर बना दिए गए परीक्षा केंद्र

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : यूपी बोर्ड परीक्षा कराने के लिए इस बार जो परीक्षा केंद्र प्रस्तावित किए गए हैं। इनमें कई परीक्षा केंद्रों की दूरी अधिक कर दी गई है। जिससे परीक्षार्थियों को परेशानी होगी। इस समस्या को लेकर कई लोगों ने आपत्तियां दाखिल की है। आपत्ति मिलने के बाद अब विभाग निस्तारण करने में जुटा है। जिसके बाद ही अंतिम सूची का प्रकाशन करेगी। आपत्तियों को देखते हुए कुछ सेंटर हटाने की भी सुगबुगाहट है। हालांकि विभाग अभी कुछ बोलने को तैयार नहीं है।

जिले में माध्यमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत 189 कॉलेज में इस बार 66 स्कूलों को ही परीक्षा केंद्र बनाया गया है। जो कि अमरिया, बीसलपुर, कलीनगर, पूरनपुर और सदर तहसील क्षेत्र में है। सर्वाधिक केंद्र सदर तहसील में प्रस्तावित किए गए हैं। जिसमें आपत्तियां मांगी गई है। इस बार यूपी बोर्ड में हाईस्कूल में 23241 और इंटरमीडिएट में 18580 छात्र-छात्राओं ने जिले में पंजीकृत हैं। इन केंद्रों के लिए 4 दिसंबर तक आपत्तियां मांगी गई थी। इन केंद्रों के लिए 62 आपत्तियां आई है। इन केंद्रों को लेकर दी गईं आपत्तियों में दूरी व अन्य समस्याओं को दर्शाया गया है। कई लोगों का आपत्तियों में कहना है कि परीक्षा केंद्रों की दूरी अधिक तय की गई है। डीआईओएस राजीव कुमार सिंह ने बताया कि अब सत्यापन के बाद जल्द ही फाइनल परीक्षा केंद्रों की सूची जारी की जाएगी। मानक के तहत ही परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे।

801 टीमें 3.60 लाख बच्चों को पिलाएंगी दवा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- स्वास्थ्य विभाग ने शुरू की तैयारी, 14 से चलेगा पल्स पोलियो अभियान
- 38 ट्रांजिट बूथ, घुमक्कड़ परिवारों पर भी निगाह रखेंगी मोबाइल टीम

अमृत विचार : जिले में बच्चों को पल्स पोलियो अभियान के तहत दवा पिलाई जाएगी। इसके लिए अभियान शुरु किया जा रहा है, जो 14 दिसंबर से शुरू होगा। इसको लेकर तैयारियां शुरु कर दी गई हैं। अभियान को सफल बनाने के लिए 801 टीमें बनाई गई हैं। 3.60 लाख बच्चों को दवा पिलाएंगी। इसके साथ ही सीमावर्ती और भीड़ वाले मार्गों पर 38 ट्रांजिट बूथ सक्रिय रहेंगे, जबकि मोबाइल टीमें प्रवासी परिवारों तक भी दवा पहुंचाने के लिए क्षेत्र में भ्रमण करेंगी।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत की जा रही है। यह अभियान 14 दिसंबर से चलेगा। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. एसके सिंह ने बताया 24 लाख की आबादी वाले 4.15 लाख घरों को लक्षित किया गया है। इस बार अभियान में 3.60 लाख बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसे लेकर तैयारियां शुरु कर दी गई हैं।

विभाग की ओर से अभियान को सफल बनाने के लिए 1231 बूथ बनाए गए हैं। घर-घर दवा पिलाने को 801 टीमें बनाई गई हैं। यह टीमें सोमवार से शुक्रवार तक घर-घर जाकर दवा पिलाएंगी। इनके अलावा 38 ट्रांजिट बूथ बनाए गए हैं। यह बूथ सार्वजनिक और बाजार आदि में बनाएं जाएंगे। 38 मोबाइल टीमें बनाई गई है, जो कि क्षेत्र में भ्रमणशील रहते ईंट भट्टे और अन्य स्थानों पर काम करने वाले परिवारों के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगी। अभियान को सफल बनाने के लिए ग्राम प्रधान, कोटेदार, रोजगार सेवक, आंगनबाड़ी और आशाओं को भी जिम्मेदारी दी जाएगी। सीएमओ डॉ. आलोक कुमार ने बताया कि पोलियो मुक्त भारत के लक्ष्य को बनाए रखने के लिए यह अभियान चलाया जाएगा। सभी टीमों को आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि कोई भी बच्चा पोलियो खुराक से वंचित न रह जाए। उन्होंने अभिभावकों से अपील की है कि वे 14 दिसंबर को बूथ पर और उसके बाद घर-घर आने वाली स्वास्थ्य टीमों के सहयोग से अपने पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को यह दवा अवश्य पिलवाएं।

विशेष श्रद्धांजलि सभा

प्रेरक उपस्थिति

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

गरिमामयी उपस्थिति

केशव प्रसाद मौर्य
उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

ब्रजेश पाठक
उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

स्वतंत्र देव सिंह
मंत्री, जलशक्ति एवं बाढ़ नियंत्रण, उत्तर प्रदेश

जयवीर सिंह
मंत्री, पर्यटन एवं संस्कृति, उत्तर प्रदेश

असीम अरुण
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण, उत्तर प्रदेश

सुषमा खर्कवाल
महापौर, लखनऊ

डॉ. लालजी प्रसाद 'निर्मल'
सदस्य, विधान परिषद

एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

दिनांक : 6 दिसंबर, 2025 | समय : प्रातः 9:30 बजे | स्थान : भारतरत्न बोधिसत्व बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर महासभा कार्यालय परिसर, हजरतगंज, लखनऊ

बाबा साहेब के विचारों के प्रति संकल्पित सरकार

✦ जीरो पॉवर्टी योजना का नाम बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम पर रखा गया ✦ लखनऊ में भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण (बाबासाहेब की 25 फीट ऊंची प्रतिमा की स्थापना, पुस्तकालय, शोध केंद्र, अत्याधुनिक प्रेक्षागृह एवं संग्रहालय) ✦ श्रमिकों एवं वंचितों के बच्चों की उत्तम शिक्षा हेतु सभी 18 मंडल मुख्यालयों पर अटल आवासीय विद्यालयों का संचालन ✦ डॉ. भीमराव आंबेडकर छात्रावास योजना (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के छात्रों को शिक्षा में सहायता के लिए छात्रावासों का पुनर्निर्माण और नवनिर्माण) ✦ प्रदेश के सभी सरकारी कार्यालयों में डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की तस्वीर लगाना अनिवार्य ✦ कन्नौज मेडिकल कॉलेज का नामकरण पुनः डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय

विशेष आकर्षण

- बौद्ध भिक्षुओं द्वारा अस्थिकलश कक्ष में बुद्ध वन्दना एवं त्रिशरण पंचशील का पाठ
- बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी के अस्थिकलश पर पुष्पांजलि

▶ लाइव प्रसारण DD NEWS & Youtube.com/DDNEWS

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

UPGovtOfficial | CMOUttarpradesh | CMOfficeUP

छापेमारी में 20 रसोई गैस सिलेंडर व दो मोटर पकड़ी

बीसलपुर, अमृत विचार: घरेलू गैस की कालाबाजारी करने वालों पर शिकंजा कसने के लिए क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी ने टीम के साथ मोहल्ला ग्यासपुर में एक दुकान पर छापेमारी की। यहां से 20 रसोई गैस सिलेंडर बरामद किए। आरोपी को भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उस पर कार्रवाई की जा रही है।

अधिकतर गाड़ियों में घरेलू गैस सिलेंडर लगवा कर सवारी लाने व ले जाने का काम लंबे समय से किया जा रहा है। इसकी शिकायत क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी मनोज कुमार शर्मा से की गई। जिसके बाद उन्होंने जांच तो पता चला कि मोहल्ला गयासपुर में एक व्यक्ति जिसकी दुकान उसके मकान में ही है। रोज रसोई गैस की कालाबाजारी कर रहा है। अधिकारियों के निर्देष पर पुलिस बल के साथ शुक्रवार को छापा मारा। दुकान से 20 रसोई गैस सिलेंडर और दो गैस डालने वाले डीसी मोटर बरामद किए।

22 याड्र्स एकेडमी पीलीभीत ने जीता फाइनल मुकाबला

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- कार्तिकेय मैन ऑफ़ द टूर्नामेंट, आदित्य मैन ऑफ द मैच

अमृत विचार: फ्यूचर स्टार्स यू-14 प्राइज मनी क्रिकेट लीग के फाइनल मैच में 22 याड्र्स एकेडमी ने एमपीएस एकेडमी को 60 रनों से हराकर ट्रॉफी जीती। आदित्य को मैन ऑफ द मैच का अवार्ड दिया गया।

22 याड्र्स क्रिकेट एकेडमी और इनिशियम ग्लोबल स्कूल के मैदान पर खेले गए टूर्नामेंट फाइनल मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 22 याड्र्स एकेडमी की टीम ने 40 ओवरों में नौ विकेट खोकर 241 रनों का स्कोर बनाया। आदित्य ने सर्वाधिक 71 रन बनाए। कप्तान कार्तिकेय ने 28 और यश व तनमय ने 44 व 30 रन की पारी खेली। एमपीएस क्रिकेट एकेडमी से आकाश ने चार और कोहिनूर व फाज ने दो -दो विकेट चटकाए। इसके जवाब में एमपीएस क्रिकेट एकेडमी की टीम 31 ओवर में 181 रनों पर सिमट गई, फाज ने 83 और शिवा ने 19 रनों की पारी खेली। 22 याड्र्स की तरफ से अनुराग ने तीन और कार्तिकेय व विवान ने दो-दो विकेट चटकाए। आदित्य को शानदार बल्लेबाजी लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया जबकि कार्तिकेय शर्मा प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट, तनमय प्रताप सिंह बेस्ट बैट्समैन और कार्तिकेय बेस्ट बॉलर व अमित वर्मा बेस्ट फील्डर रहे। अंपायर की जिम्मेदारी अर्शी, फैजान और स्कोरिंग भव्य ने की। इस मौके पर परमवीर सिंह पैरी, पुनित धमेजा, सुनील धमेजा, 22 याड्र्स के डायरेक्टर माइकल सिंह विर्क, सागर धमेजा, कोच रिजवान खान, सैयद नातिक अली, गगन प्रताप सिंह, परवेज़, गोल्डी सिंह, चंदन वादवा, विजारत अर्शी, सूरज, कपिल देव, मोनू सिंह आदि मौजूद रहे।

ठंड से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- बुजुर्ग, बच्चे व गर्भवती महिलाएं शीतलहर में बरतें सावधानी

अमृत विचार: जनपद में दिसंबर की शुरूआत के साथ ही सर्दी के मौसम ने भी तेवर बदलना शुरू कर दिया है। सर्द हवाओं का भी दौर शुरू हो चुका है। मौसम विज्ञान विभाग की ओर से भी प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में आगामी दिनों में शीतलहर/ कड़ाके की ठंड होने की आशंका जताई है। ऐसे में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से एडवाइजरी जारी की गई है।

शीत लहर से बचाव के लिए जारी एडवाइजरी में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रसून द्विवेदी ने बताया कि मौसम विज्ञान विभाग ने प्रदेश के अनेक हिस्सों में कड़ाके की ठंड व शीतलहर की संभावना व्यक्त की है। इसी के मद्देनजर सावधानी बरत कर शीत घात से बच सकते हैं। मौसम पूर्वानुमान के लिए रेडियो/टीवी/ समाचार पत्रों से मौसम संबंधित जानकारी लेते रहे। पर्याप्त सर्दियों के कपड़ें पहने। घरों में ठंडी हवा के प्रवेश रोकने के लिए दरवाजों व खिड़कियों को ठीक से बंद रखें। फ्लू, नाक बहना जैसी विभिन्न बीमारियों की संभावना आमतौर पर ठंड में लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण होती हैं। इसलिए स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों या डॉक्टर से परामर्श करें। कहा कि जितना हो सके घर के अंदर रहें और ठंडी हवा, बारिश, बर्फ के संपर्क में आने से बचे। गर्म कपड़े पहनें। तंग कपड़े खून के बहाव को रोकते हैं, इनसे बचें। शरीर की गरमाहट बनाए रखने के लिए अपने सिर, गर्दन, हाथ और पैर की उंगलियों को पर्याप्त रूप से ढककर रखें। हाथों में दस्ताने रखें। सिर पर टोपी या मफलर पहने, स्वास्थ्य वर्धक भोजन लें। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं। गर्म तरल पदार्थ नियमित रूप से पिएं। उन्होंने बुजुर्गों, नवजात शिशुओं व बच्चों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी और कहा कि जरूरत के अनुसार ही रूम हीटर का प्रयोग करें, लेकिन रूम हीटर के प्रयोग के दौरान पर्याप्त हवा निकासी का प्रबंध रखें। बंद कमरों में कोयले को जलाना खतरनाक हो सकता है क्योंकि यह कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी जहरीली गैस पैदा करती है। पशुधन के संबंध में उन्होंने बताया कि शीतलहर के दौरान पशुओं को अधिक भोजन की आवश्यकता होती है, क्योंकि ऊर्जा की आवश्यकता बढ़ जाती है। रात में पशुओं के आवास को सभी तरफ से ढक दें ताकि ठंडी हवाओं के सीधे संपर्क में आने से बचा जा सकें। चारा खाने, खिलाने और चबाने के व्यवहार पर वसा की खुराक-केंद्रित अनुपात प्रदान करें। सर्दियों के दौरान पशुओं के नीचे सूखे भूसे जैसी कुछ बिस्तर सामग्री डालें।

शहर में आज

- सूरजभान डिग्री कॉलेज में बीसलपुर महोत्सव की शुरुआत दोपहर 12 बजे से।
- श्रीबालाजी नीम -करौली धाम कांशीराम ईदगाह में हवन सुबह 11 बजे।
- एसआईआर को लेकर शहर समेत अन्य स्थानों पर शिविर सुबह 10 बजे से।
- पावर कॉरपोरेशन की ओर से बिजली बिल राहत योजना के शिविर सुबह 10 बजे से।

न्यूज ब्रीफ

अश्लील वीडियो अपलोड करने पर रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना न्यूरिया में तैनात दरोगा योगेंद्र बहादुर सिंह की ओर से रिपोर्ट दर्ज की गई है। जिसमें बताया है कि साइबर पुलिस पोर्टल के माध्यम से एक शिकायत 29 अक्टूबर को प्राप्त हुई। जिसकी जांच करने के बाद पाया गया कि धर्मपाल नाम की इंस्टाग्राम आईडी से चाइल्ड पोर्नोग्राफी से संबंधित वीडियो आरोपी ने इंस्टाग्राम आईडी से 26 अक्टूबर 2025 को पोस्ट की। पुलिस ने विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

ई-रिक्शा चालक से की मारपीट, मुकदमा

पीलीभीत,अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला मोहम्मद वासिल निवासी शिवम ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि तीन दिसंबर को रात के समय वह अपना ई-रिक्शा लेकर गैस चौराहे पर खड़े थे। तभी अर्जुन पुत्र बबलू निवासी मोहल्ला तुलाराम वहां आया और उसने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। विरोध करने पर आरोपी ने गाली गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है।

ठगी करने वाले युवक पर रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना सुनगढ़ी में तैनात दरोगा आकाश तेवतिया की ओर से रिपोर्ट दर्ज की गई। जिसमें उन्होंने बताया कि चार दिसंबर को सरकारी प्रतिबिंब पोर्टल पर संदिग्ध मोबाइल नंबर प्राप्त हुए। जिसकी जांच उनके द्वारा की गई। जांच करने पर मोबाइल नंबर की लोकेशन थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के बल्लभनगर कॉलोनी में हो रही थी। उक्त नंबरों पर तीन ठगी के मामले प्रदर्शित हो रहे थे। इसकी जांच साइबर सेल की मदद से की गई तो उक्त नंबर लखीमपुर खीरी जिले के मितौली निवासी भूपेश कुमार पुत्र वीरेंद्र कुमार के नाम से रजिस्टर्ड होना पाया गया।

जिम्मेदारों ने खूब किए दावे भुगतान की तस्वीर नहीं बदल पाई

63 करोड़ की बकाएदारी निपटाई नहीं, नए सत्र की हो गई शुरुआत

बजाज हिंदुस्थान चीनी मिल बरखेड़ा ने नहीं किया भुगतान, आर्थिक संकट से जूझ रहे गन्ना किसान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: चीनी मिलों के नए पेराई सत्र की शुरुआत हो चुकी है। गन्ना किसानों को तय समय में भुगतान करने के निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। मगर, गन्ना राज्यमंत्री के गृह जनपद में ही बजाज हिंदुस्थान चीनी मिल बरखेड़ा की भुगतान की स्थिति नहीं सुधर सकी है। गन्ना किसानों के बीते पेराई सत्र का 63 करोड़ का भुगतान लंबित चल रहा है। इसे एक साल बाद भी किसानों को अदा नहीं किया जा सका है। जबकि अधिकारियों के स्तर से तमाम दावे किए गए। मगर इसका सफल असर अभी भी नहीं दिख सका है।

जिले में चार चीनी मिलें संचालित हो रही है। एलएच चीनी मिल का पिछला पेराई सत्र 11 नवंबर 2024 को शुरू हुआ और 30 मार्च 2025 तक चला। किसानों का शत- प्रतिशत 635.80 करोड़ का भुगतान मिल कर चुकी है। इसी तरह से पूरनपुर चीनी मिल 59.57 करोड़ और बीसलपुर मिल 81.12 करोड़ का भुगतान कर चुकी है। बरखेड़ा बजाज हिंदुस्थान चीनी मिल का पेराई सत्र 12 नवंबर 2024 को चालू हुआ, जो कि 22 फरवरी 2025 तक चला। बताते हैं कि मिल को पर्याप्त गन्ना न मिल पाने के कारण पेराई सत्र कुछ जल्दी समाप्त करना पड़ा था। जिसे गन्ना भुगतान में की जाने वाली हर बार की लेटलतीफी से जोड़कर देखा गया। मिल को किसानों का 165.84 करोड़ का भुगतान करना था। बमुश्किल अभी तक 102.84 करोड़ का ही भुगतान कर सकी है। वह भी तब जब चीनी के गोदाम सील किए गए और कई बार नोटिस दिए गए। उसके बाद भी नए पेराई की सत्र की शुरुआत से पहले पुराना भुगतान मिल नहीं कर सकी है। ये भुगतान भी 27 दिसंबर 2024 तक खरीदे गए गन्ना का है। बकाया भुगतान की गति अभी भी सुस्त बनी हुई है। गन्ना किसानों के बकाया भुगतान में देरी को लेकर जनप्रतिनिधियों पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। अभी कुछ दिन पहले ही भाकियू भानु के कार्यकर्ताओं ने इसे लेकर विरोध प्रदर्शन भी किया था। जिसमें तल्ख तेवर दिखाए थे। फिलहाल बजाज मिल की भुगतान को लेकर तस्वीर नहीं सुधर सकी है। जबकि पूरे साल अधिकारी नवंबर माह के अंत तक मिल द्वारा बकाया भुगतान कराने की बात कहते रहे थे।

चीनी मिल यार्ड में खड़े गन्ना लदे वाहन। ● अमृत विचार

नए पेराई सत्र की भी करोड़ों में हो गई रकम

पुरानी बकाएदारी सिर्फ बरखेड़ा चीनी मिल है। इधर, चारों चीनी मिलों का नया पेराई सत्र भी शुरू हो चुका है। एलएच चीनी मिल 11 नवंबर, बरखेड़ा बजाज हिंदुस्थान चीनी मिल 15 नवंबर, बीसलपुर चीनी मिल 26 नवंबर और पूरनपुर चीनी मिल 19 नवंबर को शुरू हो चुकी है। सभी गजह गन्ना भी पहुंच रहा है। एलएच चीनी मिल एक दिसंबर तक 100 .45 करोड़ में से 40 .46 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुकी है। ये 19 नवंबर तक खरीदे गए गन्ने का है। बरखेड़ा मिल पर 40 .25 करोड़ भुगतान बन चुका है। नए पेराई सत्र के भुगतान की शुरुआत नहीं हो सकी है। इसी तरह से बीसलपुर मिल पर 3 .68 करोड़ और पूरनपुर मिल पर 8 .92 करोड़ का बकाया नए सत्र का हो चुका है।

> पिछले पेराई सत्र का कुछ बकाया भुगतान है। इसे लगातार निपटाया भी जा रहा है। शीघ्र ही समस्त बकाया भुगतान किसानों को कर दिया जाएगा।
> - सतीश श्रीवास्तव, पीआरओ बजाज ग्रुप

चारों मिलों की पेराई क्षमता

मिल	पेराई क्षमता (टीसीडी)
एलएच पीलीभीत	12500
बरखेड़ा	7500
बीसलपुर	2750
पूरनपुर	2500

नांदेड़ तक यात्रा होगी आसान साप्ताहिक ट्रेन को स्वीकृति

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- केंद्रीय राज्यमंत्री व पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद के प्रयास से मिली सफलता
- मंगलवार को टनकपुर और रविवार को महाराष्ट्र से होगा प्रस्थान

अमृत विचार: केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद के प्रयासों से जिलेवासियों को एक और राहत मिल सकी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के सहयोग से टनकपुर से नांदेड़ (महाराष्ट्र) के लिए साप्ताहिक ट्रेन की शुरुआत की गई है। टनकपुर से नांदेड़ साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन (17631/17632) बरेली, आगरा, झांसी, ग्वालियर, बीना होते हुए नांदेड़ तक जाएगी।

जिलेवासियों की ओर से लंबी दूरी की ट्रेनों को लेकर मांग की जा रही थी। सिख समाज के लोगों की ओर से भी तखत सचखंड श्रीहजूर साहिब नांदेड़ के लिए ट्रेन के संचालन की मांग की जा रही थी। जिसके बाद केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से आग्रह किया था। 16 अक्टूबर को इसके लिए पत्र भी लिखा था। जिसके बाद प्रधानमंत्री के निर्देशन में रेल मंत्रालय ने तीन दिसंबर को पीलीभीत से नांदेड़ की सुगम यात्रा के लिए साप्ताहिक ट्रेन के संचालन की स्वीकृति प्रदान की है। फिलहाल अब इस साप्ताहिक ट्रेन की शुरुआत होने से स्थानीय व्यवसायियों के साथ ही धार्मिक पर्यटन को भी प्रोत्साहन मिलेगा। ये ट्रेन टनकपुर (पूर्णागिरि मंदिर) से नांदेड़ (तखत सचखंड श्रीहजूर साहिब) को जोड़ने का कार्य करेगी। ये साप्ताहिक ट्रेन मंगलवार को टनकपुर और रविवार को नांदेड़ से प्रस्थान करेगी।

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशन में रेल मंत्रालय द्वारा टनकपुर से नांदेड़ के लिए साप्ताहिक ट्रेन को स्वीकृति दी है। कई अन्य ट्रेनों के संचालन के लिए भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इस फैसले पर प्रधानमंत्री और रेल मंत्री का आभार। - जितिन प्रसाद, केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद

सियार से टकराकर गिरे बाइक सवार को कार ने कुचला,मौत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- टक्कर मारने के बाद कार लेकर भाग गया चालक

अमृत विचार : हाईवे पर सियार से टकराकर बाइक सहित गिरे युवक को कार ने कुचल दिया। हादसे में युवक की मौके पर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को हादसे की जानकारी दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने कार्रवाई से इंकार करते हुए शव घर ले गए।

लखीमपुर खीरी के थाना मैलानी के गांव कुकरा निवासी पवन कुमार थाना सेहरामऊ उत्तरी के गढ़वाखेड़ा में एक निजी क्लीनिक पर काम करता था। रोजाना ही वह बाइक से घर आता जाता था। गुरूवार की देर रात युवक बाइक से गांव जा रहा था। पूरनपुर खुटार हाईवे पर गढ़वाखेड़ा के पास स्थित एक फार्मेसी कालेज के सामने हाईवे क्रास करते वक्त बाइक के आगे सियार आ गया। टक्कर लगने से वह सड़क पर गिर गए। पीछे से आ रही कार की चपेट में आ गया। जिसमें वह गंभीर रुप से घायल हो गए।

हादसे के बाद चालक मौके से भाग गया। सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस युवक को सीएचसी लेकर पहुंची। वहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। हादसा नजदीक में लगे एक सीसीटीवी में कैद हो गया। इंस्पेक्टर सेहरामऊ उत्तरी संजय कुमार सिंह ने बताया कि परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया था। रात में ही शव साथ ले गए।

आईजी एसएसबी ने निरीक्षण के बाद किया पौधरोपण

पौधरोपण करते आईजी एसएसबी अमित कुमार। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार: सीमांत मुख्यालय एसएसबी रानीखेत के महानिरीक्षक अमित कुमार ने पीलीभीत क्षेत्र का निरीक्षण किया।

सीमा चौकियों की संचालनात्मक एवं सुरक्षा तैयारियों को परखा। उन्होंने विभिन्न सीमा चौकियों में रात्रि विश्राम करने के साथ ही जवानों से संवाद किया। जिले में आगमन पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने डीआईजी एसएसबी कार्यालय का भी निरीक्षण किया। ग्रीन कॉरिडोर पहल के तहत पौधरोपण किया और नवनिर्मित कांफ्रेंस हॉल का उद्घाटन किया। मातहतों को निर्देश दिए।

व्यक्तिगत शौचालय के आवेदक घटे

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- गांवों में डुगडुगी पिटवाकर लोगों को आवेदन करने के लिए जागरूक करेंगे पंचायत कर्मी
- शासन से व्यक्तिगत शौचालय के मिले लक्ष्य के सापेक्ष महज 5357 ने लिया योजना का लाभ

अमृत विचार: जिले को ओडीएफ करने की दिशा में अग्रसर पंचायत राज विभाग इन दिनों मुश्किल में हैं। विभाग को ग्राम पंचायतों में व्यक्तिगत शौचालय के लाभार्थी ढूंढे नहीं मिल रहे हैं। ऐसे में विभाग को लक्ष्य पूरा होने की चिंता सता रही हैं। जिम्मेदारों का मानना है कि यदि लक्ष्य का बड़ा हिस्सा वापस किया गया तो आगामी सत्र में जरूरत से बेहद कम लक्ष्य आवंटित किया जाएगा। अब विभाग ने गांवों में डुगडुगी पिटवाकर शौचालय विहीन परिवारों को आवेदन के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए हैं।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 मे व्यक्तिगत शौचालय के लिए जनपद को 15344 का निर्धारित किया गया है। जिसके सापेक्ष विकास खंडों से प्राप्त मांग सूची के अनुसार अभी तक महज 5357 लाभार्थियों को ही प्रथम किस्त की धनराशि आवंटित की गई है। वहीं 2053 की लाभार्थियों की प्रथम किस्त की पत्रावली आवंटन प्रकिया में है। विभाग के मुताबिक जनपद स्तर पर अभी भी इस वित्तीय वर्ष के अवशेष लक्ष्य के सापेक्ष 7934 लाभार्थियो को प्रथन किस्त आवंटित किया जाना अवशेष है। हालांकि इसको लेकर लोगों के द्वारा आवेदन किए जा रहे हैं, मगर अधिकांश आवेदन करने वाले सत्यापन में अपात्र पाए जा रहे हैं। लक्ष्य का एक बड़ा हिस्सा शासन को वापस किए जाने की चिंता भी बढ़ गई है।

ऑनलाइन कर सकते हैं आवेदन

डीपीआरओ रोहित भारती ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में जिन परिवारों के पास शौचालय की सुविधा नहीं है, ऐसे परिवार अपनी ग्राम पंचायत के पंचायत सहायक के माध्यम से ग्राम पंचायत में स्थापित ग्राम सचिवालय/जन सुविधा केंद्र से भारत सरकार की वेवसाइट sbm .gov .in पर ऑनलान आवेदन करा सकते है अथवा अपनी ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान एवं पंचायत सचिव या फिर विकास खंड कार्यालय में अपने आवेदन पत्र के साथ अपना आधार कार्ड और बैंक पासबुक की छायाप्रति उपलब्ध कराकर योजना का लाभ ले सकते है।

ड्रोन की मदद से शराब के अड्डों पर छापेमारी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

बॉर्डर एरिया में ड्रोन से छापेमारी करती संयुक्त टीम। ● अमृत विचार

- संयुक्त टीम ने जंगलों व शारदा किनारे की खंगाली बेल्ट

अमृत विचार : कच्ची शराब के धंधेबाजों पर शिकंजा कसने के लिए शुक्रवार को हाईटेक अंदाज में अभियान चलाया गया। ड्रोन से जंगल, गन्ने के खेत और शारदा नदी के किनारों को खंगालते हुए आबकारी विभाग, प्रवर्तन बरेली, हजारा पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने कई संदिग्ध ठिकानों पर दबिश दी। अभियान के दौरान अवैध शराब बरामद हुई और एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

शुक्रवार को जिले में कच्ची शराब के धंधेबाजों के खिलाफ अभियान चलाया गया। आबकारी, हजारा थाना पुलिस और एसएसबी के साथ संयुक्त रूप से टीम ने कार्रवाई की। हजारा थाना क्षेत्र के टाटरगंज, कंभोजनगर, सिद्धार्थनगर, वमनपुरी भागीरथ सहित कई संदिग्ध गांवों में दबिश दी। अवैध शराब निर्माण की आशंका वाले जंगलों, गन्ने के खेतों और शारदा नदी किनारे ड्रोन से सघन तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान 32 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई। दो अभियोग दर्ज किए गए और एक व्यक्ति को पकड़कर जेल भेज दिया गया। इसके अलावा संयुक्त टीम ने नेपाल से सटे इलाकों में बॉर्डर पिलर नंबर 782 और 779/7 के आसपास और शारदा नदी पट्टी में करीब 15 किमी तक पेट्रोलिंग कर तस्करी और अवैध गतिविधियों पर निगरानी की। आबकारी अधिकारी कल्पनाथ रजक ने बताया कि अवैध शराब के खिलाफ ऐसी संयुक्त एवं तकनीकी कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

गन्ना सेंटर पर ट्रैक्टर टकराने के बाद मारपीट

दियोरियाकलां, अमृत विचार: रामनगर जगतपुर गन्ना क्रय केंद्र पर भीड़ की वजह से दो किसानों के ट्रैक्टर आपस में छू जाने से कहासुनी हो गई। एक पक्ष ने ट्रैक्टर पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया, जिससे नुकसान हो गया।

मामले में गांव के ही हरप्रसाद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अपने ट्रैक्टर में गन्ना लादकर क्रय केंद्र पर गए थे। उसी समय गांव के ऋषि गोस्वामी, विजय गोस्वामी, रवि गोस्वामी, गोलू गोस्वामी अपने ट्रैक्टर ट्रॉली में गन्ना भरकर क्रय केंद्र पर ले गए। भीड़ के चलते दोनों ट्रैक्टर आपस में छू गए। कोई नुकसान नहीं पहुंचा। आरोप है कि इसी दौरान उन पर हमला कर दिया गया। एसओ गौतम सिंह ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है।

फिरसा चुर्राह का पंचायत भवन नहीं होगा ध्वस्त

पीलीभीत/नईदिल्ली

गांव में रास्ते की जमीन पर बनवाया गया पंचायत भवन।

- सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश को किया खारिज
- बिलसंडा क्षेत्र में 16 लाख की लागत से कराया गसर था निर्माण

अमृत विचार: उच्चतम न्यायालय ने फिरसा चुर्राह गांव में बनाए गए पंचायत भवन को ध्वस्त करने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश को शुक्रवार को खारिज कर दिया है। निचली अदालत के आदेश को खारिज करते हुए ये टिप्पणी की गई है कि जनता का पैसा बर्बाद नहीं होना चाहिए।

बता दें कि बिलसंडा ब्लॉक की ग्राम पंचायत फिरसा चुर्राह में वर्ष 2021 में मनरेगा से करीब 16 लाख की लागत से पंचायत भवन का निर्माण शुरू कराया गया था। इसमें आठ लाख से अधिक खर्च भी किए जा चुके थे। मौजूदा प्रधान महेश कुमार शुरू से ही रास्ते की जमीन पर बिल्डिंग बनवाने का विरोध कर रहे थे। इसकी शिकायतें जिला स्तर पर अधिकारियों से की गई। मगर, शिकायत पर संज्ञान लेने के बजाए निर्माण कार्य जारी रखा गया। स्थानीय स्तर पर राहत न मिलने के बाद प्रधान ने उच्च न्यायालय इलाहाबाद की शरण ली थी। इधर, प्रशासन की ओर से बिल्डिंग निर्माण गलत जगह पर कराए जाने के मामले में कई जिम्मेदारों पर एफआईआर दर्ज कराई गई, जिसमें विरोध जताने वाले ग्राम प्रधान को भी शामिल कर लिया गया था। चूंकि मामला पहले से उच्च न्यायालय पहुंच चुका था तो न्यायालय में सुनवाई चलती रही। जिस पर हाईकोर्ट ने मार्च में पिछले साल रास्ते की जमीन पर बनवाई गई बिल्डिंग को ध्वस्त करने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट के इस आदेश से जिम्मेदारों में खलबली मच गई थी। इसके बाद प्रकरण उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली पहुंचा।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने उच्च न्यायालय के चार मार्च 2024 के आदेश को संशोधित करते हुए कहा कि आखिरकार यह सरकारी धन है जिसका उपयोग पंचायत भवन के निर्माण के लिए किया गया था।

जनता का पैसा न हो बर्बाद

पंचायत भवन ग्राम सभा की जमीन पर। जनता का पैसा बर्बाद नहीं होना चाहिए। शीर्ष अदालत को सुनवाई के दौरान सूचित किया गया कि वैकल्पिक मार्ग पहले ही उपलब्ध करा दिया गया है। इसके अलावा, भवन का निर्माण ग्राम सभा की भूमि पर ही किया गया है। पीठ ने इमारत को ध्वस्त करने से रोकते हुए डीएम पीलीभीत को निर्देश दिया कि वे व्यक्तिगत रूप से स्थल का निरीक्षण करें और देखें कि वहां कोई रास्ता है या नहीं। न्यायालय ने जिलाधिकारी को आदेशित किया है कि वे देखें कि रास्ते को लेकर विवाद का समाधान हो जाए। ये भी दोहराया कि पंचायत भवन को ध्वस्त नहीं किया जा सकता।

प्रशिक्षण के लिए जुटे पांच वन प्रभागों के अफसर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

मुस्तफाबाद में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में मौजूद वन अफसर। ● अमृत विचार

- डीडी समेत प्रशिक्षित अफसरों ने बताई बाघ गणना की बारीकियां
- पीटीआर को बनाया गया है नोडल प्रशिक्षण केंद्र

अमृत विचार: राष्ट्रीय बाघ गणना 2026 को लेकर पीलीभीत टाइगर रिजर्व में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत पहले दिन शिवालिक वन प्रभाग समेत पांच वन प्रभागों के वन अफसरों को बाघ गणना से जुड़ी बारीकियों और जरूरी सावधानियों की जानकारी दी गई। बताया गया कि सटीक आंकड़े जुटाने के लिए सभी मानकों का पालन नितांत आवश्यक है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व को राष्ट्रीय बाघ गणना के प्रशिक्षण को लेकर नोडल प्रशिक्षण केंद्र बनाया गया है। शुक्रवार को पीलीभीत टाइगर रिजर्व के मुस्तफाबाद में डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह एवं सामाजिक वानिकी प्रभाग के डीएफओ भरत कुमार डीके की अध्यक्षता में दो दिवसीय बाघ गणना का प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हो गया। पहले दिन प्रशिक्षक के रूप में महोफ रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी सहेंद्र यादव ने पांच वन प्रभागों के वन अफसरों को बाघ गणना से जुड़ी बारीकियों और जरूरी सावधानियों की जानकारी दी।

बाघ गणना के सभी चरणों के जानकारी देते बताया कि इस बार पेपरलेस टाइगर काउंटिंग की जानी है। इसके लिए एम-स्ट्राइप इकोलॉजिकल एप का प्रयोग किया जाएगा। इसी एप के माध्यम से सभी जानकारियां अपलोड की जाएगी। एप के जरिए बाघ के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष साक्ष्य जैसे पगमार्क, विष्ठा और शिकार की जानकारी दर्ज की जाएगी। फोटो के साथ लोकेशन भी अपलोड की जाएगी, ताकि संबंधित स्थान की सटीक पहचान हो सके। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने भी बाघ गणना की बारीकियां बताते हुए कहा कि सटीक आंकड़े जुटाने के लिए सभी मानकों का पालन करना नितांत आवश्यक है।

प्रशिक्षण में शाहजहांपुर वन प्रभाग के डीएफओ, बिजनौर, नजीमाबाद, शिवालिक एवं सामाजिक वानिकी प्रभाग पीलीभीत समेत अन्य वन अफसरों ने प्रतिभाग किया। डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि दो दिवसीय प्रशिक्षण का कार्यक्रम का शनिवार को समापन होगा।

एसआईआर को लेकर किया जागरूक

बरखेड़ा, अमृत विचार: विधायक स्वामी प्रवक्तानंद ने कस्बे में बैंक ऑफ बड़ौदा के पास शुक्रवार को कार्यकर्ताओं संग शिविर लगाया। इस दौरान एसआईआर को लेकर जागरुक किया गया। कहा कि जिनका भी एसआईआर फॉर्म जमा नहीं हुआ है। वह समय से जमा कर दें। नए मतदाता बनवाने के लिए लोगों को फॉर्म भरने की प्रक्रिया विस्तार से बताई जाएगी। किसान मोर्चा के जिला महामंत्री नागेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट, नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता, युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष अमित कुशवाहा, मंडल अध्यक्ष प्यारेलाल कश्यप, अमित गंगवार, मंडल महामंत्री सूरज श्रीवास्तव, अभिषेक गंगवार, चंद्रपाल दिवाकर, विजय प्रजापति, शेर सिंह राठौर, सूर्य प्रकाश गंगवार आदि मौजूद रहे।

जिले में बनेगा राजकीय संप्रेषण गृह

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- विभाग ने पूरनपुर में भवन निर्माण के लिए जगह की तलाश की शुरू
- अभी तक बरेली के बाल संप्रेषण गृह में भेजे जाते हैं बाल अपचारी

अमृत विचार: जनपद के किशोर एवं बाल अपराधियों को अब बरेली नहीं भेजा जाएगा। जनपद में ही राजकीय संप्रेषण गृह बनाया जाएगा। इसे लेकर शासन ने मंजूरी भी दे दी है। इधर मंजूरी मिलने के बाद अब महिला कल्याण विभाग ने जनपद के पूरनपुर क्षेत्र में राजकीय संप्रेषण गृह के लिए जमीन तलाशने का काम शुरू कर दिया गया है।

जनपद में आपराधिक मामलों में पकड़े गए किशोरों को रखने की कोई व्यवस्था नहीं है। ऐसे में जनपद के अपचारी किशोरों को बरेली स्थित राजकीय संप्रेषण गृह पर निर्भर रहना पड़ता है। इससे कई बार समय, संसाधन और कानूनी प्रक्रियाओं में विलंब होता है। इधर अब जनपद में ही राजकीय संप्रेषण गृह की स्थापना की जाएगी। इसको लेकर शासन ने मंजूरी भी दे दी है। शासन से मंजूरी मिलने के बाद इसके स्थान को लेकर भी चयन किया जा चुका है। पूरनपुर क्षेत्र में राजकीय बाल संप्रेषण गृह बनाया जाएगा। विभागीय अफसरों की मानें तो जनपद में संप्रेषण गृह स्थापित होने से बाल संरक्षण से जुड़े मामलों में तेजी आएगी, वहीं परिजनों और बाल संरक्षण इकाइयों को बड़ा राहत मिलेगी।

उपयुक्त भूमि मिलते ही शुरू होगा निर्माण

शासन से मंजूरी मिलने के बाद महिला कल्याण विभाग ने राजकीय संप्रेषण गृह के भवन निर्माण के लिए पूरनपुर क्षेत्र में उपयुक्त भूमि तलाशने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। विभागीय अफसर राजस्व अधिकारियों के साथ संभावित स्थानों का निरीक्षण कर रही हैं। जिला प्रोबेशन अधिकारी के मुताबिक भूमि चयन होते ही संप्रेषण गृह के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

यह होता है राजकीय संप्रेषण गृह

राजकीय संप्रेक्षण गृह किशोर और बाल अपराधियों के लिए एक ऐसी संस्था है जहां उन्हें अपराध से दूर सुरक्षित वातावरण में रखा जाता है। यहां भोजन, शिक्षा, खेल-कूद और परामर्श जैसी बुनियादी सुविधाएं दी जाती हैं। यहां उन्हें मनोवैज्ञानिक परामर्श, शारीरिक गतिविधियां जैसे योग और खेल और कला जैसे विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण भी दिए जाते हैं।

> शासन की ओर से जनपद में राजकीय संप्रेषण गृह को मंजूरी दी गई है। संप्रेषण गृह का निर्माण पूरनपुर में किया जाना है। इसको लेकर राजस्व विभाग के सहयोग उपयुक्त भूमि तलाशने का कार्य शुरू कर दिया गया है। उपयुक्त भूमि मिलने के बाद निर्माण संबंधी कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। - अनुराग श्याम रस्तोगी, जिला प्रोबेशन अधिकारी।

अमृत विचार
बरेली, शनिवार, 6 दिसंबर 2025
पीलीभीत

धान खरीद में फंसे समिति सचिव और क्रय केंद्र प्रभारी पर एफआइआर दर्ज

किसानों को दरकिनार कर बिचौलियों को पहुंचा रहे थे लाभ, निरीक्षण में खुली पोल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : शासन स्तर से हुई सख्ती के बाद अब धान खरीद को लेकर जिला स्तर पर अधिकारियों ने सख्ती की है। इसी बीच किए गए निरीक्षण में धान खरीद में खेल भी उजागर हुआ है। बिचौलिए से धान लेने की बात सामने आने पर क्रय केंद्र प्रभारी और समिति सचिव पर एफआईआर दर्ज कराई गई है। इस कार्रवाई के बाद खलबली मच गई है।

बताते हैं कि धान खरीद में किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ दिलाने के निर्देश हैं। दो माह पूरे कर चुकी धान खरीद में बिचौलियों को लाभ पहुंचाने की अफवाह रही। क्रय केंद्रों पर किसान परेशान होते रहे। शासन के निर्देश पर जिला स्तर पर भी सख्ती की गई। जिसके बाद अब खेल करने वाले जिम्मेदारों पर भी कार्रवाई की गई। बताते हैं कि एआर कोऑपरेटिव डॉ. प्रदीप कुमार ने बीते दिनों बी पैक्स लिमिटेड घुंघचईया समिति परिसर में संचालित धान क्रय केंद्र का औचक निरीक्षण किया था। यहां पर केंद्र प्रभारी मौजूद मिले थे। ऑनलाइन क्रय पंजिका का अवलोकन किया गया। जिसके बाद 61 किसानों से 528.02 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई थी। जिसके सापेक्ष सिर्फ 225.00 मीट्रिक टन धान ही मिल को भेजा गया था। इसके अलावा किसानों से जब क्रॉस चेक किया गया तो उन्होंने ये बताया कि उन्होंने क्रय केंद्र पर नहीं बल्कि मिल पर ही सीधे धान बिक्री किया था। केंद्र पर तो उन्हें औपचारिकताएं पूरी करने के लिए बुलवाया गया था। इस मामले के उजागर होने के बाद अब कार्रवाई की गई है। पीसीयू संस्था के बी पैक्स घुंघचईया समति परिसर में संचालित क्रय केंद्र के प्रभारी ऋषिकांत और समिति सचिव सहदुल साजुद्दीन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।

मंडी समिति पीलीभीत में टिनशेड में लगे धान के ढेर। ● अमृत विचार

24 घंटे में 6251.86 मीट्रिक टन बढ़ी खरीद

3 अक्टूबर से धान खरीद की शुरुआत हुई थी। छह एजेंसियों के 150 क्रय केंद्र संचालित हैं। एक दिन पूर्व 82301.24 मीट्रिक टन की खरीद की गई थी, जिसमें 10970 किसान लाभान्वित किए गए थे। 24 घंटे बाद शुक्रवार को जारी किए गए आंकड़ों पर गौर करें तो एक दिन में ही ये आंकड़ा 88553 .10 मीट्रिक टन पहुंच गया है। किसानों की संख्या भी 11669 हो गई है। यानी 24 घंटे के भीतर 699 किसानों से 6251.86 मीट्रिक टन खरीद हुई है।

● **शासन की सख्ती के बाद अब जिलेभर में खुद दौड़ भाग कर रहे अधिकारी**

धान खरीद में गड़बड़ी करने पर एक क्रय केंद्र प्रभारी और समिति सचिव के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। किसानों की वीडियोग्राफी कराने के साथ ही कॉल कर संपर्क करके सत्यापन किया जा रहा है। पारदर्शिता के साथ धान खरीद कराई जा रही है।

– **वीके शुक्ला**, डिप्टी आरएमओ

किसानों का हो रहा सत्यापन

अभी तक 30142 किसानों की ओर से धान पंजीकरण कराया जा चुका है। 77 फीसदी किसानों का पंजीकरण तहसील स्तर से सत्यापित भी हो चुका है। 11669 किसान धान क्रय केंद्र पर बेच चुके हैं। उन्हें 16840 लाख रुपये भुगतान भी किया जा चुका है। इधर, क्रय केंद्र पर धान बेचने वाले किसानों से सत्यापन भी संपर्क कर किया जा रहा है। जिसके तहत कंट्रोल रूम के स्तर से अभी तक 4862 किसानों से उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क कर फीडबैक लिया जा चुका है।

100 मेधावियों को दी जाएगी निशुल्क कोचिंग

पीलीभीत, अमृत विचार : जनपद में करीब एक दशक से नि:शुल्क शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रही संस्था ब्लेस्ड चिल्ड्रन होम (बीसीएच) ने साल के लिए 100 बच्चों को नि:शुल्क कोचिंग देने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए एक जनवरी तक आवेदन फार्म भरे जाएंगे। ब्लेस्ड चिल्ड्रन होम की नि:शुल्क कोचिंग और मार्गदर्शन के दम पर अब तक कई छात्र अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, दिल्ली यूनिवर्सिटी और देश की अन्य बड़ी यूनिवर्सिटियों में दाखिला पा चुके हैं। संस्था के प्रतिनिधि एमए जिलानी ने बताया कि बीसीएच संस्था समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेवाभाव की नीयत से उच्च श्रेणी के टीचर्स की मेहनत और कठिन परिश्रम से यहां निशुल्क कोचिंग पाने वाले 10 बच्चों का देश की प्रतिष्ठित विश्व विद्यालय में चयन हुआ।

9 जनवरी को निकलेगी रथयात्रा

पीलीभीत, अमृत विचार : काशीराम कॉलोनी ईदगाह स्थित श्रीबालाजी नीम करौली धाम का पांचवां वार्षिकोत्सव नौ जनवरी से 11 जनवरी तक मनाया जाएगा। महंत विशाल सेवक ने बताया कि पहले दिन नौ जनवरी को सुबह 11 बजे दिव्य विराट रथ यात्रा निकाली जाएगी। दूसरे दिन दस जनवरी को वार्षिकोत्सव का भव्य दरबार दोपहर एक बजे से लगाया जाएगा। अंतिम दिन 11 जनवरी को हवन, कन्यापूजन और भंडारा दोपहर 12 बजे से होगा। इसकी तैयारियां चल रही हैं। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटेंगे।

शिविर में 1.23 लाख बकाया बिल जमा

शिविर में पहुंचे उपभोक्ता। ● अमृत विचार

बरखेड़ा, अमृत विचार: पावर कॉरपोरेशन की ओर से बिजली बिल राहत योजना के तहत गांव कटकवारा में शुक्रवार को शिविर लगाया गया। जिसमें 21 उपभोक्ताओं के बिलों का समाधान करते हुए छूट का लाभ दिया गया। अवर अभियंता संत कुमार ने बताया कि शुक्रवार को गांव कटकवारा में सुबह 10 से शाम 5 बजे तक लगाए गए कैंप में 123500 रुपये बकाया बिल की वसूली की गई है। 22 कनेक्शन काटे गए। इस मौके पर उपखंड अधिकारी प्रवीण कुमार कनौजिया, भरत कुमार, लाइनमैन गजेंद्र पाल, शिवकुमार, पूरनलाल, अभिषेक मिश्रा, रामधीरज, प्रकाश वीर आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

किसानों को जैविक खाद बनाने की विधि बताई

पीलीभीत, अमृत विचार : नगर पालिका परिषद पूरनपुर में सोशियो वाइटल नेटवर्क फाउंडेशन की टीम ने किसानों को जैविक खाद बनाने की विधि बताई। बैठक का मुख्य उद्देश्य किसानों को जैविक खाद का उपयोग और उसका महत्व और दुरगामी लाभ के बारे में अवगत कराना रहा। इसमें ग्रामीण किसानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जैविक खाद का महत्व रासायनिक उर्वरकों के बढ़ते उपयोग से मिट्टी में कार्बनिक पदार्थों की मात्रा कम हो रही है, जिससे उसकी उत्पादन क्षमता घट रही है। मिट्टी का स्वास्थ्य जैविक खाद मिट्टी को आवश्यक पोषक तत्वों से समृद्ध करती है, उसकी संरचना में सुधार करती है, और सूक्ष्मजीवों की गतिविधि को बढ़ाती है। यह लंबे समय तक मिट्टी को उपजाऊ बनाए रखती है।

रोवर्स रेंजर्स ने सीखा आग बुझाना

बिलसंडा, अमृत विचार : रोवर्स रेंजर्स शिविर के दूसरे दिन शुक्रवार को छात्र छात्राओं ने आग लगने की स्थिति और उसे काबू करने की गतिविधियां सीखीं। शिविर में टोली विधि, अनुमान लगाना, गांठ बांधना, प्राथमिक चिकित्सा, गुण, स्ट्रेचर, बीपी मिक्स व खेल शिविर गतिविधियां सिखाई गईं। सारी गतिविधियों में रेंजर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के दौरान कुमकुम देवी, साक्षी गंगवार, प्रिया, शिवी, अलेना, शनी, रिजवान, सुमित कुमार, अजय कुमार आदि मौजूद रहे।

हेल्पलाइन नंबर और योजनाएं बताई

पीलीभीत, अमृत विचार : ब्लॉक मरौरी क्षेत्र स्थित रामप्रसाद इंटर कॉलेज में मिशन शक्ति और बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत जिला मिशन कोऑर्डिनेटर सुवर्णा पांडे ने बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ दिलाते हुए कराई। जेंडर स्पेशलिस्ट जयश्री सिंह ने कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, गुड व बैड टच के बारे में बताया। हेल्पलाइन नंबर 1098, 1090, 181, 1076 और सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी गई। समापन बाल विवाह को जड़ से समाप्त करने के दृढ़ संकल्प के साथ पौधारोपण करते हुए किया गया।

महारैली के संबंध में हुई कांग्रेस की बैठक

पीलीभीत, अमृत विचार : मंडी समिति में कांग्रेस की मासिक बैठक जिलाध्यक्ष हरप्रीत सिंह चब्बा की अगुवाई में हुई। इसमें 14 को होने वाली महारैली के लिए चर्चा की गई। इस मौके पर कई लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। जिसमें विजय गंगवार, महेंद्र पाल, आशीष सिंह, सत्यम गंगवार, कौशल कुमार, शिवम गंगवार, जयदीप गंगवार, मोहम्मद जाबिर, जानकी प्रसाद, अमर सिंह, मोहम्मद साबिर, श्यामाचरण, अरविंद कुमार, सोमपाल सिंह, सुरेंद्र सिंह, छत्रपाल, टीकाराम, मोरध्वज, निहारिका राठौर, गुरजीत कौर आदि शामिल रहे। पीसीसी सदस्य युसूफ मलिक, जिला उपाध्यक्ष मुनेन्द्र पाल सक्सेना, रामनाथ, पुष्पा गंगवार, जिला महासचिव नरेश शुक्ला, कोषाध्यक्ष करनजीत सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष हरीश कुमार सिंह मौर्य, प्रदीप मौर्य, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष राजेश वर्मा, जिला महासचिव इमरान अंसारी, जिला सचिव जावित्री देवी, अल्पसंख्यक शहर कांग्रेस अध्यक्ष सद्दीक अहमद उस्मानी, प्रेम नारायण गंगवार, सोहन लाल गंगवार आदि मौजूद रहे।

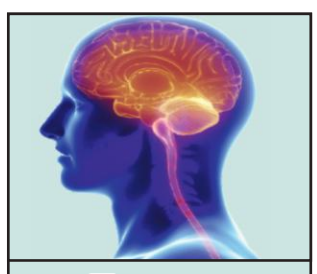

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता
M.Ch. Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क एवं रीढ़ रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
सुविधायें
● सिर की चोट का इलाज व आपरेशन
● रीढ़ की हड्डी की चोट का इलाज व आपरेशन
● ब्रेन ट्यूमर, दिमागी की गांठ तथा ब्रेन हेमरेज का आपरेशन
● दूरबीन विधि द्वारा हाइड्रो सिफेलस (दिमाग में पानी भरना) का इलाज व आपरेशन
● सिर दर्द (माइग्रेन) व मिर्गी के दौरे का ईलाज
● दिमाग के फोड़े का इलाज व आपरेशन
● गर्दन (सर्वाइकल) व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिम डिस्क का ईलाज व ऑपरेशन
● रीढ़ की नस का ट्यूमर (स्पाइनल ट्यूमर) का आपरेशन
● बच्चों के पीठ की गांठ का आपरेशन
● अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप द्वारा ईलाज
● रीढ़ की हड्डी व दिमाग की टी.बी. का इलाज व ऑपरेशन
● लकवा तथा पैरालायसिस का इलाज
बरेली न्यूरो एण्ड स्पाइन सुपर स्पेशलिटी सेन्टर
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
समय : प्रात: 10 12 बजे तक एवं सायं 6 से 8 बजे तक
लकवा के मरीजों के लिए 24 घंटे इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर
7017678157, 8077790358
7417389433, 9897287601

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
डा. दीक्षा गंगवार
एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ. (गोल्ड मेडलिस्ट)
(के.जी.एम.यू. लखनऊ)
नि:शुल्क परामर्श हेतु संपर्क करें
+91 78952 78992
समय : प्रातः 9 से 10 बजे तक, सायं 4 से 5 बजे तक
पता : स्व. केसर सिंह गंगवार कार्यालय, अशर्फी बैंकट हाल, 100 फुटा रोड, बरेली

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, रेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 9897838286

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये नि:शुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

न्यूज ब्रीफ

1.99 लाख रुपये की साइबर ठगी, रकम पुलिस ने कराई वापस

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : साइबर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली सदर पुलिस ने साइबर ठगी के विभिन्न मामलों में पीड़ितों के खातों से निकाले गए कुल 1,99,426 रुपये कार्रवाई करते हुए पीड़ितों को वापस कराए हैं। एसपी संकल्प शर्मा ने बताया कि पुलिस ने संबंधित बैंकों को मेल कर संदिग्ध खातों और मर्चेंट आईडी को तत्काल होल्ड/फ्रीज कराया। उसके बाद बैंक की तकनीकी सहायता से पीड़ित अभिषेक, आनंद कुमार, अमन अंसारी, मुनेर सिंह, सुभोष, मृदुल सिंह, नाजिम, राहुल कश्यप, अनिल कुमार, अजय कुमार के खातों से यूपीआई और क्रेडिट कार्ड के जरिए धोखाधड़ी कर निकाले गए कुल 1,99,426 रुपये पीड़ितों को वापस कराए हैं।

सड़क हादसे में घायल युवक की उपचार के दौरान मौत

मितौली, अमृत विचार : गुरुवार की रात पड़ोसी जनपद सीतापुर के महोली थाना क्षेत्र के बड़ा सेमरावा निवासी अमित कश्यप (28) पुत्र दिनेश कश्यप मितौली से मजदूरी कर बाइक से अपने घर जा रहा था। गंगा रामपुर में अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। उसे एंबुलेंस से सीएचसी मितौली लाया गया, जहां से हालात को गंभीर होने पर डॉक्टर ने पहले जिला अस्पताल फिर लखनऊ रेफर किया, लखनऊ ले जाते समय रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। अमित की मौत से परिजनों का रो रोकर हाल बेहाल है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

सेमरई गांव में श्रीमद्भागवत कथा का आरंभ

केशवापुर, अमृत विचार : सेमरई में भगवान शंकर जी के मंदिर के समीप

यजमान रामगोपाल बाजपेयी के यहां ग्रामवासियों के सहयोग से होने वाली श्रीमद्भागवत कथा के लिये कथाव्यास पं शिवप्रकाश मिश्र ने मंत्रोच्चार करते हुए देवताओं का आह्वान कर यजमान रामगोपाल बाजपेयी से ध्वज स्थापित कराया। श्रीमद्भागवत पुराण की आरती कर कथा का शुभारंभ किया। इस मौके पर काफी संख्या में कथा प्रेमी मौजूद रहे।

चटपटी गली गायब, गर्म कपड़ा बाजार काबिज

नगर पालिका परिषद ने फूड हब के लिए 25 काउंटर बनवाए थे, पत्र देकर युवाओं को किया गया था आवंटित

- विधायक योगेश वर्मा और पालिकाध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव ने ड्रीम प्रोजेक्ट का किया था लोकार्पण

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: नगर पालिका परिषद द्वारा शहर के गांधी पार्क के पास लखनऊ की तर्ज पर शुरू की गई चटपटी गली अब अपने मूल स्वरूप में नजर नहीं आ रही है। कुछ ही महीनों पहले जहां चाट, समोसे, कचौड़ी और विभिन्न व्यंजनों की खुशबू से गली महक रही थी, वहीं सर्दी की शुरुआत होते ही यह इलाका गर्म कपड़ों के अस्थाई बाजार में तब्दील हो गया है।

इस फूड हब का लोकार्पण विधायक योगेश वर्मा और पालिकाध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव ने बड़े उत्साह के साथ किया था। इसे नगर पालिका का ड्रीम प्रोजेक्ट बताया गया था, जिसका उद्देश्य शहर के बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना और स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देना था। नगर पालिका परिषद ने फूड हब के लिए 25 व्यवस्थित काउंटर बनवाए थे, जिन्हें विधिवत पत्र देकर युवाओं को आवंटित किया गया।

पहले : गांधी पार्क के सामने चटपटी गली, जिसमें इस तरह लगाए गए थे काउंटर।

अब : सज गया गर्म कपड़ों का बाजार। ● अमृत विचार

सिकमी दुकानदारों का कब्जा, सपना हुआ फीका

स्थानीय लोगों और व्यापारियों के अनुसार, चटपटी गली में वैध रूप से आवंटित काउंटरों की बजाय सिकमी दुकानदारों को कब्जा दे दिया गया। कई मूल आवंटियों ने अपना काउंटर किराए पर उठा दिया है, जिससे परियोजना की मूल भावना ही कमजोर पड़ गई। जो काउंटर चाट, भटूरे, कचौड़ी जैसी व्यंजन-सेवाओं के लिए बने थे, वे अब कपड़ों और ऊनी वस्त्रों के थोक-अस्थाई अड्डों में बदल गए हैं। इससे जहां फूड हब का असली मकसद पीछे छूट गया, वहीं बेरोजगार युवाओं को आजीविका देने की योजना भी धूमिल हो गई है। नगर के लोगों का कहना है कि यदि नगर पालिका नियमित निगरानी रखती और सख्ती से केवल स्वीकृत दुकानदारों को संचालन की अनुमति देती तो चटपटी गली शहर का एक प्रमुख आकर्षण बन सकती थी।

पालिकाध्यक्ष डॉ. इरा ने घोषणा की थी कि ये काउंटर वेंडिंग जोन के भीतर ही संचालित होंगे और भविष्य में मांग बढ़ने पर संख्या में वृद्धि भी की जाएगी। नगर पालिका ने स्थान पर साफ-सफाई, बिजली और पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी खुद उठाई थी।

उम्मीद थी कि यहां एक ही जगह सभी खानपान की चीजें उपलब्ध होंगी, जिससे व्यापारियों और ग्राहकों दोनों को लाभ मिलेगा, लेकिन मौसम बदलते ही तस्वीर भी बदल गई। जैसे ही ठंड बढ़ी, चटपटी गली के काउंटरों के आगे गर्म कपड़ों की दुकानें सजने लगीं। इस बार उम्मीद थी कि फूड हब अपनी पहचान कायम रखेगा, मगर वह फिर एक बार मौसमी बाजार के आगे दबकर रह गया।

नगर पालिका की कार्रवाई पर उठे सवाल

युवाओं का आरोप है कि प्रशासन की लापरवाही और नियंत्रण की कमी के चलते फूड हब अपने उद्देश्य से भटक गया है। फिलहाल नगरवासी यह आशा कर रहे हैं कि पालिका जल्द ही कार्रवाई करते हुए चटपटी गली को उसके मूल स्वरूप में वापस लाएगी, ताकि शहर को एक बेहतर और सुव्यवस्थित फूड ज़ोन मिल सके।

गांधी पार्क के पास चटपटी गली के काउंटरों को वेंडिंग जोन के लिए ही आवंटित किया गया था। इसका मकसद युवाओं को रोजगार से जोड़ना है। यदि आवंटियों ने अपने काउंटर किसी और कारोबारी को किराए पर दे दिए हैं तो यह नियमानुसार गलत है। इसकी जांच कर दोषी पाए जाने पर आवंटियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। -संजय कुमार, अधिशासी अधिकारी

सूची से हटाए गए 56039 डुप्लीकेट मतदाता

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: पंचायत चुनाव की तैयारियों के बीच मतदाता सूची को लेकर निर्वाचन विभाग पूरी सतर्कता बरत रहा है। जिले में मतदाता सूची के गहन सत्यापन अभियान के दौरान अब तक 56,039 डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा चुके हैं। इसमें धौरहरा तहसील में सबसे ज्यादा डुप्लीकेट मतदाता पाए गए, जबकि लखीमपुर तहसील दूसरे नंबर पर रही। धौरहरा में 14562 वोटर, जबकि लखीमपुर तहसील में 13930 डुप्लीकेट मतदाता होने पर नाम काटे गए। गोला में 9127, मोहम्मदी में 1008, पलिया में 2375, निघासन में 7955 और मितौली में 7082 डुप्लीकेट वोटर मिले हैं।

जिले के 15 ब्लॉकों की 1164 ग्राम पंचायतों की मतदाता सूची में करीब 27.53 लाख मतदाता हैं। निर्वाचन आयोग में मतदाता सूची करीब 27.53 लाख मतदाता हैं। निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची में शामिल संभावित डुप्लीकेट मतदाताओं को चिन्हित कर सत्यापन के निर्देश दिए थे। जिले में संभावित 4,97,966 डुप्लीकेट मतदाता के रूप में सामने आए। वोटर का नाम, पिता का नाम व पता एक ही जैसे होने के चलते उन वोटरों को डुप्लीकेट का नाम दिया गया। करीब 4,398 मृतक व स्थान परिवर्तन वाले मतदाताओं को भी बीएलओ ने हटाया है। करीब 17,588 वोटरों का आंकड़ा शेष है, जिसमें से भी जांच के बाद नाम हटाए जाएंगे। इसके लिए 1680 बीएलओ लगाए गए। अब तक के सत्यापन में 4,97,966 के सापेक्ष 4,19,941 मतदाता सही पाए गए।

डुप्लीकेट वोटरों का सत्यापन तेजी से चल रहा था, बीच में एसआईआर फॉर्म भरने का काम शुरू होने से बीएलओ व्यस्त हो गए। पंचायत एवं नगरीय के सहायक निर्वाचन अधिकारी सरोज कुमार ने बताया कि डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने का काम चल रहा है।

कुल डाटा एक नजर में

- जिले की 1164 ग्राम पंचायतें, 15 ब्लॉक
- कुल मतदाता : करीब 27 .53 लाख
- निर्वाचन आयोग द्वारा चिह्नित संभावित डुप्लीकेट मतदाता : 4,97,966
- अब तक सत्यापन में सही पाए गए : 4,19,941
- डुप्लीकेट के रूप में हटाए गए : 56,039
- मृतक/स्थानांतरित मतदाता हटाए गए : 4,398
- शेष जांच योग्य मतदाता : 17,588

पेड़ पर बैठे तेंदुए को देख साइकिल छोड़ भागे बच्चे

संवाददाता, मझगईं

- कई दिनों से दिखाई दे रहा तेंदुआ वन विभाग अलर्ट

अमृत विचार: क्षेत्र में कई दिनों से दिखाई दे रहा तेंदुआ अब ग्रामीणों के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है। गुरुवार शाम चारा लेने गए दो बच्चों का आम के पेड़ पर बैठे तेंदुए से आमना-सामना हो गया। बच्चों ने घबराकर वहीं साइकिल छोड़ दी और किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। घटना की जानकारी फैलते ही गांव में दहशत फैल गई।

निघासन वन रेंज क्षेत्र के पिरथीपुरवा गांव निवासी रामसेवक के बेटा बल्लू और शशि शाम करीब 4:30 बजे चंद्रभाल मौर्य के खेत पर चारा लेने गए थे। जैसे ही उन्होंने आम के पेड़ के नीचे साइकिल खड़ी की और पत्तियां तोड़ना शुरू किया, तभी बल्लू की नजर पेड़ की डाली पर बैठे तेंदुए पर पड़ गई। तेंदुए को करीब देखकर बच्चे स्तब्ध रह गए, लेकिन कुछ ही सेकंड में बल्लू ने समझदारी दिखाई। भाई शशि का हाथ पकड़कर उसने शोर मचाया और साइकिल छोड़कर भाग निकला। दोनों बच्चे किसी तरह घर पहुंचे और परिवार को घटना बताई। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और गोला-पटाखे दागकर तेंदुए के भगाया।

ग्रामीणों का कहना है कि तेंदुआ पिछले 2-3 दिनों से गांव के आसपास घूम रहा है। रामसेवक ने बताया कि हम रात क्या दिन में भी बाहर जाने में डर रहे हैं। तेंदुए को कई लोगों ने देखा है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

संदिग्ध परिस्थितियों में किशोर लापता

निघासन , अमृत विचार: गांव तेलियार निवासी मुनेंद्र शुक्ला ने बताया कि उनका पुत्र सत्यम (15) 4 दिसंबर को सुबह 11:30 बजे खेत पर गया था, लेकिन वापस नहीं लौटा। परिजनों का आरोप है कि गांव नौवापुर सानी निवासी शीतल उनके बेटे को कहीं ले गया है। शीतल का मोबाइल नंबर संपर्क में आ रहा है, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हो रही। कई नंबरों से कॉल कर बात करने की कोशिश की गई तो आरोपी ने सभी नंबर ब्लैक लिस्ट में डाल दिए। पीड़ित पिता के अनुसार जब वह आरोपी के घर पहुंचे तो वहां मौजूद लोगों से जानकारी ली तो कोई सही बात नहीं बता रहा है। बल्कि उल्टा धमका रहे हैं। प्रभारी निरीक्षक विवेक उपाध्याय ने बताया कि आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर किशोर को सकुशल बरामद करने की कोशिश कर रही है।

दुधवा में महावतों को दिया आधुनिक प्रशिक्षण

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार: दुधवा टाइगर रिजर्व में पालतू हाथियों की देखभाल और उनके वैज्ञानिक प्रबंधन को और प्रभावी बनाने को लेकर दुधवा पर्यटन परिसर में विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में वन्यजीव एसओएस के उपनिदेशक डॉ. इलाया राजा ने महावतों, चाराकटरों और अन्य वनकर्मियों को हाथियों के व्यवहार, स्वास्थ्य और उपयोग के वैज्ञानिक तरीकों पर प्रशिक्षण दिया।

विशेषज्ञ डॉ. इलाया राजा ने महावतों एवं चाराकटरों को बताया कि हाथियों का उपयोग करने के साथ ही उनके स्वास्थ्य का पूरा ख्याल रखना चाहिए। जिस प्रकार स्वयं थकान की अनुभूति होती है, वैसे ही हाथियों को भी होती है। उनके स्वास्थ्य एवं आयु को ध्यान में रखते हुए उनसे कितना कार्य लिया जाए, यह तय किया जाना चाहिए। सही समय पर आवश्यक आहार प्रदान किया जाए और उसके स्वभाव व स्वास्थ्य परिवर्तन पर पूरा ध्यान दिया जाए। हाथी का प्रयोग करते समय उसकी गतिविधियों पर यह नजर रखी जाए कि वह चलते समय कोई असामान्य व्यवहार तो नहीं कर रहा है, उसे चलने में कोई समस्या तो नहीं आ रही है।

यदि समस्या चलने में है तो उसका प्रमुख कारण क्या है, आदि विषयों पर भी चर्चा की गई। कार्यशाला के उपरांत प्रयोगात्मक रुप से विश्लेषण हेतु फील्ड विजिट भी किया गया। फील्ड विजिट के दौरान डॉ. इलाया राजा तथा डॉ. राहुल व श्री श्रिष्ट पचौरी ने हाथियों के प्रति व्यवहार के

कार्यशाला बाद मौजूद डीटीआर, एसओएस अधिकारी व महावत। ● अमृत विचार

- पालतू हाथियों के बेहतर प्रबंधन पर हुई कार्यशाला, स्वास्थ्य कैंप 6 दिसंबर तक चलेगा

समय क्या-क्या चीजें स्मरण रखी जाएं ,उसके बारे में बताया। इस मौके पर दुधवा टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक जगदीश आर, उप प्रभागीय वनाधिकारी बेलरायां दीपक कुमार पांडेय, वन्यजीव चिकित्सक डॉक्टर तलहा, फार्मासिस्ट दुधवा संदीप, क्षेत्रीय वन अधिकारी दक्षिण सोनारीपुर रेंज सुरेंद्र कुमार के अतिरिक्त संबंधित अधिकारी व कर्मचारी, महावत, चाराकटर, दुधवा बाघ संरक्षण फाउंडेशन की टीम तथा बायोलॉजिस्ट आदि मौजूद रहे। दुधवा टाइगर रिजर्व में पालतू हाथियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए एक स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया, जो 6 दिसंबर तक चलेगा।

गांव कौड़िया में बाघ ने बछड़े को बनाया निवाला

संवाददाता, मझगईं

अमृत विचार: क्षेत्र के कौड़िया गांव में बाघ का आतंक बढ़ता जा रहा है। कई दिनों से जंगल किनारे घूम रहा बाघ लगातार मवेशियों को निशाना बना रहा है। गुरुवार की रात बाघ ने खेत के अंदर हमला कर एक बछड़े को निवाला बना लिया। घटना के बाद से ग्रामीणों और किसानों में दहशत है, लेकिन वन विभाग ने अब तक ठोस कदम नहीं उठाए हैं।

गुरुवार देर रात बाघ ने गांव कौडिया के उत्तर दिशा में खेत में चर रहे एक बछड़े पर हमला बोल दिया। बाघ बछड़े को घसीटकर श्यामसुन्दर पुत्र सकटू के लाही के खेत तक ले गया और वहीं उसे अपना शिकार बना डाला। शुक्रवार सुबह जब ग्रामीण खेतों में खड़ी फसलों को

मौके का निरीक्षण करती वन विभाग की टीम। ● अमृत विचार

देखने के लिए पहुंचे, तो वहां पड़े अधखाए शव को देखकर उनके होश उड़ गए। घटना की खबर फैलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। खेत में जगह-जगह ताजे खून के निशान और बाघ के साफ पदचिह्न मिले, जिससे हमले की पुष्टि हो गई।

ग्रामीणों का कहना है कि बाघ आए दिन गाय और बछड़ों को शिकार बना रहा है। इतना ही नहीं वह गांवों तक भी पहुंच जा रहा है। इस कारण शाम होते ही खेतों की ओर जाना खतरनाक हो गया है। पशुपालकों ने बताया कि बाघ खेतों और गांव के नजदीक घूम रहा है और किसी भी समय हमला कर सकता

- मझगईं क्षेत्र में बाघ की तहशत ग्रामीणों में परेशान

है। उनका कहना है कि ऐसा नहीं है कि इसकी जानकारी वन विभाग को नहीं है, लेकिन वन विभाग शायद किसी बड़ी घटना के इंतजार में है, इसलिए उसने अभी तक बाघ को पकड़ने या फिर उसे जंगल वापस भेजने के लिए कोई कारगर कदम नहीं उठाए हैं।

ग्रामीणों ने मांग की है कि गांव और जंगल के बीच पिंजरा लगाकर बाघ को जल्द पकड़ा जाए और रात में गश्त बढ़ाई जाए। मझगई रेंजर अंकित सिंह ने बताया कि मौके पर टीम भेजी गई है। जांच कराई जा रही है, बाघ की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है और जल्द ही उसे पकड़ने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

राजस्व व चकबंदी टीम ने दिलाया कब्जा

कुकरा, अमृत विचारः सरदार गुरप्रीत सिंह निवासी पंजाबी कालोनी कस्बा गोला का कहना है कि 19 नवंबर को बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी खीरी के आदेश पर 5 दिसंबर को सहायक चकबंदी अधिकारी राजेश मोहन श्रीवास्तव व कानूनगो इकबाल अली, लेखपाल राजेंद्र सिंह, कानूनगो प्रेम सिंह के साथ सुरक्षा की दृष्टि से थानाध्यक्ष मैलानी ब्रजेश कुमार मौर्य, चौकी प्रभारी कुकरा अबलीश कुमार पंवार, चौकी प्रभारी बांकेगंज संतोष कुमार तिवारी व पुलिस की मौजूदगी में राजस्व टीम ने पैमाइश कर कब्जा दिलाया। मंगल सिंह निवासी ग्रंट नंबर 3 थाना मैलानी का कहना है कि इसी जमीन पर उसका कब्जा था, जिसे 19 नवंबर को चकबंदी अधिकारी बंदोबस्त के आदेश पर गुरप्रीत सिंह को कब्जा दे दिया है।

गन्ना भरे 10 ट्रकों का चालान, 2 सीज

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: ओवरहाइट गन्ना वाहनों की बढ़ती मनमानी और ट्रैफिक नियमों की अनदेखी पर आखिरकार परिवहन विभाग सख्त हो गया है। बुधवार को एआरटीओ प्रशासन ने टीम के साथ पलिया रोड, गोला रोड आदि मार्गों पर कई वाहनों की जांच की। इस दौरान टीम ने नियम विरुद्ध चल रही 10 गन्ना लदी गाड़ियों का चालान किया, जबकि दस्तावेज अधूरे मिलने पर दो वाहनों को सीज कर दिया गया। एआरटीओ शांति भूषण पांडेय ने दो टूक कहा कि बिना परमिट,ओवरहाइट वाहन अगर सड़क पर मिले तो उन्हें सीज किया जाएगा।

शुक्रवार को एआरटीओ प्रशासन शांति भूषण पांडेय ने अपनी टीम के साथ लखीमपुर-पलिया मार्ग,

सीज किया गया गन्ना भरा ट्रक।

लखीमपुर गोला मार्ग और मोहम्मदी मार्ग पर ओवरहाइट और अवैध तरीके से चल रहे वाहनों के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाया। टीम ने इस दौरान नियमों का उल्लंघन कर रहे 10 गन्ने भरे ओवरहाइट ट्रकों के चालान किए, जबकि दो गाड़ियों को मौके पर ही सीज कर दिया। अभियान में कई वाहनों में फिटनेस, टैक्स, परमिट, हाईट गार्ड और सुरक्षा मानकों का पालन नहीं मिला। अधिकारियों ने मौके पर ही वाहन चालकों को चेतावनी दी कि आगे से बिना दस्तावेज़ और नियमों के विरुद्ध वाहन चलाते पाए गए तो जुर्माना बढ़ाकर कार्रवाई की जाएगी।

- एआरटीओ बोले-बिना परमिट और ओवरहाइट गाड़ियां होंगी सीज

एआरटीओ ने कहा कि ओवरहाइट वाहन हाईवे पर हादसों का बड़ा कारण बन रहे हैं, जिससे बिजली लाइनों के कटने, ट्रैफिक जाम और जानमाल के नुकसान की आशंका बढ़ जाती है। अब जिले में ओवरलोड और ओवरहाइट वाहनों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। अधिकारियों ने किसानों और वाहन स्वामियों से अपील की गई कि गन्ना ढुलाई निर्धारित ऊंचाई और सुरक्षित करें, ताकि दुर्घटना और दंडात्मक कार्रवाई से बचा जा सके। विभाग की इस कार्रवाई से वाहन मालिकों में हड़कंप मचा हुआ है।

अखिल भारतीय बाघ आंकलन अभ्यास की तैयारी

दुधवा में बाघ आंकलन अभ्यास कार्यशाला में मौजूद वनाधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, पलिया कलां

- दुधवा टाइगर रिजर्व में आयोजित कार्यशाला में दिए गए कई टिप्स

अमृत विचार: दुधवा टाइगर रिजर्व के दुधवा पर्यटन परिसर में डीटीआर बफर जोन एवं दुधवा टाइगर रिजर्व के कार्मिकों का संयुक्त रूप से अखिल भारतीय बाघ आंकलन अभ्यास 2026 संबंधी तैयारी के विषय में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला को दुधवा टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर जगदीश आर, उप प्रभागीय वनाधिकारी बेलरायां दीपक कुमार पांडे, डॉ.मो. तलहा सहित कई अधिकारियों ने संबोधित कर बाघों की गणना के लिए की जाने वाली तैयारियों के विषय में कई टिप्स देते हुए अभ्यास कराया। इस अवसर पर सभी रेंजों के रेंज आफीसर, अनेक वनदरोगा व वन्य जीव रक्षक आदि मौजूद रहे।

प्रदर्शन बिजुआ में सचिवों ने ऑनलाइन हाजिरी का किया विरोध, अपनी मांगों का ज्ञापन खण्ड विकास अधिकारी को सौंपा

ग्राम पंचायत अधिकारियों का पांचवें दिन भी जारी रहा विरोध में धरना

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

जिले में ग्राम पंचायत अधिकारियों का सत्याग्रह लगातार जारी है। पांचवें दिन भी ग्राम पंचायत अधिकारियों और ग्राम विकास अधिकारियों ने सदर, निघासन, मितौली, धौरहरा समेत सभी ब्लॉक मुख्यालयों पर काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। मांगों का निस्तारण न होने सत्याग्रह आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया। ग्राम पंचायत अधिकारी ऑनलाइन हाजिरी और गैर विभागीय कार्य कराने से नाराज हैं और वह इसका विरोध कर रहे हैं।

नकहा। ग्राम पंचायत अधिकारी/ग्राम विकास अधिकारी समन्वय समिति के आह्वान पर नकहा ब्लॉक मुख्यालय पर शांतिपूर्ण सत्याग्रह आंदोलन जारी रहा। आंदोलन में शामिल पदाधिकारियों ने काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया

ब्लॉक नकहा में प्रदर्शन करते ग्राम पंचायत अधिकारी। ● अमृत विचार

और अपनी लंबित मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की। समिति के सदस्यों ने चेतावनी दी है कि यदि आज दोपहर 1 बजे तक मांगे नहीं मानी जाती हैं तो सभी ग्राम पंचायत अधिकारी और सचिव सरकारी विभागों से जुड़े सोशल मीडिया व व्हाट्सऐप समूहों से स्वयं को अलग कर लेंगे। समिति का कहना है कि विभाग की ओर से ऑनलाइन उपस्थिति, गैर विभागीय कार्यों का बोझ और पंचायत सचिवों पर अनावश्यक दबाव बढ़ाया जा रहा है, जिससे कार्य निष्पादन प्रभावित हो रहा है। शुक्रवार को प्रिया वर्मा, सीमा मिश्रा, शशि शेखर मिश्रा, आशुतोष वर्मा, सोनू वर्मा, पूजा वर्मा, मनीष सिंह, सुधीर कुमार, सतवीर राणा, सर्वेश कुमार, अंजलि भास्कर और राहुल सिंह सहित कई ग्राम पंचायत अधिकारी शामिल रहे।

मूड़ा सवारान। बिजुआ विकासखंड में शुक्रवार को ग्राम विकास विभाग के सचिवों ने ऑनलाइन हाजिरी प्रणाली के विरोध में प्रदर्शन किया। सचिवों का कहना है कि यह व्यवस्था ग्रामीण कार्य प्रणाली के अनुरूप नहीं है और इससे उनकी फील्ड आधारित जिम्मेदारियों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। सचिवों के प्रतिनिधिमंडल ने खण्ड विकास अधिकारी बिजुआ महावीर सिंह को विस्तृत ज्ञापन सौंपते हुए जल्द समाधान की मांग की। संगठन सचिव ने बताया कि पंचायत स्तर पर योजनाओं का क्रियान्वयन सचिवों की जिम्मेदारी है, लेकिन गैर-विभागीय कार्यभार और संसाधनहीनता से उनकी कार्यकुशलता प्रभावित हो रही है। ज्ञापन में मनरेगा, आवास, स्वच्छ भारत मिशन, आयुष्मान सहित 29 से अधिक योजनाओं के लक्ष्य आधारित कार्य को बिना संसाधनों के कराए जाने पर भी आपत्ति जताई गई।

कुंभी में पंचायत सचिवों ने किया सत्याग्रह आंदोलन

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : गैर विभागीय कार्यों को बिना सुविधाएं दिए कराने और ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में ग्राम पंचायत अधिकारियों ने सत्याग्रह आंदोलन कर खण्ड विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है।सत्याग्रह आंदोलन में मौजूद ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों ने बताया कि सरकार द्वारा पंचायत सचिवों के लिए ऑनलाइन उपस्थिति का आदेश अव्यवहारिक तथा काम में बाधा पहुंचाने वाला है। इसलिए इसका समाधान न होने तक सभी संगठन की मंशा अनुसार इसका विरोध करेंगे। उनका कहना है कि क्षेत्र भ्रमण के लिए लोगों को साइकिल का भत्ता दिया जाता है। 10 दिसंबर के बाद साइकिल से ही क्षेत्र का भ्रमण करेंगे, अपनी बाइक का उपयोग नहीं करेंगे। उसका उपयोग तभी करेंगे जब हमें उसका भत्ता मिलना शुरू हो जाएगा। भुगतान की जटिल प्रक्रियाओं से बचने के लिए मोबाइल ऐप के द्वारा भुगतान करने की मांग की जाएगी। आंदोलनरत कर्मचारियों ने अपनी मांगों का ज्ञापन खण्ड विकास अधिकारी आत्म प्रकाश रस्तोगी को सौंपा है।सत्याग्रह आंदोलन में सर्वेश कुमार, राजीव मुकुल, कमलेश राज, अनुज वर्मा, शिवांशु गुप्ता, रामानन्द यादव, ललित वर्मा, अखिलेश कुमार सिंह, शैली बाजपेयी, सुरभि गौर, अंकित श्रीवास्तव, प्रियम शुक्ला, रितू, राघवेंद्र प्रताप वर्मा आदि मौजूद रहे।

कुभी ब्लॉक कार्यालय पर आंदोलन पर बैठे ग्राम पंचायत अधिकारी।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार,6 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

पृथ्वीपुरवा के प्राथमिक विद्यालय से हजारों की चोरी

मझगई, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के पृथ्वीपुरवा स्थित प्राथमिक विद्यालय का गुरुवार रात चोरों ने ताला तोड़ दिया। कमरे में घुसकर बर्तन, अभिलेख और राशन आदि हजारों रुपये का सामान चोरी कर ले गए।प्रधानाचार्य संजय कुमार ने बताया कि सुबह जब वे परिसर पहुंचे तो दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखा तो संदूक के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण अभिलेख और सामान गायब थे। चोर एमडीएम रजिस्टर, स्टॉक रजिस्टर और अन्य अभिलेख, 25 थालियां, 25 गिलास, 25 चम्मच, बच्चों के खिलौने. दो दीवार घड़ियां, खाद्यान्न सामग्री चोरी कर ले गए हैं। प्रधानाचार्य ने बताया कि चोरी में आंगनबाड़ी और विद्यालय के एमडीएम स्टॉक व दस्तावेज़ों को भी निशाना बनाया गया है।

सैय्यद बाड़ा में अवैध ढंग से चल रहा अस्पताल सीज

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : सीएचसी अधीक्षक फरधान अमित वाजपेई ने बताया कि सीएमओ डॉ. संतोष कुमार गुप्ता के निर्देश पर कस्बा खीरी टाउन में स्थित एक अवैध तरीके से संचालित अस्पताल का निरीक्षण किया गया। इस दौरान अस्पताल में कोई डॉक्टर और स्टाफ मौजूद नहीं मिला। अस्पताल का रजिस्ट्रेशन, बायो मेडिकल वेस्ट, व अग्निशमन के कागजात आदि नहीं मिले। इस पर अस्पताल को सीज कर दिया गया है।

बस की टक्कर लगने से स्कूटी सवार छात्रा गंभीर घायल

भानपुर, अमृत विचार : भीरा-बिजुआ मार्ग पर शुक्रवार की दोपहर बस की टक्कर से स्कूटी सवार गांव राजपुर निवासी छात्रा काजल(23) पुत्री अतीश घायल हो गई। वह भानपुर से वापस घर जा रही थी। हादसे में छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है।

शादी का झांसा देकर किशोरी से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना मितौली पुलिस ने शादी का झांसा देकर किशोरी से दुष्कर्म करने के आरोपी गांव खंजन नगर निवासी सुभाष कुमार को गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक महेश पाठक ने बताया कि पुलिस ने आरोपी का चालान कर दिया है।

अवैध पुल व खनन के खिलाफ ग्रामीणों में उबाल

जौराहा नदी पर रुकवाया काम, ग्रामीण बोले-पहले डीएम से वार्ता, तभी शुरू होगा काम

संवाददाता, सिंगाही

अवैध पुल व खनन के विरोध में गुरुद्वारा में प्रदर्शन करते लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार: जौराहा नदी पर हो रहे प्रस्तावित खनन और ठेकेदार द्वारा बनाए गए अवैध अस्थाई पुल को लेकर विरोध तेज हो गया है। ठेकेदार के खोदाई शुरू कराने से लोग भड़क गए और खोदवाई रुकवाते हुए गुरुद्वारे में बैठक की और रोष जताया। खनन ठेकेदार ने मांझा गुरुद्वारा पहुंचकर लोगों से वार्ता की, लेकिन कोई हल नहीं निकला। ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है कि जब तक डीएम स्तर पर बात नहीं होती, तब तक खनन नहीं होने दिया जाएगा।

जौराहा नदी में खनन के लिए ठेकेदारों को पट्टा आवंटित किया गया है। जिस जगह पर पट्टा आवंटित किया गया है। वह कटान से प्रभावित इलाका है। ठेका मिलने के बाद ठेकेदार ने मांझा की ओर जाने वाले रास्ते को इस्तेमाल करने के बजाय जौराहा नदी पर होम पाइप डालकर अस्थाई पुल बना दिया है। जिसके ऊपर से बालू भरे डंपर

● होम पाइप डालकर अस्थाई पुल बनाने से नाराज हैं ग्रामीण

निकालने की तैयारी की जा रही है। वहीं पुल बनाए जाने से नदी का प्रवाह दूसरी तरफ घूम गया है।

इससे नदी के दक्षिण दिशा में खड़ी फसलों को काफी नुकसान हो सकता है। वहीं युवा भी अवैध तरीके से बनाए गए पुल से स्टंट कर नदी में छलांग लगा रहे हैं और रील बना रहे हैं। ग्रामीणों ने बालू खनन करने का विरोध किया है। उनका कहना है कि प्रशासन अभी यह नहीं बता पाया है कि जौराह नाला कहां पर है और कहां खोदाई करनी है। ठेकेदार ने मनमाने तरीके से खोदाई शुरू कर दी है।

इसकी जब जानकारी आसपास के लोगों को हुई तो ग्रामीणों ने सिक्ख और किसान संगठन के पदाधिकारियों के साथ मांझा गुरुद्वारा में बैठक की और विरोध प्रदर्शन कर खनन को रुकवा दिया। सूचना पाकर गुरुद्वारा पहुंचे ठेकेदार जय सिंह ने लोगों से बातचीत की और काफी मान मनौव्वल की, लेकिन लोग राजी नहीं हुए। किसान नेताओं ने साफ कहा कि जब तक उनकी डीएम से वार्ता नहीं हो जाती। तब वह खनन नहीं होने देंगे। इस दौरान सिक्ख संगठन के नेता परमजीत सिंह, केवल सिंह, गुरमीत सिंह, करम सिंह,जसवीर सिंह बाजवा,हरमीत सिंह,सोनिवाल सिंह आदि मौजूद रहे।

नदी के बहाव से छेड़छाड़ फसलों पर खतरा

मामला जौराहा नदी के उस हिस्से का है, जहां खनन विभाग ने ठेकेदार को पट्टा आवंटित किया है। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार ने आवंटित रास्ते का उपयोग न करके नदी के बीच में होम पाइप डालकर अवैध पुल तैयार कर दिया, ताकि बालू भरे डंपर उस रास्ते से गुजर सकें। इससे नदी का प्राकृतिक बहाव बदल गया है और दक्षिण दिशा में खड़ी धान व गेहूं की फसलों में पानी भरने का खतरा मंडराने लगा है।इसके बावजूद ठेकेदार मनमाने तरीके से तैयारी शुरू कर चुके हैं।

ग्रामीणों ने यह रखी मांगे

- नदी पर बनाया गया अवैध पुल तत्काल हटाया जाए।
- नदी के बहाव को मूल स्थिति में लाया जाए।
- खनन क्षेत्र की सीमाओं का स्पष्ट निर्धारण हो।
- पर्यावरणीय मानकों और सुरक्षा नियमों का पालन किया जाए।

तेजी से हो रहा मतदाता पुनरीक्षण और शुद्धिकरण

भल्लिया बुजुर्ग में एसआईआर फार्म भरवाती बीएलओ। ● अमृत विचार

संवाददाता, बिलहरी

● बीएलओ ने लगाया उच्चतर प्राथमिक विद्यालय भल्लिया में कैंप

अमृत विचार: भारत निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार विगत चार नवम्बर से मतदाता पुनरीक्षण व शुद्धिकरण के अभियान में बीएलओ गांवों में जाकर कार्य पूर्ण कराने में जुटे हैं।

लखीमपुर ब्लॉक व तहसील क्षेत्र के गांव भल्लिया, टेड़वा और रजौरा के भाग संख्या 46 उच्चतर प्राथमिक विद्यालय भल्लिया में मतदाता पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है, जिसमे कुल मतदाता 1050 हैं, जबकि वहां बूथ लेवल अधिकारी रामदेवी, मंजुला शुक्ला, सुनीता पांडेय और माया देवी ने कडी मसक्कत कर 900 मतदाताओ के फार्मा का शुद्धिकरण कर डाटा फीड करा लिया है। उनका कहना है कि आगामी 11 दिसम्बर तक शेष बचे मतदाताओं का शुद्धिकरण कर डाटा फीड किया जाएगा।

जलेबी रेस में जीतेश व स्पून में अलहाज प्रथम

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

कोटवारा के सिल्वर सिटी एकेडमी में सरस्वती पूजन कर खेलकूद की शुरुआत करातीं मुख्य अतिथि मीनाक्षी अग्रवाल। ● अमृत विचार

● सिल्वर सिटी एकेडमी में वार्षिक खेलकूद का दूसरा दिन

अमृत विचार: कोटवारा रोड स्थित सिल्वर सिटी एकेडमी में हो रहे वार्षिक खेल प्रतियोगिता का दूसरा दिन उत्साह और जोश से भरपूर रहा। विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

विद्यालय में हो रहीं दूसरे दिन की खेलकूद प्रतियोगिताओं का आरंभ मुख्य अतिथि नगर पालिका की पूर्व अध्यक्ष मीनाक्षी अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती की पूजा कर किया। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास विकसित करते हैं। साथ ही विद्यार्थियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

खेल प्रतियोगिताओं में खो खो प्रतियोगिता जूनियर बालक वर्ग का खिताब रेड हाउस ने अपने नाम किया, जबकि बालिका वर्ग में ब्लू हाउस विजेता रहा। स्पून रेस में अलहाज ने प्रथम, मानवी यादव ने दूसरा तथा खुशी जायसवाल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

क्रिकेट मैच में जूनियर बालक वर्ग के फाइनल मुकाबले में रेड हाउस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी जीत दर्ज कराई।

जलेबी रेस में जीतेश ने पहला, ऋषिकेश ने दूसरा तथा प्रशिव को तीसरा स्थान मिला। चेस मैच के फाइनल में अराध्या शर्मा (रेड हाउस) और खदीजा (ब्लू हाउस) विजेता बनीं।

विद्यालय के एमडी डॉ. हरमोहान सिंह खुराना तथा प्रधानाचार्य एसके शुक्ला ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन कर विजेताओं को शुभकामनाएं दीं।

सभी गांव शहाबुद्दीनपुर सोसाइटी से जोड़े जाएं

संवाददाता, केशवापुर

समिति के संचालक को सम्मानित करते मुख्य अतिथि धर्मेंद्र गिरि मोंटी। ● अमृत विचार

● शहाबुद्दीनपुर समिति ने कमाया आठ लाख का लाभ

अमृत विचार: ब्लॉक कुम्भी क्षेत्र के कस्बा अजान स्थित बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति (बी पैक्स) लिमिटेड शहाडुद्दीनपुर के वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक में सदस्यों के हित में छिछोना ग्राम पंचायत के सभी गांव लंदनपुर सोसाइटी से हटाकर शहाबुद्दीनपुर सोसाइटी से जोड़ने की मांग की गई।

अजान बाजार के प्रांगण में सहकारी समिति के अध्यक्ष पंकज वर्मा की अध्यक्षता में हुई सामान्य निकाय की बैठक में मुख्य अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष विनोद वर्मा, भाजपा विधायक अमन गिरि के चाचा धर्मेन्द्र गिरि का समिति के अध्यक्ष पंकज वर्मा, ग्राम प्रधान विपिन यादव, समिति के सचिव सुशील कुमार रस्तोगी ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। जिला उपाध्यक्ष विनोद वर्मा ने कहा कि समितियों को बहुउद्देशीय बनाने का लक्ष्य किसानों की सभी आवश्यकताओं को एक ही मंच पर पूरा करना है।

उन्होंने बताया कि सरकार इस दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है। ग्राम प्रधान विपिन यादव ने कहा कि सभी किसान फार्मर रजिस्ट्री अवश्य कराएं ताकि खाद आसानी से उपलब्ध हो सके। प्रधान विपिन यादव ने सरकार के प्रतिनिधियों से मांग कर कहा कि छिछोना पंचायत के सभी गांव को झाऊपुर स्थित लंदनपुर सोसाइटी से हटाकर शहाबुद्दीनपुर सोसाइटी से जोड़ दिया जाए ताकि किसानों को खाद के लिए दूर जाना न पड़े।

समिति सचिव सुशील कुमार रस्तोगी ने वार्षिक लेखा जोखा प्रस्तुत कर सदन को जानकारी दी कि समिति की लिमिट 2.5 करोड़ पास है। वित्तीय वर्ष में समिति ने 428.99 लाख का लोन 600 किसानों में वितरित किया था। उसके सापेक्ष 398.25 लाख की वसूली की गई। बीते वर्ष का लाभ 7.99 लाख रहा। समिति में कुल 4400 सदस्य उर्वरकों की खरीदारी करते हैं। अध्यक्ष पंकज वर्मा ने किसानों के हित में चलाई जा रहीं विभागीया महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। समापन पर समिति के सचिव सुशील कुमार रस्तोगी व मुख्य अतिथियों द्वारा समिति के अध्यक्ष पंकज वर्मा सहित समिति के सभी संचालकों को डायरी पेन गिफ्ट में भेंट किया गया। वार्षिक बैठक में पूर्व प्रधान अशोक वर्मा, प्रधान बब्लू, पूर्व प्रधान सर्वेश कुमार वर्मा, रामप्रकाश अवस्थी, अवधेश कुमार वर्मा, जीवन लाल वर्मा, दिनेश कुमार, प्रधान अजय मौर्य, प्रधान ओमप्रकाश वर्मा, मायाराम, महेश वर्मा, रघुवीर शरण वर्मा, सुधीर गौतम, रामप्रताप भार्गव, पूर्व प्रधान रामसिंह वर्मा, सतीश शर्मा तमाम किसान मौजूद रहे।

प्रधान ने सचिव पर लगाया धोखाधड़ी का आरोप

संवाददाता, मूड़ा सवारान

● ग्राम निधि से धन निकालने पर प्रधान ने की जांच की मांग

अमृत विचार: ब्लॉक बिजुआ की ग्राम पंचायत शिवपुरी में ग्राम सचिव पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए ग्राम प्रधान बाटू ने डीएम, सीडीओ व डीपीआरओ को लिखित शिकायत कर जांच व ग्राम सचिव के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम पंचायत शिवपुरी की ग्राम प्रधान बाटू ने बताया कि ग्राम पंचायत में एक हैंडपंप रिबोर होना बाकी था, लेकिन 22 नवंबर को ग्राम पंचायत सचिव गोल्डी वर्मा ने नई खाता फर्म रजिस्टर्ड करने की बात कहकर उनसे ओटीपी ले लिया। जिसके बाद सचिव ने ग्राम पंचायत निधि से एक फर्म के खाते में 1,41,240 रुपये ट्रांसफर कर दिए। पता चलने पर सचिव से पूछा तो उन्होंने ग्राम प्रधान को अपशब्द कहे। प्रधान ने शिकायत मुख्य विकास अधिकारी, डीएम व जिला पंचायत राज अधिकारी से कर पंचायत सचिव के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। डीपीआरओ विशाल सिंह का कहना है कि ग्राम पंचायत शिवपुरी में मंगलवार को निरीक्षण की डेट लगाई है।

गैस रिफिलिंग के दौरान मारुति वैन में लगी आग

संवाददाता, निघासन

अमृत विचार: नगर के पलिया रोड पर शुक्रवार को बड़ा हादसा होते-होते बच गया। सड़क किनारे अवैध रूप से गैस रिफिलिंग के दौरान अचानक एक मारुति वैन में आग लग गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची फायर बिग्रेड ने आग पर काबू पाया। आग की लपटों की चपेट में आकर वाहन स्वामी भी झुलस गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वाहन में गैस की रिफिलिंग के साथ ही रिपेयरिंग का काम चल रहा था। अचानक चिंगारी उठने से आग भड़क उठी। लोग कुछ समझ पाते। इससे पहले ही आग ने वैन को अपनी चपेट में ले लिया और वह धू धू कर जलने लगी। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह भागकर अपनी जानबचाई। सूचना पाकर फायर बिग्रेड मौके पर पहुंची।

कर्मचारियों ने आग पर काबू पाया। हादसे में वाहन स्वामी सद्दाम भी झुलस गया। जिसे अस्पताल भेजा गया है। पूरे जिले में बिना लाइसेंस अवैध तरीके से वाहन गैस रिफिलिंग का धंधा खुलेआम चल रहा है, लेकिन संबंधित विभाग इस पर आंख बंद किए बैठे हैं। कई जगह बिना सुरक्षा उपकरणों, बिना अनुमति और बिना प्रशिक्षण के गैस रिफिलिंग की जा रही है, जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

महिलाओं को अधिकारों की जानकारी होना जरूरी

संवाददाता, मझगई

कार्यक्रम में मौजूद महिलाएं। ● अमृत विचार

● बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर सशक्तिकरण का दिया संदेश

अमृत विचार: छेदुई पतिया स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में शुक्रवार को सप्त शक्ति संगम महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित हुआ, कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों की जानकारी होना जरूरी है। साथ ही सुरक्षा, शिक्षा और अधिकारों पर भी जोर दिया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत अधिकारी शालिनी पांडेय रहीं। वहीं पूर्व जिला पंचायत सदस्य कुसुमा देवी, सुधा लोधी और रूबी गुप्ता सहित कई महिला वक्ताओं ने महिलाओं को आत्मनिर्भर और जागरूक बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों की जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। आज हर महिला को अपनी सुरक्षा व सम्मान के लिए स्वयं आगे आना होगा। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की छात्राओं ने महिला शक्ति और स्वाभिमान पर आधारित आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। बच्चियों के प्रस्तुत गीतों और नृत्यों ने महिला जागरूकता और सशक्तिकरण का संदेश दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं। इस मौके पर राकेश यादव, राजेंद्र प्रसाद यादव, श्रीपाल, विद्यालय के प्रिंसिपल राकेश कुमार श्रीवास्तव, देशराज यादव, नरेंद्र कुमार यादव, राजकुमार यादव, ज्ञानेंद्र आदि मौजूद रहे।

Rohilkhand INFERTILITY & IVF CENTRE

द्वारा IVF कैम्प

दिल्ली का जाना-माना IVF सैन्टर

RISAA IVF

Creating life.... completing families.

अब अधूरे सपने होंगे पूरे

निःसन्तानता निवारण टेस्ट ट्यूब सैन्टर

परामर्श शुल्क मुफ्त

दिन : 8 दिसम्बर 2025 दिन सोमवार

समय : प्रातः 10:00 से 01 बजे तक

अपनी नन्हीं खुशियों को आज ही अपने घर लाये हमारे साथ !

उपलब्ध सुविधायें :-

★ निःसन्तानता सम्बन्धित जाँचें सस्ती दरों पर
★ टेस्ट ट्यूब बेबी (IVF) मार्केट रेट से 35% की छूट पर
★ लैब टेस्ट पर भारी छूट
★ इन्फर्टीलिटी अल्ट्रासाउंड मात्र 150/- में

विशेषतायें:-

★ 25 वर्षों के अनुभव के साथ।
★ ICSI, I.U.I., लेप्रोस्कॉपी हिस्ट्रोस्कोपी (दुरबीन द्वारा बच्चेदानी व अंडेदानी की जाँच)
★ उच्चतम सफलता दर ★ विश्वस्तीय आधुनिकतम IVF लैब

देश विदेश में हजारों दम्पत्ति हुए लाभान्वित आइये आप भी यह उम्मीद पाएं.....

स्थान :

IVF सैन्टर Ist Floor न्यू बिल्डिंग कमरा नं. 106

रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल

सुरेश शर्मा नगर चौराह, डेंटल कॉलेज रोड, बरेली

रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें : 6398018900, 8171925965

लेटलतीफी

निर्माण कार्य को चार साल नौ महीने पूरे, कार्य अब भी पड़ा अधूरा

ओवरब्रिज चालू होने की इस वर्ष भी उम्मीद नहीं

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

गोला में जंगल वाली रेलवे क्रॉसिंग पर मशीनों से काम करते श्रमिक। ● अमृत विचार

अमृत विचार: पीलीभीत बस्ती हाईवे 730 पर गोला में जंगल वाली रेलवे क्रॉसिंग पर बन रहे ओवरब्रिज का कार्य शुरू हुए चार वर्ष नौ महीने से अधिक का समय होने के बावजूद भी इस वर्ष भी वाहन ओवरब्रिज पर फर्राटा नहीं भर पाएंगे। अभी भी रेलवे ओवरब्रिज पर निर्माण का 20 प्रतिशत कार्य कराया जाना बाकी है। मार्च 2026 तक ओवर ब्रिज के ऊपर वाहनों के फर्राटा भरने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

रेलवे ओवर ब्रिज के निर्माण का कार्य तत्कालीन विधायक स्व. अरविंद गिरि के प्रयासों से वर्ष 2021, फरवरी माह में शुरू हुआ था। तब से कई बार निर्माण कार्य में उतार चढ़ाव आने, कई कई दिनों के निर्माण में रुकावट आने के बाद निर्माण कार्य जारी रहा। इस वर्ष दिसंबर माह में निर्माण कार्य के चार वर्ष नौ महीने पूरे होने के बाद ओवरब्रिज निर्माण कार्य का 80 प्रतिशत काम पूरा हो पाया है। अब ओवरब्रिज पर सड़क और नीचे रेलवे लाइन के पास काम होना बाकी है, लेकिन काम की गति देखकर अभी भी तीन से चार महीने लग जाने की उम्मीद है।

गुरुवार शाम तक रेलवे क्रॉसिंग के पूरब तरफ अधूरे पड़े निर्माण कार्य में 80-80 टन वजन के पांच सीमेंटेड गाटर भारी भरकम क्रेन, मशीनों और श्रमिकों की मदद से डाले गए। अब ऊपरी डेक तैयार करने के लिए सड़क निर्माण, मिट्टी पटाई का कार्य शुरू करा दिया गया है। रेलवे ओवर ब्रिज पर पूरी तरह से सड़क निर्माण कार्य के साथ अन्य आवश्यक कार्य कराए जाने में अभी मार्च तक का समय लग जाएगा, जिसके चलते छोटे बड़े वाहनों के ओवरब्रिज पर मार्च 2026 तक ही फर्राटा भर पाने की संभावना है। रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज के निर्माण कार्य को लेकर 29 अक्टूबर से 23 नवंबर रविवार तक 26 दिनों का मेगा ब्लॉक लेकर स्टील फ्रेमिंग, गर्डर, लॉन्चिंग, सीमेंटेड गाटर आदि रखने का कार्य कराया गया था, जिसको लेकर क्रॉसिंग बंद होने के चलते छोटे, बड़े वाहनों का रूट डायवर्ट कर दिया गया था।

दैनिक यात्रियों, स्कूली बच्चों और वाहन चालकों को 26 दिन जाम में फंसकर परेशान होना पड़ा था। लेकिन उन्हें उम्मीद थी कि अब शीघ्र ही वाहन ओवरब्रिज पर फर्राटा भर सकेंगे, पर इसके लिए अभी उन्हें लंबा इंतजार करना पड़ेगा। ओवर ब्रिज निर्माण का कार्य पूरा होने के बाद आवागमन सुरक्षित और सुगम हो जाएगा। रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन, मालगाड़ी, इंजन आदि निकलने पर फाटक बंद होने के चलते जाम में फंसकर परेशान होने वाले लोगों को जाम से राहत मिलेगी और उनका समय भी बचेगा।

ओवरब्रिज चालू होने पर व्यापार और परिवहन पर पड़ेगा असर

ओवर ब्रिज बनकर तैयार हो जाने पर वाहन फर्राटा भर सकेंगे। व्यापारियों को समय पर बिना जाम में फंसे माल को मिल, मंडी आदि तक पहुंचने में आसानी भी हो जाएगी। रोडवेज डिपो की बसें व अन्य निजी वाहन कम समय में आसानी से बिना जाम में फंसे दूरी तय कर सकेंगे। अभी रेलवे फाटक बंद होने और खुलने पर वनवे ट्रैफिक व्यवस्था होने के चलते दोनों तरफ के वाहन आमने-सामने आ जाने पर जाम बढ़ जाती है। इस जगह पर ट्रैफिक पुलिस की कोई स्थाई तैनाती भी नहीं है। कार्यदाई संस्था विजय कंस्ट्रक्शन के साइड इंचार्ज दिलीप कुमार ने बताया कि रेलवे लाइन के ऊपर स्टील फ्रेमिंग और सड़क को जोड़ने के लिए पांच सीमेंटेड गाटर रखवा दिए गए हैं। मिट्टी की पिटाई, ऊपरी डेक, सड़क आदि का कार्य भी शुरू करवा दिया गया है। इसके बाद डेंटिंग, पेंटिंग संबंधी अन्य जरूरी कार्य कराए जाएंगे। मार्च 2026 में ही ओवर ब्रिज पर वाहनों के फर्राटा भरने की उम्मीद है।

न्यूज ब्रीफ

लकड़ी काटने के विवाद में फायरिंग

सेहरामऊ दक्षिणी, अमृत विचार : चांदा गांव में खेत पर खड़ी जामुन के पेड़ से लकड़ी काटने के विवाद में फायरिंग की गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। चांदा निवासी आयुष मिश्रा के खेत में जामुन के पेड़ से लकड़ी काट रहे आटा खुर्द निवासी सुदीप, नरदेव और अनुज को देखकर आयुष मौके पर पहुंचे और विरोध किया। इसी पर नाराज होकर आरोपियों ने तमंचों से फायरिंग शुरू कर दी। आयुष किसी तरह वहां से भागे और फोन कर 112 पर सूचना दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। थाना प्रभारी उमेश कुमार मिश्र ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

गेट का ताला तोड़कर नकदी जेवर चोरी

खुटार, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला नारायनपुर निवासी नरेंद्र त्रिपाठी ने बताया वह कपड़े की फेरी लगाते है। 21 नवंबर को वह और उसकी पत्नी विजयलक्ष्मी गोरखपुर के कस्बा महाराजगंज ससुराल गया था। दो-तीन पहले लौटकर आया था। गुरुवार सुबह वह फेरी लगाने क्षेत्र में चले गए थे। रात होने के बाद खुटार के गांव नरौठा हंसराम निवासी बहनोई अनूप मिश्रा के घर रुक गए थे। शुक्रवार दोपहर दो बजे पड़ोस के लोगों ने सूचना दी कि मेन गेट का ताला टूटा हुआ है। सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचे। चोरों ने मेन गेट का ताला तोड़कर घर में घुसे कमरे की कुंडी निकाल ली। बाद में बक्सा का ताला तोड़कर नगदी, जेवरात चोरी कर ले गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ससुराल वालों पर नकदी और जेवर ले जाने का आरोप

शाहजहांपुर, अमृत विचार : पुवायां थाना क्षेत्र के गांव जेवा निवासी संदीप सिंह ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि उसके बड़े भाई मंजीत सिंह की शादी आठ माह पूर्व कस्बा मीरानपुर कटरा में गरिमा देवी के साथ हुई थी। एक माह पूर्व उनके घर पर दावत थी। दावत में भाई के ससुर अशोक, सास सुहागवती, साली महिमा आए थे। दावत के अगले दिन उसकी मां की तबीयत खराब होने के कारण इलाज कराने लखनऊ चला गया। इस बीच उसके भाई के ससुराल वालों ने नौ लाख रुपये के जेवर और करीब पौने तीन लाख रुपये निकाल ली तथा बिना बताए कटरा चले गए। उसके भाई की पत्नी करीब आठ लाख रुपये का जेवर लेकर चली गयी। वह लखनऊ से वापस आया तो उसको जानकारी हुई। उसके भाई की पत्नी मायके से वापस नहीं आयी। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली है और विवेचना की जा रही है।

तीन दुकानों में वारदात, दहशत में व्यापारी

काउंटर से कैश उड़ाने वाला गैंग सक्रिय, सीसीटीवी में कैद तीनों जगह एक ही मास्क वाला लुटेरा

- तहरीर देने पर भी पुलिस ने दर्ज नहीं की रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः शहर में इन दिनों दुकानों के काउंटर के गल्ले से नगदी चोरी करने वाला गैंग सक्रिय हो गया है। शहर में एक घंटे के भीतर तीन दुकानों को निशाना बनाया गया। सभी घटनाएं दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो चुकी हैं। खास बात यह है कि तीनों दुकानों पर लगे सीसीटीवी कैमरे में रुपये चोरी करते एक ही युवक की तस्वीर कैद हुई है। एक दिन में तीन सिलसिलेवार वारदातों से व्यापारियों में जहां दहशत का माहौल हैं। वहीं उनमें पुलिस के प्रति रोष भी देखा जा रहा है।

पहली घटना कचहरी रोड स्थित पंजाब नेशनल बैंक के नीचे एक शोरूम में हुई। दोपहर एक युवक मास्क पहनकर ग्राहक बनकर दुकान में दाखिल हुआ। उसने गद्दे देखने का बहाना करते हुए दुकानदार का ध्यान गद्दे दिखाने में लगाया और जैसे ही मौका मिला। उसने कैश काउंटर में रखे 25,510 रुपये निकाल लिए और आराम से बाहर निकल गया। दुकान मालिक को कुछ देर बाद कैश कम होने का पता चला। सीसीटीवी फुटेज में युवक बेहद चालाकी से कैश उठाते और सामान्य तरीके से बाहर जाते हुए साफ दिखाई दे रहा है। घटना के बाद हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची।

पुलिस जांच कर सीसीटीवी फुटेज देख रही थी। इसी बीच आरोपी ने अगली वारदात इमली चौराहे पर स्थित एक आइसक्रीम पार्लर में कर दी। दुकान में ग्राहक कम होने का फायदा उठाते हुए उसने काउंटर का दरवाज़ा खोला और 6,500 रुपये लेकर फुर्र हो गया। यहां भी शो रूम के सीसीटीवी फुटेज में कैद हुआ आरोपी युवक उसी मास्क में कैमरे में दिखाई दिया। तीसरी घटना एक कंप्यूटर शोर रूम पर हुई। यहां आरोपी ने गल्ला खोलने की कोशिश की, लेकिन दुकानदार की नजर पड़ जाने से वह बिना कैश लिए दौड़कर भाग निकला।

दुकानदारों का कहना है कि आरोपी को इस बात की जानकारी है कि दुकानें किस समय कम भीड़भाड़ में होती हैं और किस तरह दुकानदार का ध्यान बांटा जा सकता है। व्यापारियों ने आशंका जताई है कि यह केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि किसी संगठित गैंग का सदस्य है, जो लगातार इलाके की दुकानों की रेकी कर रहा है और तय प्लान के तहत वारदातें कर रहा है। पीड़ितों ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपी की जल्द गिरफ्तारी और सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर टीम गठित कर जांच शुरू कर दी है। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो व्यापारी आंदोलन को मजबूर होंगे।

कचहरी रोड पर स्थित शो रूम के कैमरे में कैद आरोपी युवक।

बढ़ती घटनाओं से व्यापारी चिंतित

शहर में लगातार बढ़ती इस तरह की घटनाओं से व्यापारियों में दहशत और असुरक्षा का माहौल है। व्यापारियों ने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने और बाजार क्षेत्र में संदिग्धों की पहचान कर कार्रवाई की मांग की है। कैमरे में कैद होने के बावजूद पुलिस अभी तक खाली हाथ है। लगातार घटनाओं ने शहर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

> सीसीटीवी फुटेज लिए गए हैं। पुलिस जांच कर आरोपियों की पहचान कराने की कोशिश कर रही है। जल्द ही घटना कारित करने वालों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। -**राजेश कुमार सिंह**, शहर कोतवाल

दूल्हे के पिता की बैग से सोने का हार-नकदी चोरी

लखीमपुर खीरी। जरवल रोड बहराइच निवासी अवधेश कुमार दीक्षित के बेटे की बारात गुरुवार रात शहर के एक मैरिज हाल में आई थी। दूल्हे के पिता ने बताया कि उनकी बैग में 19 ग्राम का एक सोने का हार और रुपये रखे थे। द्वारचार के समय रात करीब पौने दस बजे किसी युवक ने बैग में रखा हार, 50 रुपये के नोट वाली एक गड्डी, 100 रुपये नोट की एक गड्डी और करीब 1400 रुपये फुटकर चोरी कर लिए। घटना की जानकारी उन्हें तब हुई। जब उन्होंने रुपये देने के लिए पर्स खोलनी चाहिए। रुपये और सोने का हार गायब देख उनके होश उड़ गए। वहीं बारातियों और दुल्हन पक्ष के लोगों में भी हड़कंप मच गया। दूल्हे के पिता ने घटना की सूचना यूपी 112 पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मैरिज हाल में लगे कैमरों और शादी समारोह की हो रही वीडियो की रिकॉर्डिंग देखी तो उसमें एक युवक बैग से सामान चोरी करते हुए कैद हुआ है। उसका चेहरा भी स्पष्ट आया है। दूल्हे के पिता ने पुलिस को तहरीर दी है, लेकिन पुलिस ने अभी रिपोर्ट दर्ज नहीं की है।

विवादित बयान पर ब्राह्मण महासभा ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

एसडीएम शशिकांत मणि को ज्ञापन सौंपते ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारी।

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- आरोपी आईएस संतोष वर्मा की बर्खास्तगी की मांग

अमृत विचारः ब्राह्मण समाज की बेटियों पर अमर्यादित टिप्पणी किए जाने के विरोध में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया और जिलाध्यक्ष धीरज शुक्ला उर्फ मोनू शुक्ला के नेतृत्व में संगठन के कार्यकर्ताओं ने तहसील पहुंचकर राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन एसडीएम एसडीएम शशिकांत मणि को सौंपा। ज्ञापन में मध्य प्रदेश के आईएएस आरोपी संतोष वर्मा के खिलाफ कार्रवाई कर बर्खास्त किए जाने की मांग की गई है।

ज्ञापन में कहा गया है कि सरकारी पद पर रहते हुए महिलाओं और बेटियों के सम्मान पर की गई छिछोरी भाषा और बयान न केवल आपत्तिजनक है। बल्कि सार्वजनिक मर्यादा का खुलेआम उल्लंघन भी है। भीड़ की मौजूदगी में दिया गया यह बयान समाज की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला और दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। प्रतिनिधि मंडल में नगर, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों से आए सैकड़ों ब्राह्मण संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे। ज्ञापन सौंपते समय भी कार्यकर्ताओं में रोष झलकता रहा। संगठन के जिलाध्यक्ष धीरज शुक्ला ने कहा कि ऐसा बयान देने वाले व्यक्ति का सरकारी पद पर बने रहना समाज और प्रशासन दोनों के लिए शर्मनाक है। यदि तत्काल कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। ज्ञापन में आरोपी अधिकारी की निलंबन, बर्खास्तगी और कानूनी कार्रवाई करते हुए जेल भेजने की मांग की गई है। एसडीएम ने आश्वस्त किया है कि मामले की जांच कर प्रशासनिक स्तर पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

25 दिन बाद हादसे की रिपोर्ट दर्ज

बीसलपुर, अमृत विचारः बीसलपुर-शाहजहांपुर मार्ग पर 25 दिन पहले हुए सड़क हादसे की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

शाहजहांपुर के जैतीपुर थाना क्षेत्र के लालपुर बड़ागांव निवासी राजाराम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 20 नवंबर की सुबह 10 बजे उनका पुत्र अरुण कुमार रिश्तेदार विजय वीर निवासी ग्राम राजपुरा मदिनापुर जिला शाहजहांपुर के साथ बाइक से बीसलपुर जा रहा था। खनंका चौकी के आगे पहुंचते ही बीसलपुर की ओर से आ रही बुलेट बाइक ने टक्कर मार दी। जिसमें दोनों घायल हो गए। उनका गंभीर हालत में इलाज चल रहा है। पुलिस ने बाइक नंबर के आधार पर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। थाना प्रभारी ने बताया जांच के बाद आरोपी चालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

छात्रों को राष्ट्रीय लोक अदालत के बताए लाभ

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष शिव कुमार सिंह के निर्देश पर जिला पंचायत इंटर कॉलेज कालाआम में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में सचिव अपर जिला जज वीरेंद्र नाथ पांडेय ने विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय वर्मा, शिक्षकों तथा छात्रों को केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को यह भी बताया कि किस प्रकार विधिक सेवा प्राधिकरण समाज के वंचित, कमजोर वर्गों और जरूरतमंदों को निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान करता है।

सचिव वीरेंद्र नाथ पांडेय ने 13 दिसंबर 2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जानकारी दी और कहा कि लोक अदालत में लंबित वादों का त्वरित निपटारा, समझौते के आधार पर निर्णय, समय, धन और ऊर्जा की बचत, अदालती शुल्क में छूट, निर्णय के खिलाफ अपील नहीं जैसे लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं।

विधिक साक्षरता शिविर में जानकारी देते अपर जिला जज वीरेंद्र नाथ पांडेय।

संयुक्त महासचिव बने इंजीनियर जीएस सिंह

लखीमपुर खीरी, अमृत विचारः चंडीगढ़ के मोहाली में आयोजित राष्ट्रीय रायफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की नई कार्यकारिणी के गठन में लखीमपुर खीरी के नेशनल शूटर और इंजीनियर जीएस सिंह को राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव पद पर निर्विरोध चुना गया। कार्यकारिणी गठन के दौरान ओडिशा के कलिकेश सिंह देव को अध्यक्ष, मुंबई (महाराष्ट्र) के पवन सिंह को राष्ट्रीय महासचिव और गोवा के एम. भागोल को कोषाध्यक्ष चुना गया। जीएस सिंह का संयुक्त महासचिव पद पर निर्विरोध चयन हुआ। इंजीनियर जीएस सिंह लंबे समय से शूटिंग खेल में सक्रिय रहते हुए राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते आ रहे हैं। उनके चयन से खिलाड़ियों में उत्साह है।

जीएस सिंह।

आज से शुरू होगी श्रीमद् भागवत कथा

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः नगर के श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में शनिवार छ दिसंबर से नौ दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ होगा, इससे पहले शुक्रवार को विधायक, नगर पालिका अध्यक्ष ने ध्वज पूजन कर दंडी स्वामियों का सम्मान कर सुंदरकांड का पाठ किया।

श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में शुक्रवार को विधायक अमन गिरि, नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने 6 दिसंबर शनिवार से शुरू हो रही श्रीमद् भागवत कथा के शुभारंभ से पहले पंडित दिवाकर नाथ पांडे और पंडित मुनेंद्र शुक्ला ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन कराया। विधायक ने दंडी स्वामियों का सम्मान किया। पंडित मुनेंद्र शुक्ला ने सुंदरकांड का संगीतमई पाठ किया। अतिथियों ने नगर में पोथी यात्रा निकाली। शनिवार 6 दिसंबर से श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ होगा, जिसका समापन 14 दिसंबर रविवार को होगा। कथा व्यास अंजनी शरण जी महाराज होंगे।

नगर के समाजसेवी सत्यप्रकाश अग्रवाल, आनंद त्रिवेदी, भाजपा नेता सुरजन लाल वर्मा, महेंद्र गिरि, केके शुक्ला, दीपक त्रिवेदी, अमित मिश्रा, चंद्रशेखर अवस्थी, अजीत पांडे, सचिन सिंह आदि पोथी यात्रा में मौजूद रहे।

गोला की पोथी यात्रा में शामिल विधायक और पालिकाध्यक्ष। • अमृत विचार

कलश यात्रा के साथ महायज्ञ शुरू

संवाददाता, बरखेड़ा

अमृत विचारः अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वाधान में चार दिवसीय पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं संस्कार महोत्सव शुक्रवार से शुरू हो गया। पहले दिन कलश यात्रा निकाली गई।

क्षेत्र के गांव गौटिया लखनऊ में गांव में शुक्रवार से चार दिवसीय पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं संस्कार महोत्सव कलश पूजन एवं आरती पूजन के साथ शुरू हुआ। कार्यक्रम स्थल पर काफी संख्या में महिलाएं एकत्रित हुई। कार्यक्रम स्थल से कलश यात्रा शुरू हुई जो कि अमेड़ी नदी पर पहुंची। महिलाओं ने कलश में जल भरा और कार्यक्रम स्थल पर कलश स्थापित किए गए।

इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक योगेश कुमार, धर्मपाल, कथावाचक जगदीश शरन, लालाराम, वृंदावन, राजेश कुमार, जमुना प्रसाद आदि मौजूद रहे। अखिल विश्व गायत्री परिवार के ब्लॉक समन्वयक दीनानाथ कश्यप ने बताया कि प्रतिदिन सुबह छह बजे से ध्यान साधना एवं प्रज्ञा योग और आठ बजे से देव पूजन एवं गायत्री महायज्ञ होगा। पहले दिन शाम के छह बजे से संगीत प्रवचन का कार्यक्रम हुआ। दूसरे दिन दो बजे कार्यकर्ता गोष्ठी एवं एवम शाम को छह बजे से संगीत प्रवचन, तीसरे दिन शाम के छह बजे से संगीत प्रवचन दीप महायज्ञ होगा। चौथे व अंतिम दिन प्रातः 6 बजे से ध्यान साधना एवं प्रज्ञा योग का कार्यक्रम होगा।

कलश यात्रा में शामिल हुए भक्त। • अमृत विचार

बाइक की टक्कर से युवक घायल

बरखेड़ा, अमृत विचारः गांव मचवाखेड़ा निवासी 32 वर्षीय अरविंद गंगवार पुत्र रामस्वरूप गंगवार शुक्रवार दोपहर बाद किसी काम से कस्बा बरखेड़ा आए थे। वापस घर जाते वक्त गांव के पास पहुंचते ही पीलीभीत की ओर से आ रही बाइक ने टक्कर मार दी। जिसमें अरविंद घायल हो गए। बाइक सवार भाग गया।

वृद्ध की मौत के मामले में चालक पर रिपोर्ट : थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के नौगवां पकड़िया निवासी भरत सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया उसके पिता हरपाल सिंह 27 नवंबर को बहू रिंकी को लेकर रूपपुर कमालू जा रहे थे। रास्ते में बीसलपुर मार्ग पर कार चालक ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे उसके पिता की मौत हो गई। रिंकी भी घायल हो गई। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

पुरस्कार वितरण के साथ स्पर्धा संपन्न

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचारः युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग के तत्वाधान में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित की जा रही दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का शुक्रवार को समापन हो गया। विधायक विवेक वर्मा, प्राचार्य दरवेश सिंह ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

अंतिम दिन एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, कबड्डी, बैडमिंटन, फुटबॉल, कुश्ती, भारोत्तोलन एवं जूडो खेल विधाएं आदि प्रतियोगिताएं कराई गई। कब्बड्डी सब जूनियर में सरस्वती विद्या मंदिर की टीम प्रथम रही। जूनियर बालक वर्ग में युवराज पार्टी प्रथम, प्रिंस पार्टी द्वितीय स्थान पर रही। बैडमिंटन सब जूनियर बालक वर्ग में विनायक प्रथम, बालिका वर्ग एकल बैडमिंटन में मधु विजेता रही। बैडमिंटन युगल फुटबॉल बालक वर्ग में मीरपुर की टीम विजेता और एसआरएम की टीम उपविजेता रही। कुश्ती जूनियर बालक वर्ग में फईम ने बाजी मारी। कुश्ती सीनियर बालिका वर्ग में रिद्धिमा सिंह विजेता बनीं। संचालन क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी छविराम सिंह ने किया। उन्होंने बताया कि विजेता सांसद खेल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। निर्णायक मंडल में सर्वेंद्र नाथ शुक्ल, प्रशांत शुक्ला, गजेंद्र पाल सिंह, अमित कुमार वर्मा, संजय पांडेय, एआरपी मोईन खान, रमेश कुमार आदि रहे। पीआरडी जवान रमेश कुमार, महेंद्र सिंह, हीरालाल, भगवानदास आदि का सहयोग रहा।

पुरस्कृत किए गए विजेताओं के साथ बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा। • अमृत विचार

- विधायक विवेक वर्मा, प्राचार्य दरवेश सिंह ने विजेताओं को किया पुरस्कृत

बस अड्डे पर आठ लाख की चोरी में एक आरोपी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : सदर बाजार पुलिस ने रोडवेज बस स्टैंड पर नकदी, जेवर समेत आठ लाख की चोरी का खुलासा करते हुए एक चोर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने चोर के पास से 550 रुपये और तीन सोने की अंगूठी बरामद की है। पुलिस ने चोर को कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया।

हरदोई के थाना बेहटा गोकूल के गांव शिरोमणी नगर निवासी बालकृष्ण वाजपेई ने 2 दिसंबर को सदर बाजार थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि बस स्टैंड पर हरदोई जाने वाली बस में बैग रख दिया। पत्नी और भाभी को सीट पर बैठाकर पानी की बोतल लेने चला आया था। लौटकर बस में गए तो देखा उनका बैग चोरी हो गया था। बैग में 10 हजार रुपये, दो जेंट्स अंगूठी, तीन लेडीज अंगूठी, एक सोने का मंगलसूत्र, सोने के एक जोड़ी झाले, कीमती साड़ी आदि सामान था। पुलिस ने बस अड्डे पर कैमरे चेक किए थे। कैमरे में एक व्यक्ति बस में खाली हाथ चढ़ रहा है और बैग लेकर उतर रहा है। पुलिस ने आरोपी चोर गुरदयाल निवासी ततापुर थाना फरीदपुर जिला बरेली को गदियाना चुंगी रोड से पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से तीन सोने की अंगूठी और 550 रुपये बरामद किए है।

पुलिस हिरासत में आरोपी।

- 550 रुपये, तीन अंगूठी बरामद, बस में नकदी, जेवर समेत बैग हुआ था चोरी

पुलिस के खुलासे से पीड़ित संतुष्ट नहीं

पीड़ित बालकृष्ण वाजपई ने बताया सदर बाजार पुलिस ने चोरी का खुलासा किया है, उससे वह संतुष्ट नहीं है। क्योंकि पुलिस ने आरोपी को पकड़कर उसकी निशानदेही पर फरीदपुर से एक सराफा की दुकान से सारा जेवर बरामद कर लिया था। पुलिस ने फोन करके बुलाया और तीन अंगूठी दिखाकर जबरन कागज पर हस्ताक्षर करना चाह रही है। जबकि अन्य जेवर क्यों नहीं दिखाया। पुलिस ने आरोपी को नहीं दिखाया है। पुलिस चोरी के खुलासा में गुमराह कर रही है। चोरी के खुलासे से वह संतुष्ट नहीं है। पीड़ित ने कहा कि डीजीपी, एडीजी, डीआईजी और एसपी से मिलकर अपनी बात रखेगा।

चेकिंग में 213 यात्रियों से वसूला जुर्माना

शाहजहांपुर, अमृत विचारः मुरादाबाद मंडल के सीनियर डीसीएम के निर्देश पर स्टेशन और ट्रेनों में बिना टिकट अभियान चलाया गया। इस दौरान ट्रेन और प्लेटफार्म पर 213 यात्रियों को बिना टिकट और जनरल टिकट लेकर स्लीपर कोच में यात्रा करने वालों से 65 हजार रुपये जुर्माना व किराया वसूला गया। सीएमआई एसके ठाकुर के नेतृत्व में हरदोई, बरेली और शाहजहांपुर के टीटीई स्टाफ प्लेटफार्म पर चेकिंग अभियान चलाया। टीटीई स्टाफ ने डाउन लाइन की त्रिवेणी एक्सप्रेस, राज्यरानी, गुवाहाटी एक्सप्रेस, सियालदह एक्सप्रेस, पंजाब मेल, कानपुर-जम्मू तवी, जननायक एक्सप्रेस और अप लाइन की बरेली-वाराणसी एक्सप्रेस, प्रयाग-बरेली एक्सप्रेस, जननायक एक्सप्रेस, गुवाहाटी एक्सप्रेस और जननायक एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में चेक किया।

युवक से मारपीट कर लूट का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, घुंघचिहाई

अमृत विचारः थाना क्षेत्र के गांव लुकटिहाई टांडा निवासी विनोद कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह बुधवार को तालाब से घर की ओर जा रहे थे। इस दौरान गांव का कृष्णपाल रास्ते में खड़ा था। रास्ते से हटने के लिए कहने पर आरोपी ने मारपीट की। तमंचा दिखाकर धमकाया और 30 हजार रुपये छीन लिए। उसका कहना है कि घटना का वीडियो भी उसके पास है। इंस्पेक्टर जयशंकर सिंह ने बताया कि आरोपी कृष्णपाल को गिरफ्तार कर चालान कर दिया है।

बरखेड़ा में दामाद पर मारपीट की रिपोर्ट : थाना क्षेत्र के गांव अलकथान गौटिया के निवासी चेतराम ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि चार दिसंबर की शाम उसके दामाद कस्बा जहानाबाद निवासी भरतवीर ने अपनी पत्नी पिंकी को बुलाने को कहा तो मैंने कहा कि कोर्ट में केस चल रहा है। फैसला होने पर ले जाना। इस पर दामाद ने उसके साथ मारपीट की। तभी उसकी पत्नी मुन्नी देवी उसे बचाने आई तो उसने उन्हें भी पीटा।

देवर-भाभी को पीटाः बरखेड़ा। थाना क्षेत्र के गांव दौलतपुर पट्टी के रहने वाले संजीव कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह चार दिसंबर की शाम सात बजे दरवाजे पर बैठे थे। गांव का सुरेंद्र उसके पास आया और बिना किसी वजह उसे व भाभी किरन देवी से गाली गलौज की। विरोध करने पर हमला कर पीटा।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की
संपर्क करें
कंपटीशन बुक हाउस
कॉलेज बुक हाउस
5, 6, 7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट, बरेली

सूचना
सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट पर मेरा नाम Mahika Bakshi दर्ज है जबकि मेरे आधार कार्ड व हाईस्कूल की मार्कशीट पर मेरा नाम मेरा नाम Mahika Kaur Bakshi नाम दर्ज है। उक्त नाम सही है व मुझे भविष्य में इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। महिका कौर बख्शी (Mahika Kaur Bakshi) पुत्री श्री इन्द्रप्रीत सिंह बख्शी (Inderpreet Singh Bakshi) निवासी 33 बी मॉडल टाउन तह. व जिला बरेली

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम मुनब्बर अली है जबकि डॉक्यूमेंट में भूलवश बब्बू अली हो गया है जो कि गलत है भविष्य में सही नाम से जाना जाए ।
मुनब्बर अली पुत्र मुबारक अली निवासी 43 कांधरपुर बरेली।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र दानिस व उसकी पत्नी मैनाज को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। इंतजार हुसैन पुत्र मुन्शी निवासी मो. मोती नगर कस्बा व थाना शाही जिला बरेली।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

लिंक पर क्लिक करते ही महिला के खाते से कटे रुपये

बरेली, अमृत विचार : बीमार बेटे के इलाज के लिए महिला गूगल पर डॉक्टर का नंबर देख रही थी। उसने एक लिंक पर क्लिक किया तो उसके खाते से रुपये कट गए। महिला ने इज्जत नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। इज्जत नगर थाना क्षेत्र के द्वारिकापुरम कॉलोनी निवासी रीना श्रीवास्तव ने बताया कि 7 नवंबर को उसने गूगल पर नंबर सर्च किया था। महिला ने बताया कि उसके बच्चे की तबीयत खराब थी। डॉक्टर को दिखाने के लिए सिविल लाइंस स्थित डॉक्टर प्रेम कुमार का नंबर गूगल पर सर्च कर रही थी। इसके बाद उसने गूगल से मिले नंबर पर कॉल लगाई। आरोप है कि कॉल उठाने वाले शख्स ने कहा कि डॉक्टर को दिखाने के लिए अप्वाइंट लेनी पड़ेगी। इसके बाद उसने एक लिंक भेजा और कहा कि उसे खोलकर पांच रुपये डालने के बाद नंबर लग जाएगा। महिला ने बताया कि उसने जैसे ही लिंक पर क्लिक किया तभी उसका मोबाइल हैक हो गया। मोबाइल हैक होने के बाद लिंक और नंबर ऑटोमेटिक डिलीट हो गया। इसके बाद उसके दो बैंक खातों से 20 हजार 600 और 4999 रुपये कट गए। महिला की तहरीर पर इज्जतनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

महात्मा बुद्व लोक कल्याण एवं ग्राम्य विकास संस्थान
निघासन, लखीमपुर खीरी — अल्पसंख्यक संस्थान

डी.एल.एड.(बी०टी०सी०) — कालेज कोड–340003

1.	ऑनलाइन पंजीकरण प्रारम्भ होने की तिथि	24.11.2025
2.	ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि	15.12.2025
3.	ऑनलाइन आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि	16.12.2025
4.	पूर्ण आवेदन के प्रिंट आउट लेने की अंतिम तिथि	18.12.2025

ऑनलाइन माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम से आवेदन स्वीकार्य एवं विचारणीय नहीं होगें।
प्रवेश हेतु संपर्क करें मो0– 8090079814, 8299368431
वेबसाइट– mblkgs.in पर Registration करें। नोट– आरक्षित अभ्यार्थियों हेतु विशेष छूट

कार्यालय ग्राम पंचायत ऐंठापुर वि.खं. निगोही जनपद शाहजहांपुर

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि विकास खण्ड शाहजहांपुर वित्तीय वर्ष 2025–26 में मनरेगा योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत ऐंठापुर में एम.डी.एम. शेड नाली व इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य को कराए जाने हेतु कार्यस्थल पर निम्न सामग्री सीमेन्ट, महीन रेता, मौरंग, बजरी, ईट की रोड़ी, ईट, अव्वल इण्टरलॉक टाइल्स ईट खडंजा सरिया लोहे के ऐंगल टीन शीट लोहे के पाइप आदि की आवश्यकता है। सामग्री की कार्यस्थल पर आपूर्ति हेतु सम्बन्धित ग्राम पंचायत के कार्यालय पर निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस पर ग्राम पंचायत कार्यालय पर प्राप्त की जा सकती है। मोहरबन्द निविदायें ग्राम पंचायत के कार्यालय पर रखे टेन्डर बॉक्स में इस निविदा के प्रकाशन तिथि से तीन दिवस तक डाली जा सकती है। जो उसी दिन 3:00 बजे सम्बन्धित प्रधान/सचिव द्वारा अधिकृत फर्मो/विक्रेताओं के प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

क्र.	कार्य का नाम	सामग्री की अनु. लागत (लाख में)
1	मथुरा प्रसाद के मकान से नन्हेलाल के मकान तक नाली व इण्टरलॉकिंग कार्य।	3.95 लाख
2	प्रा.वि. में इण्टरलॉकिंग निर्माण का कार्य।	3.98 लाख
3	प्राइमरी स्कूल ऐंठापुर में एम.डी.एम. शेड का निर्माण।	3.99 लाख

ग्राम प्रधान — सचिव

कार्यालय ग्राम पंचायत भूपतिपुर विकासखंड बेहजम खीरी

पत्रांक: मैमो/2025–26 — **अति अल्पकालीन निविदा** — दिनांक: 05.12.2025

समस्त पंजीकृत फर्मो/विक्रेताओ को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत भूपतिपुर के द्वारा वर्ष 2025–26 की स्वीकृत कार्य योजना में मनरेगा योजना के तहत निम्न विवरण के अनुसार निर्माण कार्य हेतु निर्धारित मानक गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की निर्माण सामग्री यथा सीमेंट रेत, बजरी, मोरंग ,सरिया, प्रथम ईट, रोड़ी, इंटरलॉकिंग ईट आदि कार्यस्थल पर आपूर्ति हेतु सील बंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं जिनकी निविदा प्रपत्र ग्राम पंचायत कार्यालय में 6 दिसंबर से 12 दिसंबर तक बिक्री/वितरित की जाएगी जो निविदा दाता ग्राम पंचायत कार्यालय में 13 दिसंबर को दोपहर 2:00 बजे तक निविदा टेंडर बॉक्स में आमंत्रित की जाएगी जो उसी दिन 4 बजे समिति के समक्ष निविदा ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोली जायेगी।

क्र.	कार्य का नाम	सामग्री	अनु. लागत
1	भजन के मकान से बबलू के मकान तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य	आवश्यकतानुसार	732529.00
2	रामकुमार पांडे के मकान से रमाकांत पांडे के मकान तक इंटरलॉक के निर्माण कार्य	आवश्यकतानुसार	455312.00
3	गार्जन के मकान से बबलू के मकान तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य	आवश्यकतानुसार	685366.00

सरिता बाजपेई, ग्राम प्रधान — रमेश चन्द्र, ग्राम पंचायत अधिकारी — आशुतोष यादव, तकनीकी सहायक — शरद कुमार सिंह, खंड विकास अधिकारी

कार्यालय ग्राम पंचायत घुग्घुलपुर विकासखंड बेहजम खीरी

पत्रांक: मैमो/2025–26 — **अति अल्पकालीन निविदा** — दिनांक: 05.12.2025

समस्त पंजीकृत फर्मो/विक्रेताओ को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत घुग्घुलपुर के द्वारा वर्ष 2025–26 की स्वीकृत कार्य योजना में मनरेगा योजना के तहत निम्न विवरण के अनुसार निर्माण कार्य हेतु निर्धारित मानक गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की निर्माण सामग्री यथा सीमेंट रेत, बजरी, मोरंग ,सरिया, प्रथम ईट, रोड़ी, इंटरलॉकिंग ईट आदि कार्यस्थल पर आपूर्ति हेतु सील बंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं जिनकी निविदा प्रपत्र ग्राम पंचायत कार्यालय में 6 दिसंबर से 12 दिसंबर तक बिक्री/वितरित की जाएगी जो निविदा दाता ग्राम पंचायत कार्यालय में 13 दिसंबर को दोपहर 2:00 बजे तक निविदा टेंडर बॉक्स में आमंत्रित की जाएगी जो उसी दिन 4 बजे समिति के समक्ष निविदा ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोली जायेगी।

क्र.	कार्य का नाम	सामग्री	अनु. लागत
1	सनाउल्ला के खेत से पेनी तालाब तक मिटटी खड़ंजा निर्माण कार्य	आवश्यकतानुसार	702896.76
2	महेंद्र के फार्म से सीसी रोड तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य	आवश्यकतानुसार	566695.00

सियाराम, ग्राम प्रधान — वंदना मिश्रा, ग्राम पंचायत अधिकारी — आशुतोष यादव, तकनीकी सहायक — शरद कुमार सिंह, खंड विकास अधिकारी

कार्यालय ग्राम पंचायत पिपरा छीट विकासखंड बेहजम खीरी

पत्रांक: मैमो/2025–26 — **अति अल्पकालीन निविदा** — दिनांक: 05.12.2025

समस्त पंजीकृत फर्मो/विक्रेताओ को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत पिपरा छीट के द्वारा वर्ष 2025=26 की स्वीकृत कार्य योजना में मनरेगा योजना के तहत निम्न विवरण के अनुसार निर्माण कार्य हेतु निर्धारित मानक गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की निर्माण सामग्री यथा सीमेंट रेत, बजरी, मोरंग ,सरिया, प्रथम ईट, रोड़ी, इंटरलॉकिंग ईट आदि कार्यस्थल पर आपूर्ति हेतु सील बंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं जिनकी निविदा प्रपत्र ग्राम पंचायत कार्यालय में 6 दिसंबर से 12 दिसंबर तक बिक्री/वितरित की जाएगी जो निविदा दाता ग्राम पंचायत कार्यालय में 13 दिसंबर को दोपहर 2:00 बजे तक निविदा टेंडर बॉक्स में आमंत्रित की जाएगी जो उसी दिन 4 बजे समिति के समक्ष निविदा ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोली जायेगी।

क्र.	कार्य का नाम	सामग्री	अनु. लागत
1	जसवंत के मकान से शिव सहाय के मकान तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य	आवश्यकतानुसार	761181
2	सुरेश के मकान से तिराहे तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य	आवश्यकतानुसार	999914
3	बालाजी मंदिर सेडिहुआ गांव तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य	आवश्यकतानुसार	880498
4	रामकिशोर के मकान से विश्राम के मकान तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य	आवश्यकतानुसार	685727

अंजनी वर्मा, ग्राम प्रधान — सुमन यादव, ग्राम पंचायत अधिकारी — अजीत सिंह पटेल, तकनीकी सहायक — शरद कुमार सिंह, खंड विकास अधिकारी

कंपनी के चार अफसरों पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज

35 लाख रुपये बकाया होने पर हुए विवाद में ठेकेदार की मौत

संवाददाता, फरीदपुर

- कंपनी के अफसरों पर जहरीला पदार्थ देने का आरोप

अमृत विचार : क्षेत्र में स्थित हरियाली बाजार में मजदूर ठेकेदार की शुक्रवार को संदिग्ध हालात में मौत हो गई। गुरुवार को ड्यूटी पर गये ठेकेदार जब घर नहीं पहुंचे तो भतीजा उन्हें तलाश करते हुए हरियाली बाजार में आए। उन्होंने यहां भाई को एक स्थान पर बेहोश पड़े देखा।

उन्होंने डायल 112 को सूचना दी और भाई को लेकर अस्पताल पहुंचे। इस बीच पीड़ित ने उन्हें बताया कि कंपनी के अफसरों ने उन्हें जहरीला पदार्थ खिला दिया है। अस्पताल पहुंचने के थोडी देर बाद उनकी मौत हो गई। परिजन ने कंपनी के चार अफसरों पर जहरीला पदार्थ खिलाकर हत्या कराने का आरोप लगाते हुए नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है।

शाहजहांपुर के निगोही क्षेत्र के ग्राम चिनौरा निवासी शिवनन्दन गुरुपाल ने बताया कि उनके चाचा शिवनन्दन सिंह कई वर्षों से फरीदपुर स्थित संतोष पालीफेब में मजदूरों का ठेका संभाल रहे थे। कंपनी से मजदूरों का नियमित भुगतान नहीं मिलने पर उन्होंने अपनी नौ बीघा जमीन भी बेच दी और मजदूरों को वेतन दिया, फिर भी कम्पनी पर करीब 35 लाख रुपये बकाया था। परिजनों का आरोप है कि कम्पनी प्रबंधन भुगतान से बचता रहा। 31 सितंबर को उन्हें अचानक काम से हटा दिया गया और बकाया रकम देने से भी इंकार कर दिया। कई बार पैसे मांगने पर प्लांट मैनेजर प्रिन्स यादव, जीएम एस. के. मेहरा तथा मालिक संतोष व अभिषेक द्वारा धमकियां मिलने की बात परिवार ने पुलिस को बताई है। 4 दिसंबर की सुबह घर से निकले शिवनन्दन शाम तक वापस नहीं पहुंचे। परिजन जब फैक्ट्री पहुँचे तो उन्हें अंदर जाने से रोका गया। 112 पर कॉल की चेतावनी देने पर कुछ देर बाद बताया दिया गया, जहाँ शिवनन्दन एक कमरे में अचेत अवस्था में मिले। होश आने पर उन्होंने बताया कि बकाया रकम मांगने पर कम्पनी के अधिकारियों ने उन्हें जहरीला पदार्थ पिला दिया। थोड़ी देर बाद उनकी हालत बिगड़ गई और अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने प्रिन्स यादव, एस. के. मेहरा, संतोष और अभिषेक के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कार और ट्रैक्टर की भिड़ंत में दो की मौत

राजपुर कलां/ बरेली, अमृत विचार : डेलापीर मंडी आलू लेकर जा रही ट्रैक्टर ट्राली की गुरुवार की रात अलीगंज-सिरौली मार्ग पर बरेली से सिरौली की तरफ तेज रफ्तार में जा रही कार से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार चालक शेखर पुत्र रूपकिशोर (35 वर्ष) निवासी संजयनगर, थाना बारादरी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक फरार हो गया। ट्राली के ऊपर बैठे धनुष पाल पुत्र शेर सिंह निवासी भूड़ा, थाना सिरौली ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

घायलों को मझगवां स्वास्थ्य केंद्र पहुंचवाया, वहां घायलों की हालत गम्भीर देख चिकित्सक ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घायलों में कार सवार कुनाल मौर्य, विशाल राजपूत पुत्र सुरेश (20 वर्ष), नितिन चक्रवर्ती पुत्र घनश्याम (22 वर्ष) व मृतक शेखर का 10 वर्षीय बेटा अरनव इसके अलावा ट्रैक्टर सवार ब्रजपाल शामिल हैं।

वाहन ने टेंपो को रौंदा तीन की मौत, दो घायल

संवाददाता, कुंदरकी

अमृत विचार: टेंपो में सवार होकर चार लोग गुरुवार रात मुरादाबाद से कुंदरकी को ओर जा रहे थे। टेंपो 32 वर्षीय सुल्तान पुत्र शमशाद निवासी जयंतीपुर थाना मझोला चला रहा था। कुंदरकी थाना क्षेत्र के भीकनपुर कुलवाड़ा में हाईवे पर पीछे से तेज रफ्तार आए वाहन ने टेंपो में जोरदार टक्कर मार दी। टेंपो उछलकर गिरा और उसके परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना में टेंपो चला रहे सुल्तान, फल विक्रेता जैद (26) पुत्र लियाकत निवासी मोहल्ला पेंठ बाज़ार कस्बा कुंदरकी और कृष्ण नाथ (18) पुत्र राजेंद्र नाथ निवासी भीतरगांव थाना शाहाबाद रामपुर की मौत हो गई। जबकि राजकुमार पुत्र रमेश निवासी भीतरगांव थाना शाहाबाद रामपुर और अनीस पुत्र लियाकत गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद बड़ी संख्या में लोग जुट गए। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंच गई और घायलों को तुरंत जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। सुल्तान और कृष्णनाथ का पोस्टमार्टम कराया गया जबकि जैद के परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया था।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.-यॉं/246/1/15/25-26/ओटी-27

मुख्य कारखाना प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए, निविदा प्रपत्र में अंकित योग्यता मापदंडों के अनुसार ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं :

क्रम सं. : 1, **कार्य का संक्षिप्त विवरण :** यांत्रिक कारखाना, इज्जतनगर में 02 वर्ष हेतु विभिन्न मेक के 59 अदद वेल्डिंग प्लांट के वार्षिक अनुरक्षण का कार्य (स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार), **अनुमानित मूल्यः** ₹51,68,003.40 (रुपये इक्क्यावन लाख अढ़सठ हजार तीन एवं चालीस पैसे मात्र), **बिड सिक्योरिटी :** ₹ 1,03,400.00 (रुपये एक लाख तीन हजार चार सौ मात्र), **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य, **कार्य अवधि :** 02 वर्ष, **निविदा खुलने की तिथि व समय :** 25.12.2025 को 15.30 बजे।

नोट :- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित दिनांक 04.12.2025 को समय 17:00 बजे से वेबसाइट www.ireps.gov.in पर टेण्डर खुलने की तिथि 25.12.2025 को 15:00 बजे तक उपलब्ध है। **2.** उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वो अपने आपको IT Act 2000 के अन्तर्गत CA द्वारा जारी क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **3.** निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित ऑनलाइन दर्ज करने पर ही विचारणीय हैं। यदि निविदा प्रपत्र में विशेषतः उल्लेखित नहीं है, ऐसी स्थिति में दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी लेटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अस्वीकृत कर दिया जायेगा। **4.** ई-निविदा हेतु बिड सिक्योरिटी का भुगतान नेट बैंकिंग अथवा भुगतान गेटवे अथवा निविदा प्रपत्र के अनुसार स्वीकार किया जायेगा।

उपमुयाँइ/प्लांट, यॉंत्रिक कारखाना,
मुजाधि/यांत्रिक-99 पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि थाना देवरनियां प्रांगण में दिनांक 08.12.2025 को थाना देवरनियां पर खड़े लावारिश/207 एमवी एक्ट के वाहनों की नीलामी होनी है। सर्व सम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि नीलामी में भाग लेना सुनिश्चित करें।

आशुतोष द्विवेदी
कोतवाली प्रभारी थाना देवरनियां,
बरेली। मो. 9454403087

गोवंश को रेडियम बेल्ट पहनाने से हादसे होंगे कम

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- मंडलायुक्त और नोडल अधिकारी पशुपालन विभाग ने पशुपालन विभाग व गोशाला निर्माण कार्य की समीक्षा की

अमृत विचार : पशुपालन विभाग व गोशाला निर्माण के कार्यों को लेकर विकास भवन कार्यालय में हुई मंडलीय बैठक में मंडलायुक्त भूपेंद्र एस. चौधरी ने सड़कों पर विचरित करने वाले गोवंशों को रेडियम बेल्ट पहनाने के निर्देश दिए हैं। मंडलायुक्त ने कहा है कि गोवंशों को रेडियम बेल्ट पहनाने से सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं में कमी आएगी। साथ ही मंडलभर में सड़कों के किनारे विचरित गोवंशों को संरक्षित करने के निर्देश दिए।

मंडलायुक्त भूपेन्द्र एस चौधरी ने शुक्रवार को पशुपालन विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. जीके सिंह की उपस्थिति में पशुपालन विभाग और गोशाला निर्माण कार्य की समीक्षा की। नोडल अधिकारी को बताया गया कि गोशालाओं में जिसमें ठंड से बचाव, हरे चारे की व्यवस्था, भूसा, पीने का पानी, पशुओं की चिकित्सा व्यवस्था आदि का निरीक्षण किया जाएगा। यह भी जानकारी दी गई कि सहभागिता योजना के तहत 20067 लक्ष्य के सापेक्ष पोषण मिशन में 56 गोवंश एवं सहभागिता में 28559 गोवंश कुल 28615 गोवंश की सुपुर्दगी की गयी है। इसमें से वर्तमान में लाभार्थियों के पास 22459 गोवंश संरक्षित हैं।

बैठक में पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बरेली-बदायूं में 2583 गोवंशों को रेडियम बेल्ट पहनाई जा चुकी हैं, अवशेष जनपदों में धनराशि अभाव में योजना आरंभ नहीं हुई है, शीघ्र ही वहां भी इस दिशा में कार्य कराया जाएगा। बैठक में डीएम बरेली अविनाश सिंह, डीएम बदायूं अवनीश राय, डीएम शाहजहांपुर धर्मेन्द्र प्रताप सिंह, डीएम पीलीभीत ज्ञानेन्द्र सिंह, सीडीओ शाहजहांपुर, सीवीओ बरेली, बदायूं, शाहजहांपुर व पीलीभीत आदि मंडल स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मंडल की 90 गोशालाओं की सीसीटीवी से निगरानी

पशु पालन विभाग के अफसरों ने बैठक में बताया कि मंडल में 638 गोआश्रय स्थल हैं। इनमें बरेली में 114, बदायूं में 317, पीलीभीत में 66 व शाहजहांपुर में 141 गोशालाएं हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा सूचना सं. 12 वर्ष 2025–26

अधोलिखित कार्यों के लिये मुहरबन्द खुली निविदायें भारत के राष्ट्रपति की ओर से, गंडल रेल प्रबन्धक (सिगनल एवं दूरसंचार), पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती हैं :– **कार्यों का विवरणः** 1. इज्जतनगर मंडल के पंतनगर–लालकुआँ–हल्द्वानी खण्ड में हाथियों के मूवमेन्ट की मॉनिटरिंग एवं ट्रैकिंग तथा समपार फाटकों को एलर्ट करने हेतु Intrusion Detection System का प्रावधान। **अनुमानित लागतः** ₹ 3,30,28,873.68, **बयाना राशिः** ₹ 3.15,200, **कार्य समापन अवधिः** 6 माह, **ई–निविदायें जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः** दिनाँक 26/12/2025 को 11:00 बजे, • पूर्ण विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दी गयी है। • सभी आवश्यक दस्तावेज ई–निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहियें।

वरि. मंडल सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर
मुजाधि/सिग्नल–71 इज्जनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कैदी की हत्या का आरोप, मजिस्ट्रेटी जांच शुरू

- बदायूं के थाना बिनावर के ग्राम वृंदावन के रहने वाले कैदी महेंद्र की 7 नवंबर को हुई थी मौत

बरेली, अमृत विचार : केंद्रीय कारागार में बदायूं के थाना बिनावर के ग्राम वृंदावन के कैदी महेंद्र की 7 नवंबर को मौत होने के मामले में गंभीर आरोप लगाए गए हैं। महेंद्र के पुत्र रामसेवक ने जेल में षड़यंत्र के तहत पिता की हत्या कराने का आरोप लगाया है। कहा है कि गांव के कुछ नेताओं ने जेल अधीक्षक को प्रलोभन देकर षड़यंत्र करते हुए पिता की हत्या कराई है।

नेताओं ने पहले उसके पिता को बदायूं की जेल से केंद्रीय कारागार में शिफ्ट कराया, फिर उसके बाद घटना की है। डीएम अविनाश सिंह के आदेश पर एडीएम सिटी सौरभ दुबे ने मजिस्ट्रेटी जांच शुरू कर दी है।

एडीएम सिटी ने आमजन से कहा है कि इस प्रकरण के संबंध में जो भी व्यक्ति किसी प्रकार की कोई जानकारी देना चाहता है तो वह कलेक्ट्रेट स्थित एडीएम सिटी के कार्यालय में 8 से 20 दिसंबर तक किसी भी कार्यदिवस में उपस्थित होकर बयान दर्ज करा सकता है। एडीएम सिटी की ओर से जारी बयान में कहा है कि रामसेवक ने डीएम को 14 नवंबर को शिकायत कर कहा कि उसके पिता महेन्द्र की अदालत बदायूं से एक मुकदमे में 20 वर्ष की सजा हो गई थी। जिसकी वजह से उसके पिता जेल बदायूं में निरुद्ध थे। आरोप है कि 2 नवंबर को षड़यंत्र के तहत सेंट्रल जेल बरेली में शिफ्ट किये गये। उसके पिता की गांव में कुछ लोगों से रंजिश चल रही थी। उसकी वजह से कुछ नेता उनसे रंजिश मानते थे। गांव के लोगों ने राजनेताओं संग षड़यंत्र रचकर, वरिष्ठ जेल अधीक्षक केन्द्रीय कारागार को प्रभावित कर उसके पिता की हत्या करवा दी और बीमारी व इलाज का बहाना बना दिया। 7 नवंबर की सुबह अपने पिता से मुलाकात करने केन्द्रीय कारागार गया तो उसकी मुलाकात नहीं कराई। 7 नवंबर को उनकी मृत्यु होना दर्शा दिया। मजिस्ट्रेटी जांच डीएम के आदेश पर एडीएम सिटी को सौंपी गई है।

खाते से निकाले छह लाख रुपये

बरेली, अमृत विचार : युवक के खाते से छह लाख रुपये निकाल लिए गए। युवक को खाते से पैसे कटने की जानकारी हुई तो उसने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। नवाबगंज के मो. युनूस ने बताया कि वह एचडीएफसी बैंक की नवाबगंज शाखा का चालू खाते के खाताधारक है। साइबर अपराधियों ने छह लाख रुपये निकाल लिए। पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

कार्यालय ग्राम पंचायत म्यूड़ी खुर्दकला वि.खं. बिथरी चैनपुर, बरेली

निविदा आमंत्रण सूचना

सभी अधिकृत फर्मो व विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत में ग्राम निधि वित्तीय वर्ष 2025–26 के अन्तर्गत निम्न विवरण के अनुसार उच्च कोटि की ईट सीमेन्ट, बजरफुट, बजरी, ईट की रोड़ी आदि सामग्री की सीलबंद निविदाएं दिनांक 10.09.2025 को दोपहर 12 बजे तक पंचायत कार्यालय में डाली जा सकती है। मोहरबंद निविदाएं निविदादाता व उसके प्रतिनिधि के समक्ष दिनांक 11.12.2025 को सार्वजनिक रूप से ग्राम पंचायत सचिव की अध्यक्षता में दोपहर 2 बजे खोली जायेगी। कराये जाने वाली कार्यो का विवरण इस प्रकार है :–

क्र.	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	लवजोत सिंह सरदार के मकानसे चकरोड तक सी.सी. नाली निर्माण	200000
2.	मेन रोड से विजय कुमार के घर तक सी.सी. व नाली निर्माण	150000
3.	मेन रोड गूगा वाली से सुखराज के घर तक सी.सी. नाली कार्य	350000

किसी भी समस्त निविदाओं को स्वीकार करने एवं निरस्त करने का अधिकार सचिव, ग्राम पंचायत को निहित होगा। निविदा से सम्बन्ध्णित कोई भी विवाद मा. न्यायालय जनपद बरेली में ही मान्य होगा।

बबली देवी– ग्राम प्रधान — चन्द्रभान सिंह–सचिव

कार्यालय सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, बरेली सम्भाग, बरेली

पत्रांक : 2324/स्वी.अनु./धाबा.ख./ई.–परि.–ई–निविदा/2025–26/बरेली — दिनांक : 05.12.2025

अल्पकालीन ई–टेण्डर नोटिस

कार्यालय आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग, उ.प्र. जवाहर भवन, लखनऊ, के पत्रांक 2216/मु.वि.अ./धा.ख..–नीति प्रस्ताव/2025–26 दिनांक 10.06.2025 के साथ संलग्न शासनादेश सं. 358/29–4–2025/1831/2020 दिनांक 10.06.2025 के द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025–26 में मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत धान क्रय व्यवस्था संबंधी समय सारिणी में दिये गये निर्देशों तथा शासनादेश सं. 591/29–4–2023/4013(99)/7/2022 दिनांक 16.05.2023, शासनादेश सं. 1215/29–4013(99)7/2022 दिनांक 15.09.2022, शासनादेश सं.–571/29–4–2023/4013(099) /7/2022 दिनांक 03.05.2023, शासन के पत्र संख्या 831/29–4–2023–385/19 दिनांक 25.07.2023 एवं अपर आयुक्त (विपणन) खाद्य तथा रसद विभाग, उ.प्र. जवाहर भवन लखनऊ के पत्रांक 3773/अ.वि.श./है.परि./परि. दर/359/2022 दिनांक 25.07.2023 के साथ संलग्न राज्य स्तरीय कमेटी (एस.एल.सी.) की दिनांक 10.07.2023 को सम्पन्न बैठक का कार्यवृत्त, अपर आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग, उ.प्र. जवाहर भवन, लखनऊ के आलोक में बरेली सम्भाग के जनपद बरेली, बदायूँ, पीलीभीत एवं शाहजहाँपुर में खरीफ विपणन वर्ष 2025–26 के अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा नामित समस्त क्रय संस्थाओं से सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा अनुमोदित एवं जिलाधिकारी द्वारा अनुमोदन के अधीन (प्रस्तावित) धान क्रय केन्द्रों से सम्बद्ध चावल मिलों तक तथा रबी विपणन वर्ष 2026–27 के अन्तर्गत सम्भावित गेहूँ क्रय केन्द्रों को आधार मानते हुए गेहूँ क्रय केन्द्रों से निर्धारित/सम्बद्ध भारतीय खाद्य निगम डिपो तक गेहूँ के हैण्डलिंग/परिवहन कार्य हेतु (एस.एल.सी. द्वारा अनुमोदन की प्रत्याशा में) शेड्यूल दर के सापेक्ष ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ई–निविदायें आमंत्रित की जाती है।

संलग्न सूची सं. 01 के अनुसार समस्त क्रय संस्थाओं के जनपद बरेली में 11, बदायूँ में 07, जनपद पीलीभीत में 15 जनपद शाहजहाँपुर में 16 कुल 49 नवीन धान क्रय केन्द्रों पर परिवहन कार्य हेतु तथा संलग्न सूची सं. 02 के अनुसार खाद्य विभाग के जनपद बरेली के 02, जनपद बदायूँ के 03 जनपद पीलीभीत के 04 जनपद शाहजहाँपुर के 02 कुल 11 नवीन स्वीकृत धान क्रय केन्द्रों पर हैण्डलिंग कार्य हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। संलग्न सूची के अनुसार खरीफ विपणन वर्ष 2025–26 के अन्तर्गत धान क्रय हैण्डलिंग/परिवहन कार्य हेतु एवं रबी विपणन वर्ष 2026–27 के अन्तर्गत गेहूँ परिवहन कार्य हेतु ई–निविदायें केन्द्रवार जनपदवार प्राप्त की जायेगी। निविदादाता द्वारा प्रत्येक केन्द्र के लिए पृथक–पृथक निविदा प्रपत्र संलग्न किये जायेंगे तथा निविदा शुल्क (प्रत्येक केन्द्र हेतु) एवं धरोहर धनराशि के रिसीट/यू.टी.आर. की ''स्कैन्ड कापी'' ऑनलाइन निविदा प्रपत्र साथ निविदादाता द्वारा अपलोड की जायेगी।

शासनादेश सं. 358/29–4–2025/1831/2020 दिनांक 10.06.2025 में निर्धारित व्यवस्थान्तर्गत क्रय केन्द्रों का चयन जिलाधिकारी द्वारा किया जायेगा। यदि जिलाधिकारी द्वारा प्रस्तावित क्रय केन्द्रों में से किसी क्रय केन्द्र का चयन नहीं किया जाता है अथवा चयन के उपरान्त निरस्त किया जाता है तो क्रय केन्द्र हेतु डाली गयी समस्त परिवहन कार्य की निविदाये निरस्त समझी जायेगी। हैण्डलिंग/परिवहन कार्य हेतु निर्धारित निविदा प्रपत्र मूल्य, धरोहर धनराशि निविदा विशिष्टीकरण निविदा खुलने की तिथि एवं अन्य सम्बन्धित जानकारी http://etender.up.nic.in से डाउनलोड की जा सकती है। हैण्डलिंग/परिवहन कार्य हेतु निविदा प्रपत्र शुल्क 500+90(जी.एस.टी.)=590/–तथा प्रत्येक निविदा के साथ परिवहन कार्य के लिये धरोहर धनराशि रू. 15,000/– तथा हैण्डलिंग कार्य के लिए धरोहर धनराशि रू. 30,000/– सम्भागीय वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी (खाद्य) बरेली के पदनाम से खाता संख्या 0232104000190848 आई.एफ.एस.सी. कोड IBKL0000232 आई.डी.बी.आई. बैंक सिविल लाइन्स बरेली में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. सेजमा किया जायेगा। प्रत्येक निविदा के साथ निविदा शुल्क एवं धरोहर धनराशि के रिसीट/यू.टी.आर. की ''स्कैन्ड कापी'' ऑनलाइन प्रपत्र के साथ निविदादाता द्वारा अपलोड की जायेगी।

निविदा प्रपत्र ऑनलाइन वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 11.12.2025 को अपरान्ह 02:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। टेक्निकल बिड दिनांक 11.12.,2025 को अपरान्ह 03:00 बजे तदर्थ गठित ई–निविदा समिति के द्वारा ऑनलाइन खोली जायेगी। टेक्निकल बिड के प्रपत्रों की जाँचोपरान्त इसमें इसमें अहर्य निविदादाताओं की ही वित्तीय निविदा पर विचार किया जायेगा तदोपरांत वित्तीय निविदा, निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। निविदा को बिना कोई कारण बताये अस्वीकार करने का अधिकार सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, बरेली के पास सुरक्षित होगा। निविदा की शर्त में परिवर्तन तथा शुद्धि पत्र आदि की सूचना केवल ई–टेण्डर वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होंगे।

(डा. मनिकन्डन ए.)
आई.ए.एस.
सम्भागीय खाद्य नियन्त्रक
बरेली सम्भाग,बरेली।

इंस्ट्रग्राम पर विज्ञापन देख डाउनलोड किया एप, 94 लाख गंवाए

बरेली, अमृत विचार : कोतवाली थाना क्षेत्र के रामपुर गार्डन निवासी व्यापारी पंकज ने बताया कि 19 सिंतबर को वह इंस्टाग्राम पर स्क्रॉल कर रहा था। उसी दौरान एक्सिस सेल्फ नाम के एप का विज्ञापन देखकर उसे डाउनलोड कर लिया। एप डाउनलोड करने के बाद तीन नंबरों से व्हाट्सएप पर चैट होने लगी। इसके बाद इन्वेस्टमेंट में मोटा मुनाफा का लालच दिया जाने लगा।

साइबर ठगों के झांसे में आकर उसने ट्रेडिंग के लिए फंड ट्रांसफर करना शुरू कर दिया। फंड ट्रांसफर करने पर उसके द्वारा किए गए इन्वेस्टमेंट में प्रॉफिट जोड़कर बहुत बड़ी रकम दिखाई जाने लगी। उसने पैसे निकालने का प्रयास किया तो ट्रांजेक्शन फेल दिखाने लगा।

पीड़ित ने बताया कि चैट पर मैसेज किए तो सिक्यूरिटी मनी के नाम पर और पैसे डालने की बात कही जाने लगी। इसके बाद उसे जानकारी हुई कि उसके साथ धोखाधड़ी हो गई है। पीड़ित ने बताया कि उसने अपने बैंक खाते से 9 ट्रांजेक्शन से 94 लाख रुपये दिए थे। पंकज ने साइबर क्राइम थाने में पूरे मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई। साइबर सेल ने मामला दर्ज कर ठगों के मोबाइल नंबर, भुगतान चैनलों और ऐप की तकनीकी जांच शुरू कर दी है।

कार्यालय कृषि उत्पादन मण्डी समिति, बहेड़ी (बरेली)

पत्रांक : कृ.उ.म.स./2025–424 — दिनांक : 4 दिसम्बर 2025

दुकान आवंटन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नवीन मण्डी स्थल, बहेड़ी की 3 दुकान ''स'' श्रेणी एवं उपमण्डी स्थल, रिछा को 03 ''अ'' श्रेणी की दुकान एवं 24 ''ब'' श्रेणी की दुकान, 04 ''स'' श्रेणी की दुकान तथा ए.एम.एच. राठ की 08 ''स'' श्रेणी की दुकानों का आवंटन/नीलामी दिनांक 24.12.2025 समय प्रात: 11:30 बजे तहसील सभागार के सभाकक्ष में की जायेगी। अत: लाईसेंसी व्यापारी/ इच्छुक व्यक्ति/व्यापारी मण्डी समिति कार्यालय से रू. 250.00+18 प्रतिशत जी.एस.टी. नकद जमा करके आवंटन प्रार्थना पत्र प्राप्त कर पूर्ण रूप से भरकर पंजीकरण की धनराशि का बैंक ड्राफ्ट मण्डी समिति, बहेड़ी के पक्ष में देय हो एवं जाति प्रमाण पत्र तथा आधार कार्ड की छायाप्रति जमा करना अनिवार्य होगा। दुकानों का विवरण एवं पंजीकरण धनराशि, आवंटन सम्बन्धित कार्यक्रम निम्नवत् है :–

दिनांक	विषय
20.12.2025	आवेदन पत्रों की बिक्री एवं आवेदन पत्रों को मूल रूप से मण्डी समिति कार्यालय में जमा करने की अन्तिम तिथि अपरान्ह 03:00 बजे तक
22.12.2025	दुकान आवंटन में भाग लेने हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों की जांच उपरान्त श्रेणीवार अनन्तिम पात्रता का प्रकाशन।
23.12.2025	अनन्तिम सूची पर आपत्ति प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि अपरान्ह 02:00 बजे तक।
23.12.2025	प्राप्त आपत्तियों का निस्तारण उपरान्त श्रेणीवार अन्तिम सूची का प्रकाशन अपरान्ह 05:00 बजे तक।
24.12.2025	समस्त प्रकाशित दुकानों का आवंटन स्थान तहसील सभागार कक्ष, बहेड़ी (बरेली)।

क्र.सं.	नाम रिक्त दुकान	दुकान की श्रेणी	कुल रिक्त दुकानों की संख्या	मण्डी समिति के लाइसेंसधारी व्यापारी एवं इच्छुक व्यक्ति हेतु आरक्षित दुकानों का विवरण	दुकानों की संख्यावार आरक्षण संशोधित स्थिति: अनुसूचित जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनारक्षित	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	न्यूनतम प्रीमियम	पंजीकरण धनराशि (रूपये) में
01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11
01	प्रधान मण्डी स्थल, बहेड़ी	''स'' श्रेणी नवनिर्मित	10	लाईसेसधारी व्यापारी	15	19	18	–	662000.00	66200.00
03	उपमण्डी स्थल, रिछा	''अ'' श्रेणी	03	लाईसेसधारी व्यापारी	1,5	–	6	–	539000.00	53900.00
04		''ब'' श्रेणी	24		1,5,11,1, 5,21,25	7,13,17,19, 23,27,29	8,12,14, 16,18,22, 24,26,28	20,30	367000.00	36700.00
05		''स'' श्रेणी	04		1,5,11	–	8	–	194000.00	19400.00
06	ए.एम.ए.च. राठ	''स'' श्रेणी	08	लाईसेसधारी व्यापारी एवं इच्छुक व्यक्ति	1,5	7,3	2,4,6	10	28000.00	2800.00

(नरेन्द्र कुमार गंगवार)
सचिव
कृषि उत्पादन मण्डी समिति,
बहेड़ी (बरेली)

(इशिता किशोर)
सभापति/उपजिलाधिकारी
कृषि उत्पादन मण्डी समिति,
बहेड़ी (बरेली)

न्यूज ब्रीफ

कौशल विकास मिशन में दक्षता बढ़ाने पर जोर

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में युवाओं को कौशल विकसित कर रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित कौशल विकास मिशन को और अधिक प्रभावी तथा परिणाम-उन्मुख बनाने के लिए शुक्रवार को मिशन मुख्यालय में मिशन निदेशक पुलकित खरे की अध्यक्षता में समस्त अधिकारियों की कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप आयोजित की गई। कार्यशाला में आईआईएम के प्रोफेसर ने "रिचर्ड विलियम्स केस स्टडी" के माध्यम से रणनीतिक सोच, प्रभावी योजना निर्माण और लक्ष्यों की प्राप्ति पर विस्तृत प्रस्तुति दी। मिशन निदेशक ने कहा कि सबको हुनर, सबको काम" मिशन का मूल मंत्र है। उन्होंने बताया कि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण उपलब्ध कराने और उन्हें स्थानीय रोजगार व स्वरोजगार से जोड़ने के लिए स्पष्ट विज़न, मौजूदा स्थिति का ठोस विश्लेषण, संसाधनों का दक्ष उपयोग, टीम वर्क और समन्वित कार्यशैली अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मिशन संचालन के शॉर्ट-टर्म, मिड-टर्म और लॉन्ग-टर्म गोल्स पर समान ध्यान देने की आवश्यकता बताई।

सरकार दिव्यांगजन सशक्तीकरण के लिए पूरी तरह समर्पित

अमृत विचार, लखनऊ : पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण (स्वतंत्र प्रभार) मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि योगी सरकार दिव्यांगजनों के सर्वांगीण विकास, पुनर्वास और आत्मनिर्भरता के प्रति निष्ठा से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि समावेशी एवं सुलभ समाज के निर्माण हेतु राज्य सरकार की योजनाएं और कार्यक्रम लगातार मजबूत हो रहे हैं। मंत्री ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी संस्थाओं, प्रतिभागियों और अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री, शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यक्रम के समापन अवसर पर बोल रहे थे। इस मौके पर उन्होंने दिव्यांगजन सशक्तीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 30 व्यक्तियों, संस्थाओं, नियोक्ताओं और श्रेष्ठ दिव्यांग कर्मचारियों को राज्यस्तरीय पुरस्कार प्रदान किए। 03 से 05 दिसम्बर तक आयोजित इस कार्यक्रम में जागरूकता रैलियां, परिचर्चाएं, स्वास्थ्य शिविर, सहायक उपकरण वितरण, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं कौशल विकास गतिविधियां आयोजित की गईं।

ऋण और उद्यम स्थापना में जटिलता न आए

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी खादी व ग्रामोद्योग बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी शिशिर कहा कि पीएमईजीपी राज्य में स्वरोजगार और सूक्ष्म उद्यमों के विकास का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। उन्होंने अधिकारियों और बैंकों को निर्देश दिया कि पात्र लाभार्थियों को समय से ऋण उपलब्ध हो और उद्यम स्थापना में किसी प्रकार की जटिलता न आए। वे शुक्रवार को आईसीसीएमआरटी, लखनऊ में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) को प्रदेश में और प्रभावी बनाने तथा युवा उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में संयुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं राज्य निदेशक, विभागीय अधिकारी तथा अग्रणी बैंकिंग संस्थानों के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यशाला का उद्देश्य पीएमईजीपी के तहत उद्यमियों को उपलब्ध सुविधाओं, ऋण प्रक्रियाओं, अनुदान प्रावधानों और परियोजना स्थापना के नए मॉडल पर विस्तृत चर्चा करना था।

कोडीनयुक्त सिरप पर सरकार का प्रहार, प्रदेश भर में दर्ज हुई 128 फर्मों पर एफआईआर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कफ सिरप व नॉरकोटिक दवाओं के संगठित दुरुपयोग पर सरकार सख्त
- अबतक लाखों की अवैध दवाएं जब्त, आधा दर्जन से अधिक आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार: प्रदेश में अवैध नशे के कारोबार पर योगी सरकार ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए कोडीनयुक्त कफ सिरप और नॉरकोटिक दवाओं के संगठित दुरुपयोग पर कड़ा प्रहार किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एएनटीएफ और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की संयुक्त कार्रवाई में 128 फर्मों पर एफआईआर दर्ज की गई है, जबकि लाखों रुपये मूल्य की अवैध दवाएं जब्त की गई हैं। अब तक आधा दर्जन से अधिक आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

सरकार ने अवैध, नकली और नशे के रूप में इस्तेमाल होने वाली दवाओं पर लगाम कसने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर 8756128434 भी जारी किया है, जिस पर आम नागरिक सूचना दे सकेंगे। अभियान के दौरान सबसे अधिक वाराणसी में 38, जौनपुर में 16, कानपुर नगर में 8, गाजीपुर में 6, लखीमपुर खीरी में 4 और लखनऊ में 4 एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं, प्रदेश के अन्य 22 जिलों में कुल 52 मामले दर्ज किए गए हैं। कुल मिलाकर 28 जिलों में 128 एफआईआर की कार्रवाई अवैध नशे के नेटवर्क पर बड़ी चोट मानी जा रही है।

दर्जनों मेडिकल स्टोरों पर बिक्री पर रोक

- आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन डॉ. रोशन जैकब ने बताया कि विशेष अभियान के तहत प्रदेशभर में प्रतिष्ठानों पर व्यापक निरीक्षण किया गया। लाखों की संदिग्ध दवाएं जब्त की गईं और दो दर्जन से अधिक मेडिकल स्टोर्स पर कोडीनयुक्त सिरप एवं नॉरकोटिक औषधियों की बिक्री पर तत्काल रोक लगा दी गई। उन्होंने कहा कि संदिग्ध दवा आपूर्ति, अवैध भंडारण और बिना बिल के बिक्री की जांच तेज की गई है। कई मामलों में एनडीपीएस एक्ट के तहत कठोर कार्रवाई की गई है।

अवैध दवा कारोबार पर सख्त निगरानी

सरकार ने साफ किया है कि युवाओं को नशे की चपेट में धकेलने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। कोडीन-आधारित दवाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए ट्रांसपोर्ट, स्टॉक और बिक्री पर एकीकृत निगरानी तंत्र तैयार किया गया है। एफएसडीए और एएनटीएफ की टीमों द्वारा की जा रही ताबड़तोड़ कार्रवाई से अवैध नशे का नेटवर्क काफी हद तक कमजोर हुआ है। आने वाले दिनों में और जिलों में भी जांचतेजकीजाएगी।

अमित और आलोक को भेजी गई थी करोड़ों की कफ सिरप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एसटीएफ ने 22 माह पहले सुशांत गोल्फ सिटी से की थी बरामद

अमृत विचार: सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में 22 माह पूर्व पिछले वर्ष फरवरी में करोड़ों रुपये की फेंसेडिल कफ सिरप बरामद की गई थी। यह कफ सिरप शुभम जायसवाल ने बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह व उसके साथी अमित सिंह टाटा के लिए भेजी थी। जिसे पश्चिम बंगाल व बांग्लादेश में तस्करी कर पहुंचाना था। एसटीएफ और एफएसडीए की टीम ने सिरप पकड़ लिया। शुरूआती दौर में जांच की गई तो अमित का नाम सामने आया। पर, शुभम और आलोक सिंह की भूमिका नहीं मिली।

जांच आगे बढ़ी तो आलोक सिंह का नाम सामने आया। इसकी पुष्टि नहीं हो रही थी कि वह आलोक बर्खास्त सिपाही है। पर, विभोर राणा व साथी की गिरफ्तारी के बाद इसकी पुष्टि हुई।

पूर्व बाहुबली सांसद का करीबी होने की वजह से आलोक पर कार्रवाई नहीं हुई। इस बीच ही गाजियाबाद में कफ सिरप की सप्लाई को लेकर मामला दर्ज हुआ। जांच बढ़ी तो अमित टाटा और आलोक के बारे में पता चला। अब तक एबॉड कम्पनी की इस फेंसेडिल सिरप पर रोक लगा दी गई थी। कम्पनी ने भी दिसम्बर 2024 में उत्पादन बंद कर दिया था। इसके बाद भी सिरप की सप्लाई बड़े पैमाने पर फर्जी कम्पनियों के जरिए बांग्लादेश तक की जाती रही। जांच में कई साक्ष्य मिलने पर एसटीएफ ने अमित टाटा को गिरफ्तार किया तो उसने सबकी पोल खोल दी। मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल ने आलोक के नाम पर धनबाद और वाराणसी में दर्ज कराई दो फर्मों के नाम पर इस सिरप की सप्लाई जारी रखी। इसके लिए फर्जी दस्तावेज और फर्जी ई-बिल लगाने के साक्ष्य भी मिल चुके है। अब एसटीएफ एक साल पहले सुशांत गोल्फ सिटी थाने में दर्ज मुकदमे से जुड़े दस्तावेज खंगाल रही है।

'स्पीड, स्टेबिलिटी और सपोर्ट' से औद्योगिक विकास को रफ्तार: योगी

मुख्यमंत्री ने की इन्वेस्ट यूपी के सभी कंट्री डेस्क की समीक्षा, एफडीआई बढ़ाने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ललितपुर फार्मा पार्क व प्लग-एंड-प्ले मॉडल के साथ नियमित अंतराल पर हो कॉन्फ्रेंस

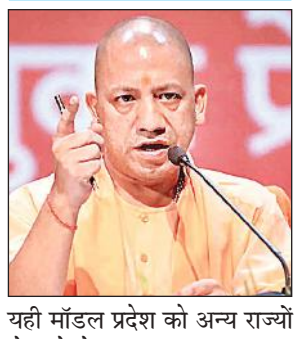

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ''स्पीड, स्टेबिलिटी और सपोर्ट'' से ही औद्योगिक विकास की रफ्तार और तेज होगी। यूपी अब निवेश की संभावना नहीं, बल्कि निवेश के भरोसे का राज्य बन चुका है। ऐसे में निवेश को लेकर किसी भी स्तर पर देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हर निवेशक को फास्ट ट्रैक सुविधा सुनिश्चित होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी ने अपने आवास पर शुक्रवार को प्रदेश में विदेशी निवेश बढ़ाने के लिए चल रहे प्रयासों की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि निवेशकों को स्पीड, स्टेबिलिटी और सपोर्ट मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इन्वेस्ट यूपी के सभी कंट्री डेस्क संवाद बढ़ाएं और नियमित अंतराल पर राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस करें। उन्होंने इन्वेस्ट यूपी की टीम से कहा कि हर निवेशक के साथ एकल संपर्क बिंदु तय हो, ताकि उसे प्रणाली में भटकना न पड़े। मुख्यमंत्री ने उद्योगों को गति देने के लिए 'प्लग एंड प्ले' मॉडल पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि निवेशक को पहले दिन से तैयार अवसंरचना मिलेगी, तो वह तेजी से काम शुरू कर सकेगा और यही मॉडल प्रदेश को अन्य राज्यों से आगे ले जाएगा।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां कंपनियों के कॉरपोरेट और मुख्यालय खोलने के लिए उन्हें प्रेरित किया जाए। मुख्यमंत्री ने बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण को लेकर यह भी निर्देश दिए कि वहां आवश्यक मानव संसाधन की कमी न रहे। बैठक में बताया गया कि जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान, जर्मनी, फ्रांस, सिंगापुर और खाड़ी देशों के डेस्क सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं तथा निवेशकों के साथ 100 से अधिक वन-टू-वन बैठकें हो चुकी हैं। खाड़ी देशों के साथ छह गोलमेज बैठकों में 83 कंपनियों के साथ संवाद स्थापित हुआ और करीब 5,000 करोड़ रुपये के प्रस्ताव मिले।

683 मिलियन डॉलर का हुआ यूपी में एफडीआई

- बैठक में अधिकारियों ने प्रस्तुतिकरण देते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के सितंबर तक यूपी में 683 मिलियन डॉलर का एफडीआई आया है। अक्टूबर 2019 से प्रदेश का कुल संचयी विदेशी निवेश 2,754 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुका है। चालू अवधि में 5,963 करोड़ रुपये का एफडीआई प्रवाह दर्ज हुआ है, जो प्रदेश में बढ़ते निवेश विश्वास को दर्शाता है।

88 हजार करोड़ के निवेश प्रस्तावों की झड़ी

- एफडीआई-एफसीआई-फॉर्च्यून 500 नीति-2023 के तहत 11 कंपनियों ने 13,610 करोड़ रुपये के प्रस्ताव दिए हैं, जबकि 22 आवेदनों के माध्यम से 17,810 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए हैं। 56 हजार करोड़ रुपये के निवेश से जुड़े 29 आवेदन पाइपलाइन में हैं। जापान, अमेरिका, बेल्जियम, यूके, पोलैंड और सिंगापुर यूपी के प्रमुख निवेश साझेदार हैं।

मुख्यमंत्री ने ललितपुर फार्मा पार्क के अवसंरचना कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कई बड़ी कंपनियों ने रुचि दिखाई है, इसलिए जमीन, बिजली और पानी की उपलब्धता में कोई बाधा नहीं रहनी चाहिए। जापान डेस्क की समीक्षा में बताया गया कि डेंसो की ब्राउनफील्ड परियोजना पर कार्य आगे बढ़ रहा है, जबकि 125 जापानी कंपनियों के साथ फॉलोअप जारी है। टोयोटा, सुमितोमो और मारुबेनी जैसे समूहों के साथ भी लगातार संवाद है। जापान डेस्क के लिए 20,000 करोड़ रुपये निवेश लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

ताइवान डेस्क के संबंध में मुख्यमंत्री ने प्रयास और तेज करने के निर्देश दिए। 40 कंपनियां चिन्हित की गई हैं और लगभग 100 करोड़ रुपये के निवेश की पाइपलाइन तैयार है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेस-वे क्षेत्र को इलेक्ट्रॉनिक्स व सेमीकंडक्टर हब के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां एचसीएल-फॉक्सकॉन का 3,700 करोड़ रुपये का निवेश महत्वपूर्ण है। कानपुर को टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी व स्पोर्ट्सवेयर केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना भी प्रस्तुत की गई। दक्षिण कोरिया डेस्क के अंतर्गत सैमसंग, एलजी, केएच वेटेक और ड्रीमटेक से निवेश प्रस्तावों पर बातचीत आगे बढ़ रही है। एलजी का 850 करोड़ और लोट्टे समूह का 400 करोड़ का निवेश प्रक्रियाधीन है। सिंगापुर के टेमासेक, डीबीएस, कैपिटललैंड-असेंडास और सेम्बकॉर्प जैसी कंपनियों ने भी रुचि जताई है।

प्रदेश कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता में पत्रकारों को दलित समाज का पोस्टर दिखाते सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, राष्ट्रीय सचिव एवं मुख्य प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी, सांसद आर. के. चौधरी और मिठाई लाल भारती। अमृत विचार

आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि सभा निरस्त करना अलोकत्रांतिक

- **अमृत विचार, लखनऊ :** डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर समाजवादी बाबा साहेब अम्बेडकर वाहिनी द्वारा 06 दिसंबर को गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में प्रस्तावित श्रद्धांजलि सभा पर राज्य सरकार के निर्देश पर रोक लगा दी गयी है। जिसके बाद सपा नेताओं ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि हम सपाई हर जगह परिनिर्वाण दिवस मनाएंगे, बाबा साहब की मूर्तियों पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने प्रस्तावित कार्यक्रम आवंटन अचानक निरस्त किए जाने को अलोकतांत्रिक और बाबा साहेब के प्रति दुर्भावनापूर्ण व्यवहार करार देते हुए कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के दबाव में पुलिस-प्रशासन द्वारा कार्यक्रम रद्द किये जाने की सूचना तानाशाही और अलोकतांत्रिक कृत्य है। भाजपा सिर्फ वोट के लिए बाबा साहेब का नाम लेती है। हम जनता के बीच जाएंगे।

पौधरोपण में घोटाले की परतें खुलीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मथुरा के मांट रेंजर निलंबित, कई रेंज संदेह के घेरे में

अमृत विचार: प्रदेश में हरियाली बढ़ाने के लिए चलाए जा रहे बड़े पौधारोपण अभियान में गड़बड़ियों का सिलसिला खुलने लगा है। शासन को भेजी गई रिपोर्टों में कई रेंजों में पौधारोपण के दावे झूठे पाए गए हैं और जमीन पर पौधों की संख्या बेहद कम मिली है। सबसे गंभीर मामला मथुरा के मांट रेंज में सामने आया, जहाँ 12,500 पौधों के रोपण का दावा था, पर निरीक्षण में कुछ सौ पौधे ही जीवित मिले। औचक जांच में सामने आए तथ्यों पर तत्काल कार्रवाई करते हुए मांट रेंजर बुद्धप्रिय गौतम को निलंबित किया गया है। संबंधित एसडीओ को भी हटाया गया है।

वन मंत्री डॉ अरुण कुमार सक्सेना के निरीक्षण में पता चला कि कई स्थानों पर गड्ढे तो खोदे गए, लेकिन पौधे लगाए ही नहीं गए। जहाँ लगाए गए, वहाँ संरक्षण और सिंचाई की कोई व्यवस्था नहीं मिल सकी। पौधारोपण की वास्तविकता और रिपोर्ट में भारी अंतर मिलने के बाद विभागीय स्तर पर जांच समिति गठित की गई है। समिति खर्च, पौधों की संख्या, जीवितता दर और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की जांच करेगी।

सूत्रों के अनुसार यह मामला सिर्फ एक रेंज तक सीमित नहीं रहेगा। कई जिलों से मिली रिपोर्टों में भी बड़े स्तर पर अनियमितताओं के संकेत हैं। शासन अब सभी पौधारोपण स्थलों की थर्ड पार्टी सर्वे कराने पर विचार कर रहा है।

मांट रेंज में बड़ा फर्जीवाड़ा

- **दावा :** 12,500 पौधे लगाए गए
- **मिला :** कुछ सौ पौधे ही जीवित
- कई स्थानों पर पौधे लगाए ही नहीं गए
- संरक्षण व सिंचाई की व्यवस्था पूरी तरह नदारद
- रेंजर निलंबित, एसडीओ हटाए गए

प्रदेशभर में होगी जांच

- कई रेंजों की रिपोर्टों में गड़बड़ियों के संकेत
- पौधारोपण के नाम पर बजट खर्च की जांच
- थर्ड पार्टी इवैल्यूएशन लागू करने की तैयारी
- फोटो जियो-टैगिंग और मास सर्वे अनिवार्य करने की योजना
- फर्जी रिपोर्टिंग पर तत्काल निलंबन और प्राथमिकी के निर्देश

अबतक के एसआईआर का आंकड़ा सार्वजनिक करें : अखिलेश यादव

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अपने-अपने क्षेत्रों में फॉर्म-7 की कॉपियां जमा कर रहे

- सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल समेत वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि कई जिलों से शिकायतें मिल रही हैं कि बीएलओ पर दबाव डालकर पीडीए बाहुल्य क्षेत्रों में बड़ी संख्या में नाम काटे जा रहे हैं, जबकि नए नाम जोड़े नहीं जा रहे। पार्टी ने अपने विधायकों और पूर्व विधायकों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में दिन-रात कैंप करें और फॉर्म-7 की कॉपियां जमा करें।

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उप्र. में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) पर सवाल उठाते हुए राज्य निर्वाचन आयोग से पूंछा है कि यूपी में कितने प्रतिशत एसआईआर हुआ है, आंकड़ा प्रकाशित किया जाए। इसके अलावा उन्होंने भाजपा सरकार पर पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) वर्ग के लोगों के नाम मतदाता सूची से जानबूझकर हटाने की साजिश करने के आरोप लगाए हैं। सपा प्रमुख ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट के जरिए एसआईआर को लेकर सत्ताधारी दल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बीएलओ के साथ अतिरिक्त अधिकृत लोगों को समयावधि के अनुरूप इस काम पर लगाया जाए। साथ ही कहा कि जांच होने चाहिए कि हर विधानसभा में पीडीए समाज के कितने लोगों को वोटर लिस्ट से नाम हटाने की साजिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ़ मतदाता सूची का मामला नहीं, बल्कि लोकतंत्र पर हमला है। उन्होंने कहा कि सपा कार्यकर्ता हर बूथ पर नजर रख रहे हैं और किसी भी तरह की गड़बड़ी को बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मतदाता सूची का शुद्धिकरण लोकतंत्र की नींव: धर्मपाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- संगठन महामंत्री ने की एसआईआर अभियान की समीक्षा, कार्यकर्ताओं को हर घर तक पहुंचने के निर्देश

जानकारी देते धर्मपाल सिंह।

अमृत विचार: भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने शुक्रवार को आगरा और मथुरा जिले व महानगर के मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की समीक्षा की। बैठक में अभियान जिला संयोजक, मंडल अध्यक्ष, बीएलए-1 और अन्य संगठन पदाधिकारियों ने भाग लिया।

धर्मपाल सिंह ने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया लोकतंत्र का जनजागरण है। एसआईआर केवल प्रशासनिक गतिविधि नहीं, बल्कि चुनावी प्रक्रिया को प्रमाणिक और भरोसेमंद बनाने का आधार है। उन्होंने कहा कि संगठनात्मक तालमेल, तकनीकी दक्षता और निरंतर मॉनीटरिंग से यह अभियान जन-भागीदारी का आंदोलन बना है। उन्होंने निर्देश दिया कि बीएलए-1, बीएलए-2 और बूथ प्रवासी बूथ अध्यक्षों के साथ समन्वय बनाकर हर मतदाता तक पहुँच सुनिश्चित करें। संपर्क, सत्यापन और सूचना आदान-प्रदान की सटीकता से अभियान में पारदर्शिता और प्रमाणिकता आएगी।

धर्मपाल सिंह ने कहा कि त्रुटिहीन और सत्यापित मतदाता सूची लोकतंत्र की मजबूती का मूल आधार है। इसलिए कार्यकर्ता, पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ करें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची शुद्धिकरण का अभियान गांव, कस्बों और शहरों के द्वार-द्वार दस्तक देने का संकल्प है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी पात्र मतदाता का नाम छूटने न पाए और कोई भी बोगस या अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में न रहे। विधानसभा, जिला और प्रदेश स्तर पर बनाए गए वॉर रूम से तकनीकी सहायता लेकर अभियान को गति देने पर भी जोर दिया गया।

धर्मपाल सिंह ने कहा कि किसी भी समस्या पर वॉर रूम से तत्काल संपर्क कर समाधान प्राप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रमाणिक मतदाता सूची ही विश्वसनीय चुनाव प्रक्रिया और मजबूत लोकतंत्र की आधारशिला है। इसी उद्देश्य को साधने के लिए संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी भूमिका सुनिश्चित करे।

स्वास्थ्य | प्रदेश सरकार ने बजट को दी मंजूरी, आधुनिक उपकरणों से लैस होंगे अस्पताल

13.46 करोड़ से 20 सरकारी अस्पतालों में बढ़ाई जाएंगी सुविधाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के 20 अस्पतालों को सरकार ने बजट की संजीवनी प्रदान की है। करीब 13 करोड़ 46 लाख रुपये के मंजूर किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि आधुनिक उपकरणों से अस्पतालों को लैस करने के लिए क्रय प्रक्रिया जारी है।

उन्होंने बताया कि जांच की व्यवस्था को बेहतर करने के लिए डिजिटल एक्सरे, ईसीजी, अल्ट्रासाउंड मशीनें क्रय की जाएगी। छोटे चीरे से मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए फेको मशीन स्थापित की जाएगी। इससे मरीजों को कम समय अस्पताल में गुजारना होगा। ऑपरेशन की सफलता दर में भी वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि इन अस्पतालों के लिए सात करोड़ पैंतालीस लाख तेरह हजार छह सौ पैंसठ रुपये की मंजूरी प्रदान की गई है।

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि मिर्जापुर में नवनिर्मित 50 बेड के अस्पताल में आंखों की बीमारियों का सटीक इलाज हो सकेगा। इसके लिए अस्पताल में नेत्र रोग विभाग स्थापित किया जा रहा है। भवन निर्माण पूर्ण है लेकिन ऑपरेशन थियेटर निर्माणाधीन है। आधुनिक व उच्चीकृत उपकरणों के लिए छह करोड़ एक लाख 82 हजार 521 रुपए की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

बीघापुर व बिधूना के सौ शैय्या अस्पताल के लिए भी धनराशि स्वीकृत

- प्रयागराज के मोती लाल नेहरू मण्डलीय चिकित्सालय को 54 लाख 48 हजार 301 रुपये, बरेली के जिला महिला चिकित्सालय को आठ लाख 68 हजार 274 रुपये, मुरादाबाद के पंडित दीन दयाल उपाध्याय जिला चिकित्सालय को 80 लाख 98 हजार 414 रुपये,औरैया के बिधूना स्थित 50 शैय्यायुक्त डॉ. राम मनोहर लोहिया नेत्र चिकित्सालय को 31 लाख 12 हजार 943 रुपये और उन्नाव जिले के बीघापुर 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय को 23 लाख 34 हजार 201 रुपये के बजट को मंजूरी मिली है। लखीमपुर ओयल के ट्रॉमा सेंटर आठ करोड़ 82 हजार 999 रुपये और फर्रुखाबाद का डॉ. राम मनोहर लोहिया महिला चिकित्सालय 20 लाख 44 हजार 884 रुपये से अपग्रेड किया जाएगा।

लखनऊ के चार अस्पतालों के लिए भी धनराशि स्वीकृत

- लखनऊ के चार अस्पतालों के लिए भी बजट मंजूर किया गया है। बलरामपुर चिकित्सालय के लिए एक करोड़ 09 लाख 79 हजार 887 रुपये, रानी लक्ष्मीबाई संयुक्त चिकित्सालय के लिए 26 लाख 46 हजार 066 रुपये, श्यामा प्रसाद मुखर्जी चिकित्सालय के लिए 32 लाख 64 हजार 280 रुपये और लोकबन्धु संयुक्त चिकित्सालय के लिए 27 लाख 75 हजार 943 रुपये के बजट मंजूर किए गए हैं।

महोबा जिला अस्पताल को भी मिले 30 लाख रुपये

- महोबा के जिला चिकित्सालय को 29 लाख 98 हजार 739 रुपये, झांसी जिला चिकित्सालय एक करोड़ 42 लाख 42 हजार 312 रुपये, गाजियाबाद के जिला संयुक्त चिकित्सालय को 26 लाख 83 हजार 961 रुपये, गाजियाबाद के एमएमजी जिला चिकित्सालय को 18लाख 83 हजार 961 रुपये से उच्चीकृत किया जाएगा। गाजियाबाद जिला महिला चिकित्सालय आठ लाख, गाजियाबाद लोनी के 50 बेड संयुक्त चिकित्सालय को 27लाख 44 हजार 250 रुपये, गाजियाबाद डूडाहेड़ा स्थित 50 बेड संयुक्त चिकित्सालय 27 लाख 44 हजार 250 रुपये, बुलन्दशहर खुर्जा के एलएसपीजी चिकित्सालय को 20 लाख रुपये, मऊ जिला चिकित्सालय को 20 लाख रुपये से संवारा जाएगा।

खूब खरीदारी के बावजूद 320 करोड़ रुपये कम मिला जीएसटी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: त्योहारी सीजन में जमकर खरीदारी होने के बाद भी प्रदेश जीएसटी राजस्व में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। वित्त विभाग द्वारा जारी नवंबर के आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में हुए कारोबार से राज्य को मिलने वाला जीएसटी राजस्व इस वर्ष 320 करोड़ रुपये कम रहा। नवंबर 2025 में जीएसटी से 7472.59 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई, जबकि नवंबर 2024 में यह आंकड़ा 7793.48 करोड़ रुपये था। जीएसटी राजस्व में आई गिरावट को सीधे जीएसटी दरों में की गई कमी से जोड़ा जा रहा है। नवरात्र, दशहरा और दीपावली जैसे त्योहार बाजार में भारी भीड़ और खरीदारी देखी गई।

करों से हुई प्राप्ति करोड़ रुपये में

राज्य कर का नाम	नवंबर 2024	नवंबर 2025
जीएसटी	7793.48	7472.59
वैट	2685.19	2830.85
आबकारी	4071.27	4486.50
स्टांप एवं निबंधन	2263.77	2585.62
परिवहन	1205.28	1208.46
भूतत्व व खनिकर्म	370.81	413.84
कुल योग	18,389.80	18,997.86

दरें घटने से बाजार में मांग में इजाफा : वित्त मंत्री

- वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि जीएसटी दरों में कमी से जनता को सीधा लाभ मिला है और इससे बाजार में खरीदारी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि दरें घटने से बाजार में मांग में इजाफा हुआ है। आने वाले समय में इसके सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। जीएसटी में कमी के बावजूद अन्य कर मदों के बेहतर प्रदर्शन की वजह से नवंबर 2025 में कुल कर एवं करेतर राजस्व 18,997.86 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष नवंबर के 18,389.80 करोड़ रुपये की तुलना में 608.06 करोड़ रुपये अधिक है।

अमृत विचार

शनिवार, 6 दिसंबर 2025

सपने देखो, सपने देखो, सपने देखो। सपने विचारों में बदल जाते हैं और विचार कार्य में परिणत होते हैं।

-एपीजे अब्दुल कलाम, पूर्व राष्ट्रपति

बहुध्रुवीय सार्थक साझेदारी

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की यात्रा और उस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई वार्ता भारत की कूटनीति के लिए ऐसे समय निर्णायक महत्व रखती है, जब वैश्विक शक्ति-संतुलन तेजी से बदल रहा है। अमेरिका द्वारा भारत पर टैरिफ लगाने के बाद पैदा हुई खटास, पश्चिम–रूस तनाव तथा यूक्रेन संघर्ष की अनिश्चितता- इन सबके बीच यह यात्रा अत्यंत दूरगामी प्रभाव छोड़ने वाली है। रूस से ट्रेड अमेरिकी टैरिफ से निबटने का बेहतर विकल्प है। पुतिन मोदी संवाद के दौरान दोनों देशों ने आपसी हितों से जुड़े सभी अहम क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों को खुलकर साझा किया। यूक्रेन संकट, पश्चिमी प्रतिबंधों का असर, एशिया-प्रशांत में शक्ति-संघर्ष, ऊर्जा सुरक्षा और बहुपक्षीय मंचों पर समन्वय- इन पर भारत-रूस की स्पष्टता आने वाले समय में नई रणनीतिक दिशा तय करेगी। भारत की 'मल्टी-अलाइनमेंट' नीति में यह वार्ता संतुलन का एक मजबूत स्तंभ बन सकती है। ऊर्जा, रक्षा, खाद तथा व्यापार के मोर्चों पर कई अहम समझौते भारतीय रिफाइनरियों के लिए दीर्घकालिक रियायती तेल सप्लाई, कोयले और प्राकृतिक गैस के लिए सुरक्षित कॉरिडोर, खाद और क्रूड फॉस्फेट की स्थिर आपूर्ति, उच्च तकनीकी वाली रक्षा प्रणालियों के संयुक्त उत्पादन जैसे कदम आपसी भरोसे को मजबूत करेंगे। एस-400 डिलीवरी के अगले चरण, ब्रह्मोस के निर्यात संस्करण तथा एयरोस्पेस और समुद्री प्रणालियों में सहयोग को भी गति मिल सकती है।

अमेरिकी टैरिफ के बाद की यह यात्रा भारत का दृश्यमान संदेश है कि वह किसी एक ध्रुव की नीतियों का बंधक नहीं बन सकता। वाणिज्य और समाज के व्यापक क्षेत्रों- फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, खाद्य उत्पाद, उपभोक्ता वस्तुएं, शिक्षा, संस्कृति और मीडिया में यह यात्रा विशेष प्रभाव डालेगी। भारतीय दवाइयां और चिकित्सकीय उपकरण रूस में पहले ही उच्च विश्वसनीयता रखते हैं, अब संयुक्त अनुसंधान, जेनेरिक दवाओं की संयुक्त फैक्ट्रियां और अस्पताल सहयोग नए अवसर खोलेंगे। कृषि और खाद्य प्रसंस्करण में रूस ने भारतीय निर्यात बढ़ाने की गंभीर रुचि दिखाई है। कारोबारी रिश्तों की बात करें तो 'ईस्टर्न इकोनॉमिक कॉरिडोर' के तहत भारतीय निवेश को प्रोत्साहन और रूस के आर्कटिक सेक्टर में सहयोग दोनों ही देशों के लिए रणनीतिक मूल्य रखते हैं। खाद जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में भारत की निर्भरता रूस से मिल रही स्थिर आपूर्ति के कारण अधिक सुरक्षित होगी।

पुतिन की यह यात्रा, जी 20, ब्रिक्स, एससीओ और संयुक्त राष्ट्र जैसे बहुपक्षीय मंचों- पर सामूहिक एजेंडा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विशेषकर ब्रिक्स के विस्तार, वैश्विक दक्षिण की आवाज़ को मजबूत करने और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं में सुधार के मुद्दों पर भारत-रूस एकजुटता इन संगठनों में नई गति ला सकती है। कुल मिलाकर मोदी सरकार के लिए यह यात्रा न केवल विदेश नीति के लिहाज़ से, बल्कि राजनीतिक-संदेश और रणनीतिक स्वायत्तता के सिद्धांत की पुनर्पुष्टि के रूप में भी असाधारण रूप से महत्वपूर्ण है। अमेरिका के साथ संबंधों में आई क्षणिक गिरावट के बीच यह यात्रा भारत की 'स्वतंत्र और बहुध्रुवीय' विदेश नीति की परिपक्वता का प्रमाण है।

प्रसंगवश

डॉ. आंबेडकर का सामाजिक राजनीतिक दर्शन

इंग्लैंड से लौटने के बाद जब डॉ. आंबेडकर ने भारत की धरती पर कदम रखा, तो समाज में छुआछुत और जातिवाद चरम पर था। उन्हें लगा कि यह सामाजिक कुप्रवृत्ति और खंडित समाज देश को कई हिस्सों में तोड़ देगा। सो उन्होंने हाशिए पर खड़े अनुसूचित जाति-जनजाति एवं दलितों के लिए पृथक निर्वाचिका की मांग कर परोक्ष रूप से समाज को जोड़ने की दिशा में पहल तेज कर दी। अपनी आवाज को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उन्होंने 1920 में, बंबई में साप्ताहिक मूकनायक के प्रकाशन की शुरुआत की, जो शीघ्र ही पाठकों में लोकप्रिय हो गया। दलित वर्ग के एक सम्मेलन के दौरान उनके दिए गए भाषण से कोल्हापुर राज्य का स्थानीय शासक शाहु चतुर्थ बेहद प्रभावित हुआ और डॉ. अंबेडकर के साथ उसका भोजन करना रुढ़िवाद से ग्रस्त भारतीय समाज को झकझोर गया।

अरविंद जयतिलक

लेखक

डॉ. अंबेडकर ने मुख्यधारा के महत्वपूर्ण राजनीतिक दलों को जाति व्यवस्था के उन्मूलन के प्रति नरमी पर वार करते हुए उन नेताओं की भी कटु आलोचना की, जो अस्पृश्य समुदाय को एक मानव के बजाए करुणा की वस्तु के रूप में देखते थे। ब्रिटिश हुकूमत की विफलताओं से नाराज अंबेडकर ने अस्पृश्य समुदाय को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए एक ऐसी अलग राजनीतिक पहचान की वकालत की, जिसमें कांग्रेस और ब्रिटिश दोनों का कोई दखल न हो। 8 अगस्त 1930 को उन्होंने एक शोषित वर्ग के सम्मेलन के दौरान अपनी राजनीतिक दृष्टि को दुनिया के सामने रखा और कहा कि हमें अपना रास्ता स्वयं बनाना होगा और स्वयं राजनीतिक शक्ति शोषितों की समस्याओं का निवारण नहीं हो सकती। उनको शिक्षित करना चाहिए, उनका उद्धार समाज में उनका उचित स्थान पाने में निहित है। उनको अपना रहने का बुरा तरीका बदलना होगा। उनको शिक्षित होना चाहिए। एक बड़ी आवश्यकता उनकी हीनता की भावना को झकझोरने और उनके अंदर दैवीय असंतोष की स्थापना करने की है, जो सभी ऊंचाइयों का स्रोत है।

डॉ. अंबेडकर सिर्फ हिंदू समाज में व्याप्त कुरीतियों और सामाजिक भेदभाव के ही विरोधी नहीं थे, बल्कि वे इस्लाम धर्म में व्याप्त बाल विवाह की प्रथा और महिलाओं के साथ होने वाले दुर्व्यवहार के भी कटु आलोचक थे। उन्होंने लिखा है कि मुस्लिम समाज में तो हिंदू समाज से भी कहीं अधिक बुराईयां हैं और मुसलमान उन्हें भाईचारे जैसे नरम शब्दों के प्रयोग से छिपाते हैं। उन्होंने मुसलमानों द्वारा अर्जल वर्गों के खिलाफ भेदभाव, जिन्हें निचले दर्जे का माना जाता था, के साथ मुस्लिम समाज में महिलाओं के उत्पीड़न की दमनकारी पर्दा प्रथा की जबरदस्त निंदा की। डॉ. अंबेडकर स्त्री-पुरुष समानता के प्रबल पक्षधर थे।

उन्होंने इस्लाम धर्म में स्त्री-पुरुष असमानता का जिक्र करते हुए कहा कि बहुविवाह और रखैल रखने के दुपरिणाम शब्दों में व्यक्त नहीं किए जा सकते, जो विशेष रुप से एक मुस्लिम महिला के दुख के स्रोत हैं। वे हिंसामुक्त समानता पर आधारित समाज के पैरोकार थे। दरअसल अंबेडकर ही एकमात्र राजनेता थे जो छुआछुत की निंदा करते थे। जब 1932 में ब्रिटिश हुकूमत ने उनके साथ सहमति व्यक्त करते हुए अछूतों को पृथक निर्वाचिका देने की घोषणा की तब महात्मा गांधी ने इसके विरोध में पुणे की यरवदा सेंट्रल जेल में आमरण अनशन शुरु कर दिया। यह अंबेडकर का प्रभाव ही था कि गांधी जी ने अनशन के जरिए रुढ़िवादी हिंदू समाज से सामाजिक भेदभाव और अस्पृश्यता को खत्म करने की अपील की।

फूड सब्सिडी और किसानों की चिंताएं

राजेश श्रीनेत

वरिष्ठ पत्रकार

कृषि से जुड़ी नीतियां और समर्थन प्रणालियां देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिरता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं। हाल के वर्षों में दो चीजें समान रूप से बढ़ी हैं। एक ओर किसानों में खेती के लाभ को लेकर चिंताएं गहरी होती जा रही हैं और दूसरी ओर सरकार का फूड सब्सिडी पर खर्च रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया है। इन दोनों स्थितियों का एक साथ उभरना स्वाभाविक रूप से यह सवाल खड़ा करता है कि क्या बढ़ती फूड सब्सिडी वास्तव में किसानों के हितों को मजबूत कर रही है या यह लाभ अधिकतर उपभोक्ताओं तक ही सीमित है।

देश में फूड सब्सिडी का अर्थ केवल सस्ता अनाज उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि यह देश की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में से एक है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत करोड़ों परिवारों को अत्यंत रियायती दरों पर अनाज दिया जाता है। इसके अलावा कोविड-19 जैसी आपात स्थितियों के दौरान प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने सब्सिडी के भार को और बढ़ाया। इन योजनाओं को चलाने के लिए सरकार को पहले किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अनाज खरीदना होता है, फिर उसका भंडारण करना, ढुलाई कराना और अंत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से जरूरतमंदों तक पहुंचाना होता है। इन सभी चरणों की बढ़ती लागत मिलकर फूड सब्सिडी को बहुत बड़ा आर्थिक बोझ बना देती है। पिछले एक दशक में यह बोझ कई गुना बढ़ चुका है और सरकार के कुल बजट में इसका हिस्सा अत्यधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

दूसरी ओर, किसानों की स्थिति वेतनभोगी तबके की तरह स्थिर नहीं होती। खेती प्राकृतिक जोखिमों पर निर्भर करती है और उत्पादन लागत लगातार बढ़ती जा रही है। खाद, डीज़ल, श्रम, कीटनाशक और कृषि संबंधी मशीनरी सब कुछ महंगा होता जा रहा है। ऐसे में किसानों को मिलने वाला मूल्य कई बार उनकी लागत तक भी नहीं पहुंच पाता। यूं तो न्यूनतम समर्थन मूल्य एक सुरक्षा कवच की तरह दिखता है, पर वास्तविकता यह है कि देश के लगभग 6–8% किसान ही अपनी उपज को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बेच पाते हैं। अधिकांश किसानों की फसल खुले बाजार में बिकती है, जहां मांग और आपूर्ति के आधार पर कीमतें काफी बदलती रहती हैं। यह अस्थिरता किसानों की चिंताओं को और बढ़ा देती है।

इसके अलावा सरकार द्वारा मुख्य रूप से धान और गेहूं की खरीद होने के कारण किसान सुरक्षित विकल्प के रूप में इन्हीं फसलों को उगाने पर निर्भर रहते हैं। इससे न केवल मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित होती है, बल्कि जल संसाधनों पर भी अत्यधिक दबाव पड़ता है। साथ ही अन्य फसलों- जैसे दालें, तिलहन, बागबानी अपने वास्तविक मूल्य से वंचित रह जाती है, क्योंकि इनके लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य आधारित मजबूत खरीद प्रणाली नहीं है। जिन किसानों को अपनी उपज इन फसलों में लगानी होती है, उन्हें अक्सर अधिक जोखिम उठाना पड़ता है।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव भी अब अधिक स्पष्ट हो चुका है। बेमौसम बरसात, अतिवृष्टि, सूखा या अत्यधिक तापमान यह सभी खेती की लागत और उत्पादन पर गहरा असर डालते हैं। जब जोखिम बढ़ता है और समर्थन प्रणाली अपर्याप्त रहती है, तो किसान स्वाभाविक रूप से असुरक्षा महसूस करता है। ऐसे में केवल फूड सब्सिडी बढ़ जाने से किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं आता।

यह समझना महत्वपूर्ण है कि फूड सब्सिडी मुख्य रूप से उपभोक्ताओं और गरीब वर्गों को राहत देने का साधन है। सरकार महंगे दाम पर अनाज खरीदकर उसे बेहद कम दाम पर देती है, जिससे सब्सिडी की मात्रा बढ़ती है। इस प्रक्रिया में किसान को सिर्फ बिक्री का न्यूनतम समर्थन मूल्य मिलता है, पर यह लाभ केवल उन किसानों तक सीमित है, जिनकी फसल वास्तव में सरकारी खरीद में शामिल होती है। बाकी किसानों को इस बढ़ती सब्सिडी से प्रत्यक्ष रूप से कोई फायदा नहीं मिलता, जबकि सरकार के बजट में कृषि संरचनाओं के अन्य सुधारों पर खर्च सीमित रह जाता है।

किसानों का कहना है कि यदि सरकार उपभोक्ताओं के लिए इतनी बड़ी सब्सिडी वहन कर सकती है, तो किसानों की आय बढ़ाने, लागत कम करने और कृषि से जुड़े जोखिम घटाने पर भी समान ध्यान दिया जाना चाहिए। उनका यह तर्क भी उचित है कि कृषि को लाभकारी बनाए बिना केवल उपभोक्ता सब्सिडी बढ़ाते रहना दीर्घकालिक समाधान नहीं हो सकता। किसान देश की खाद्य सुरक्षा की रीढ़ हैं, और यदि वही आर्थिक रूप से सुरक्षित महसूस नहीं करेंगे तो उत्पादन पर इसका असर पड़ना स्वाभाविक है।

इस जटिल परिस्थिति से बाहर निकलने के लिए व्यापक सुधारों की आवश्यकता है। कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे भंडारण, परिवहन, कोल्ड चेन और प्रोसेसिंग इकाइयों को मजबूत किए बिना किसानों को बेहतर लाभ दिलाना मुश्किल है। इसके साथ बाजार सुधारों की भी जरूरत है, जहां किसान बिचौलियों पर निर्भर न रहें और डिजिटल प्लेटफॉर्म या किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से सीधे खरीदारों से जुड़ सकें। फसल में विविधता लाने को भी किसानों को प्रोत्साहित करके, खासकर दलहन और तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देकर, भारत आयात पर निर्भरता भी घटा सकता है और किसानों की आय भी बढ़ा सकता है। लागत कम करने के उपाय जैसे- आधुनिक सिंचाई तकनीक, जैविक विकल्प और उन्नत बीज भी किसानों की मदद कर सकते हैं।

अंत में यह कहा जा सकता है कि फूड सब्सिडी का बढ़ना देश की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था के लिए आवश्यक है, पर यह किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं है। किसानों की आय, कृषि लागत, जोखिम स्तर और बाजार व्यवस्था सुधारने पर समान रूप से ध्यान देना होगा।

हाल के वर्षों में दो चीजें समान रूप से बढ़ी हैं। एक ओर किसानों में खेती के लाभ को लेकर चिंताएं गहरी होती जा रही हैं और दूसरी ओर सरकार का फूड सब्सिडी पर खर्च रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया है।

आमने

फॉरेन डिग्निटरीज कोई आता है, तो हमें मिलने नहीं दिया जाता। अटल बिहारी वाजपेई के समय होता था। मनमोहन सिंह के समय होता था, लेकिन आजकल नहीं होता। जब फॉरेन डिग्निटरीज आती हैं, तो विदेश मंत्रालय उनको सजेस्ट करता है कि किससे मिलना है, किससे नहीं।

-राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष

सामने

विदेश में जाकर भारत के लोकतंत्र को राहुल गांधी कोसते हैं। राहुल गांधी पॉलिटिक्स को लेकर सीरियस नहीं हैं। आज तक बता दीजिए कि कोई भी जिम्मेदार व्यक्ति विदेश जाकर भारत को कोसता हो, पर राहुल गांधी विदेशी धरती पर हमेशा भारत को कोसते रहते हैं।

-सतीश चंद्र दुबे, केंद्रीय मंत्री

बढ़ रहे हैं अंतरिक्ष मौसम के खतरे

पंकज चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

अभी एथियोपिया से उठे ज्वालामुखी के गुबार से हवाई जहाजों के संचालन में आ रहे व्यवधान का संकट चल ही रहा था कि सूर्य किरणों से उत्पन्न विकिरण से सारी दुनिया में लोकप्रिय कोई साढ़े छह हजार एयर बस ए-230 के सॉफ्टवेयर गड़बड़ा गए और उनकी उड़ान रोकनी पड़ी। 30 अक्टूबर को न्यूयॉर्क के लिए उड़ान भर रही जेटब्लू एयरलाइंस के जहाज को सूर्य-विकिरण की मार पड़ी। इससे जहाज में झटके लगे और 15 यात्री घायल हो गए। इस घटना के बाद पूरी दुनिया में कोहराम मचा और पता चला कि यह समस्या एलीवेटर एंड एइलरॉन कंप्यूटर (एलाक) से जुड़ी है, जो विमान की पिच और रोल को नियंत्रित करती है।

ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, जब सूर्य-विकिरण और विशेष रूप से सौर तूफानों के कारण एयरबस जैसे आधुनिक विमानों के संचालन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा हो। 1994 में, एक तीव्र सौर तूफान ने कनाडा के एनीक-ई 2 संचार उपग्रह को निष्क्रिय कर दिया था और इसी दौरान कुछ विमानों में नेविगेशन और संचार संबंधी दिक्कतों का पता चला था। उसके बाद सन् 2008 में हुई थी जब एक क्वांटस एयरलाइंस के एयरबस A330 विमान में सोलर रेडिएशन के कारण एयर डेटा इनर्शियल रेफरेंस यूनिट में संभावित गड़बड़ी हुई थी, जिससे विमान अचानक नीचे झुक गया था। तब भी दुनिया भर की हवाई कंपनियों को बड़े पैमाने पर सॉफ्टवेयर अपग्रेड और परिचालन समायोजन करने पड़े थे। वैसे यह बेहद जटिल मुद्दा है, जो अंतरिक्ष मौसम, विमानन इलेक्ट्रॉनिक्स और उड़ान सुरक्षा से जुड़ा है।

सूर्य-विकिरण का सीधा संबंध सूर्य से उत्सर्जित होने वाले उच्च-ऊर्जा वाले कणों और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगों से होता है। जब सूर्य पर कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) या सौर ज्वाला जैसी घटनाएं होती हैं, तो इससे सौर ऊर्जावान कण (सोलर एनेरजेटिक पार्टिकल यानी एसईपी) और गैलेक्टिक कॉस्मिक किरणें (जीसीआर) उत्पन्न होते हैं। पृथ्वी का वायुमंडल और चुंबकीय क्षेत्र हमें इनमें से अधिकांश से बचाता है, लेकिन 28,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर उड़ने वाले वाणिज्यिक विमान इनके प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। इससे विमानन इलेक्ट्रॉनिक्स या एवियोनिक्स सिस्टम में डेटा करप्शन हो जाता है।

सिंगल इवेंट अपसेट (एसईयू) बहुत उच्च ऊर्जा वाले कण होते हैं, जो विमान के माइक्रोप्रोसेसरों और मेमोरी चिप्स से टकराते ही कुछ गड़बड़ियां पैदा कर सकते हैं। हाल की घटनाओं (जैसे एक जेटब्लू A230 की घटना) के विश्लेषण में पाया गया है कि तीव्र सोलर रेडिएशन एयरबस A320 परिवार के विमानों में एलाक जैसे महत्वपूर्ण फ्लाइट कंट्रोल कंप्यूटर के डेटा को दूषित कर सकता है। डेटा दूषित होने से विमान अनजाने में पिच डाउन (नीचे झुकना) जैसी अनियंत्रित हरकतें कर सकता है, जो उड़ान सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है। वैसे समझना होगा कि यह पृथ्वी के वातावरण के बाहर की घटनाएं हैं और इसका संबंध सूर्य के 11-वर्षीय गतिविधि चक्र से है।

सौर तूफान के कारण जीपीएस/जीएनएसएस की सटीकता में कमी आ जाती है। इनके कारण आयन मंडल में गड़बड़ी पैदा होती है और नेविगेशन के लिए अनिवार्य जीपीएस और अन्य ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम सिग्नल इसके प्रभाव से कमजोर हो जाते हैं। यहां तक कि इससे रेडियो संचार ब्लैकआउट की स्थिति बन जाती है। सौर ज्वालाओं से उत्सर्जित एक्स-रे पृथ्वी के दिन के हिस्से में हाई-फ्रीक्वेंसी रेडियो संचार को पूरी तरह बाधित कर देते हैं। इसके चलते लंबी दूरी की (विशेषकर ध्रुवीय और महासागरीय) उड़ानों को आसमान की ऊंचाई में राह नहीं दिखती।

तीव्र सौर तूफानों के दौरान, बहुत ऊंचाई पर चालक दल और यात्रियों के स्वास्थ्य के लिए विकिरण की अधिक मात्रा दूरगामी खतरनाक है, हालांकि यह आमतौर पर सीमित होता है। भारत में अभी इसका कोई सीधा असर नहीं दिखा है, लेकिन डीजीसीए ने भारतीय वायुयान संचालकों को तत्काल प्रभाव से आवश्यक सॉफ्टवेयर अपग्रेड करने का अनिवार्य निर्देश जारी किए हैं। इस घटना ने भारत में विमानन नियामक निकायों और एयर लाइनों के बीच अंतरिक्ष मौसम के खतरों और उनके एवियोनिक्स पर संभावित प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ाया है, जिससे भविष्य में रेडिएशन-प्रतिरोधी प्रणालियों के महत्व पर ज़ोर दिया जा रहा है।

सूर्य वर्तमान में अपने सौर चक्र 25 के अधिकतम चरण की ओर बढ़ रहा है, जिसके आने वाले महीनों में चरम पर पहुंचने की संभावना है। इस चरण में, सौर तूफानों और विकिरण की घटनाएं अधिक बार और तीव्र होने की संभावना है, जिससे एवियोनिक्स पर दबाव बढ़ेगा। हाल के दशकों में मानव-जनित ग्रीन हाउस गैसों का वार्मिंग प्रभाव, सूर्य की गतिविधि में मामूली बदलावों से कहीं अधिक शक्तिशाली रहा है। धरती पर बढ़ता कार्बनडाईआक्सॉइड आयन मंडल के तापमान और संरचना को भी बदल रहा है, जो लगभग 100-500 किमी की ऊंचाई पर है। आयन मंडल में होने वाले ये बदलाव रेडियो तरंगों के संचरण को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे शॉर्टवेव रेडियो संचार में बाधा आ सकती है।

सूर्य-विकिरण और विशेष रूप से सौर तूफानों से एयरबस के संचालन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ रहा है। 1994 में, एक तीव्र सौर तूफान ने कनाडा के एनीक-ई 2 संचार उपग्रह को निष्क्रिय कर या था।

सोशल फोरम

ब्रिटेन में एशियाई महिला का पहला स्मारक

टीपू सुल्तान की वंशज, नूर इनायत ख़ान, जिनका असली नाम नूर-उन-निसा इनायत ख़ान था, भारतीय मूल की एक बहादुर ब्रिटिश जासूस थीं। इनका जन्म पहली जनवरी 1914 को हुआ था। नूर ने द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान मित्र देशों के लिए जासूसी की थी। ब्रिटेन के स्पेशल ऑपरेशंस एक्जीक्यूटिव (SOE) के रूप में प्रशिक्षित नूर, द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान फ्रांस के अधिकार क्षेत्र में भेजी जाने वाली पहली महिला वायरलेस ऑपरेटर थीं। जर्मनी द्वारा गिरफ्तार किए जाने, भयंकर यातनाएं दिए जाने और अंततः गोली मारकर हत्या किए जाने से पहले, वे फ्रांस में एक गुप्त मिशन के तहत नर्स का काम करती थीं। उन पर 10 महीनों तक क्रूर अत्याचार और लगातार पूछताछ की गई, लेकिन फिर भी गेस्टापो उनसे कोई भी राज़ नहीं उगलवा सकी। उनके अपरिमित साहस और बलिदान की कहानी आज भी पूरे यूनाइटेड किंगडम और फ्रांस में याद की जाती है। उनकी सेवाओं के लिए उन्हें ब्रिटेन का सर्वोच्च नागरिक सम्मान जॉर्ज क्रॉस प्रदान किया गया। उनकी स्मृति में लंदन के गॉर्डन स्क्वेयर में एक सुंदर स्मारक स्थापित है- जो इंग्लैंड में किसी मुसलमान को समर्पित तथा किसी एशियाई महिला के सम्मान में पहला स्मारक है।

शोएब गाजी

ब्लॉगर

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

विश्व में अशांति और भय से बढ़ता हथियार कारोबार

दुनिया में हथियारों की बिक्री लगातार बढ़ रही है। वास्तव में, आज के समय में दुनिया भर में बढ़ते हथियारों का जखीरा केवल सुरक्षा का ही सवाल नहीं है, बल्कि यह मानवता के भविष्य पर एक गंभीर खतरा भी है। कोई भी देश हथियार इसलिए खरीदते हैं, ताकि वे अपनी सीमाओं की रक्षा कर सकें। रणनीतिक बढ़त बनाए रख सकें और बदलते भू-राजनीतिक हालात में खुद को एक मज़बूत राष्ट्र दिखा सकें, लेकिन यही हथियारों की दौड़ कई बार तनाव बढ़ाकर युद्धों की जमीन तैयार करती है, जोकि ठीक नहीं है।

हथियारों पर होने वाला भारी खर्च शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ पानी, जलवायु संरक्षण और रोजगार जैसे बुनियादी क्षेत्रों से धन को खींच लेता है और इसका असर देश के विकास, अर्थव्यवस्था और इसके निवासियों पर भी पड़ता है। क्या यह बड़ी बात नहीं है कि आज के समय में दुनिया के विभिन्न शक्तिशाली व संपन्न देश इसका इस्तेमाल अपने आर्थिक लाभ, वैश्विक प्रभाव दिखाने और उद्योगों में बढ़त के लिए करते हैं, जबकि छोटे देश किसी दबाव में आकर या सुरक्षा के डर से हथियारों की इस अंधी दौड़ में शामिल हो जाते हैं। यह इसलिए दुनिया का खतरनाक कदम है, क्योंकि यह मानवता को सुरक्षा नहीं, बल्कि असुरक्षा की ओर धकेल रहा है। हथियारों की होड़ अंततः दुनिया में असंतुलन पैदा करती है।

सुनील महला

स्वतंत्र पत्रकार

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की नई रिपोर्ट बताती है कि दुनिया में हथियारों की बिक्री लगातार बढ़ रही है। यह कोई अच्छी खबर नहीं है। रिपोर्ट बताती है कि कई देशों के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। कहीं सीमा विवाद है, कहीं शक्ति दिखाने की होड़, तो कहीं सुरक्षा का डर। दुनिया में इस समय कई देशों के बीच तनाव तेजी से बढ़ रहा है। आज विभिन्न देश आधुनिक और महंगे हथियार खरीदने में बड़ी रकम लगा रहे हैं। इससे हथियार बनाने वाली कंपनियों का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन दुनिया के लिए खतरे भी बढ़ रहे हैं। समस्या यह है कि जितने ज्यादा हथियार जुटाए जाते हैं, उतना ही ज्यादा टकराव या युद्ध की आशंका पैदा होती है।

सरकारों का पैसा रक्षा खरीद में खर्च होने लगता है, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक विकास जैसे जरूरी क्षेत्रों पर कम ध्यान जाता है। यानी सुरक्षा के नाम पर खर्च तो बढ़ता है, लेकिन असुरक्षा भी कम नहीं होती। रिपोर्ट हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हथियारों पर बढ़ती निर्भरता वास्तव में शांति लाएगी या दुनिया को और ज्यादा तनाव और खतरे की ओर धकेल देगी। दुनिया की सबसे बड़ी 100 हथियार बनाने वाली कंपनियों ने पिछले साल से लगभग 6% ज्यादा पैसा कमाया है। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि हाल के समय में कई जगह लड़ाइयां और तनाव लगातार बढ़े हैं, जैसे यूक्रेन युद्ध और गाजा संघर्ष। जब कहीं युद्ध होता है या किसी देश को खतरा महसूस होता है, तो वे अपनी सुरक्षा बढ़ाने के लिए ज्यादा हथियार खरीदते हैं। इसी वजह से हथियारों की मांग तेजी से बढ़ गई और कंपनियों की बिक्री भी बढ़ी।

सिपरी की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया की 100 सबसे बड़ी रक्षा कंपनियों ने 2024 में कुल 679 अरब डॉलर कमाए, जो यह दिखाता है कि वैश्विक स्तर पर युद्ध और तनाव अब एक भारी-भरकम कारोबार बन चुके हैं। यूक्रेन, गाजा और पूर्वी एशिया में बढ़ते संघर्षों ने हथियारों की मांग को तेजी से बढ़ाया है। इससे युद्धों का व्यावसायीकरण और कॉरपोरेट कंपनियों की भूमिका और मजबूत हो रही है। रिपोर्ट बताती है कि पश्चिम एशिया अब एक नया हथियार उत्पादक क्षेत्र बनकर उभर रहा है, जिससे वैश्विक सैन्य उत्पादन में विविधता आई है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

पाताल भुवनेश्वर

रहस्यमय पाताल लोक की दुनिया

प्रकृति के जितने करीब जाओ, उतना ही वह नए रूप में हमारे सामने आती है। बात उतराखंड की हो, तो इस देवभूमि में अनेक रहस्यमय स्थान है, जिनके दर्शन आपको मंत्रमुग्ध कर देंगे। ऐसा ही एक स्थान कुमाऊं मंडल के पिथौरागढ़ जनपद में गंगोलीहाट कस्बे के समीप भुवनेश्वर गांव में है। यह है पाताल भुवनेश्वर गुफा। प्रकृति का एक अनबूझ रहस्य, जिसके लोक में पहुंचकर युगों-युगों का इतिहास एक साथ प्रकट हो जाता है। गुफा के भीतर लगभग उबड़-खाबड़, टेढे-मेढ़े पत्थरों पर पैर टिकाकर 84 सीढ़ियों से होकर गुजरते हुए आप पाताल लोक मे पहुंच जाते हैं। अंदर की अद्भुत दुनिया रोमांचित कर देती है। छोटी बड़ी विभिन्न देवी-देवताओं व पशु पक्षियों के आकार की शिलाएं। एक ऐसा रचना संसार, जिसकी बाहर रहते आपने कभी कल्पना भी नहीं कि होगी। धरती के भीतर बड़ी गुफा, जो कई भागों में बंट जाती है। बीच में मैदानी हिस्से भी फैले हुए हैं। गुफा के रास्ते के दोनों ओर जंजीर लगाई गई है, जिसे पकड़कर यात्री आते-जाते हैं। गुफा में जाने के लिए फीस भी रखी गई है।

दीपक नौगाई
लेखक, हल्द्वानी

भारतीय पुरातत्व विभाग के अधीन

स्कंद पुराण के 103 वें अध्याय में पाताल भुवनेश्वर गुफा का वर्णन है, जिसमें व्यास जी ने कहा है कि मैं एक ऐसी जगह का वर्णन करता हूं, जिसके पूजन करने के संबंध में तो कहना ही क्या, जिसका स्मरण और स्पर्श मात्र करने से सारे पाप नष्ट हो जाते हैं। वह सरयू रामगंगा के मध्य पाताल भुवनेश्वर है। वर्ष 2007 से यह गुफा भारतीय पुरातत्व विभाग के अधीन है। भुवनेश्वर गांव निवासी स्वर्गीय मेजर समीर कोतवाल की स्मृति में गांव से गुफा की ओर जाने वाले मार्ग में बने प्रवेश द्वार को 'समीर द्वार' नाम दिया गया है। मेजर समीर 28 अगस्त 1999 को असम में उग्रवादियों से लड़ते हुए शहीद हुए थे। द्वार के बगल में मेजर की प्रस्तर प्रतिमा भी स्थापित है।

पौराणिक महत्व

कहते हैं कि इस अद्भुत गुफा के दर्शन त्रेतायुग में अयोध्या के राजा ऋतुपूर्ण ने पहली बार किया था। राजा चौपड़ खेलने के बहुत शौकीन थे। उनके मित्र राजा नल भी इस खेल के महारथी थे। पर एक बार वे इस खेल में अपनी पत्नी दमयंती को हार गए। राजा नल इस हार से बहुत शर्मिंदा हुए। वे राजा ऋतुपुर्ण को साथ लेकर हिमालय की यात्रा पर निकल पड़े। एक दिन घने जंगल में उन्हें असाधारण हिरण दिखा। राजा नल ने कहा इस हिरण को जिंदा पकड़ना है। दोनों उसे पकड़ने के लिए उसके पीछे लग गए। हिरण का पीछा करते हुए वे भुवनेश्वर गांव जा पहुंचे। शाम हो गई और हिरण भी कही दिखलाई नहीं दिया। राजा रास्ता भटक गए। रात में उन्हें स्वप्न हुआ और आवाज सुनाई दी- 'तुम क्षेत्रपाल देवता की तपस्या करो, वही तुम्हें रास्ता बताएंगे।' राजा तपस्या करने लगे। कुछ दिनों बाद क्षेत्रपाल ने दर्शन दिए और कहा कि इस स्थान पर एक बड़ी सुरंग है, जहां कई गुफाएं हैं और जहां कण-कण में भगवान शिव निवास करते हैं। क्षेत्रपाल ने राजा को इस दिव्य लोक में पहुंचा दिया।

गुफा में चौपड़ की आकृति

यह भी माना जाता है कि अपने अज्ञातवास में पांडव भी यहां आए थे। उन्होंने कुछ समय इस गुफा में वास किया था। गुफा के भीतर चौपड़ की आकृति भी बनी हुई है। 822 ई. में अपनी दिग्विजय यात्रा के दौरान आदि गुरु शंकराचार्य भी यहां आए। उन्होंने गुफा के अंदर एक जगह पर तांबे का शिवलिंग स्थापित किया। गुफा में जाने वाले श्रद्धालु इस शिवलिंग की पूजा अर्चना करते हैं। भुवनेश्वर गांव से कुछ ही दूर देवदार के घने वन के मध्य स्थित है- पाताल भुवनेश्वर गुफा। गुफा का प्रवेश द्वार लगभग चार फिट लंबा और डेढ फिट चौड़ा है। अत्यंत संकरी, फिसलनदार गुफा में टेढे-मेढ़े पत्थरों की सीढ़ी पर सावधानी से साकंल पकड़कर तीस फिट नीचे उतरना पडता है। एक बार में एक ही व्यक्ति उतर पाता है। उतरते ही नीचे एक बड़े मैदान मे आप खुद को पाते हैं, जहां से तीन ओर को लंबी-लंबी सुरंगें चली जाती हैं। धरती के भीतर एक अनोखी दुनिया, जिसकी आपने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। यहां चट्टानों मे प्राकृतिक कलाकृतियां हैं, जिन्हें पौराणिक कथाओं व मिथकों से जोड़ा गया है।

गाइड बताता है कि आप शेषनाग के शरीर की हड्डियों पर चल रहे हैं और आपके सिर के ऊपर शेषनाग का बना है। सुनते ही रौंगटे खड़े हो जाते हैं। गहराई से देखेंगे तो आप वास्तव में महसूस करेंगे कि कुदरत द्वारा तराशे पत्थरों मे नाग बन फैलाए है। फन के दाएं तरफ ऐरावत हाथी विराजमान हैं। जमीन मे बिल्कुल झुककर भूमि से चंद इंच की दूरी पर चट्टानों में हाथी के तराशे हुए पैरों को देखकर आपको मानना ही पड़ेगा कि आप जो सुन रहे हैं वो सच है।

रोमांचक दृश्य

गुफा में कुछ आगे बढ़ें, तो आप उस जगह पहुंच जाते हैं, जिसके विषय में कहा जाता है कि शिवजी ने गणेश जी का कटा हुआ मस्तक यहीं पर रखा था। गणेशजी के कटे मस्तक शिलारूपी प्रतीक के ठीक ऊपर 108 पंखुड़ियों वाला शवाष्टक दल ब्रहमकमल सुशोभित है। इस ब्रह्मकमल से पानी की बूंदे गणेश जी के मस्तक पर टपकती हैं। मुख्य बूंद आदिगणेश के मुख में गिरती हुई दिखाई देती है। जनमेजय के नाग यज्ञ का हवन कुंड भी गुफा के भीतर है। कहा जाता है कि अपने पिता राजा परीक्षित को श्राप मुक्त करने के लिए जनमेजय ने सारे नाग मारकर हवन कुंड में जला दिए थे, लेकिन तक्षत नामक नाग बच निकला था, जिसने बाद में बदला लेते हुए परीक्षित को डसकर मौत के घाट उतार दिया था। नाग यज्ञ कुंड के ऊपर शिला पर इस नाग का चित्र उभरा हुआ देख सकते हैं।

एक जगह गुफा की छत पर गाय के थन की आकृति नजर आती है। यह कामधेनु गाय का स्तन है। आगे बढ़े तो एक मुड़ी गर्दन वाला गरुड़ एक कुंड के ऊपर बैठा दिखाई देता है। लोकश्रुति है कि शिवजी ने इस कुंड को अपने नागों के पानी पीने के लिए बनाया था। इसकी देखरेख गरुड़ के हाथ में थी, लेकिन जब गरुड़ ने ही इस कुंड से पानी पीने की कोशिश की तो शिवजी ने गुस्से में उसकी गर्दन मोड़ दी और उसे श्राप देकर जड़वत बना दिया।

गुफा में एक स्थान पर शिवजी का मनोकामना कुंड भी है। मान्यता है कि इसके बीच बने छेद से धातु की कोई चीज पार करने पर मनोकामना पूर्ण होती है। उसके साथ कमली बिछी है और उसके नीचे बाघंबर बिछा है। वहीं पर पाताल भैरवी भी है, जो मुंडमाला पहने खड़ी हैं। मान्यता चाहे कुछ भी हो पर एकबारगी गुफा में बनी आकृतियों को देख लेने के बाद उनसे जुड़ी कथाओं पर भरोसा किए बिना नहीं रहा जाता। आश्चर्य यह है कि जमीन के इतने अंदर होने के बावजूद यहां घुटन महसूस नहीं होती अपितु शांति का अनुभव होता है। दूर-दूर से सैलानी इस अद्भुत गुफा को देखने आते हैं। कुछ श्रृद्धा से, कुछ रोमांच के अनुभव के लिए तो कुछ शांति की तलाश में।

लव बर्ड्स

जीत जाएंगे हम तू अगर संग है

कहते हैं कि प्यार की शुरुआत अक्सर सबसे आम पलों में छुपी होती है, लेकिन उसकी गहराई और असर वक्त के साथ हमारे जीवन को बदल देता है। हमारी पहली मुलाकात किसी रोमांटिक जगह पर नहीं, बल्कि एक बहुत साधारण-सी सुबह बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी के गेट पर हुई थी। शैफाली अपनी क्लास के लिए भाग रही थी और मैं (शिव) अपने बीटेक की डिग्री लेने यूनिवर्सिटी पहुंचा था। अचानक भीड़ में शैफाली का बैग थोड़ा उलझा और वह लड़खड़ा गई। मैंने तुरंत हाथ बढ़ाकर उसे संभाल लिया। "आप ठीक हैं?" मैंने पूछा। शैफाली ने हल्की-सी शर्मीली मुस्कान के साथ कहा, "हां, बस दिन की शुरुआत थोड़ी नाटकीय हो गई।" हम दोनों अलग हो गए, पर उस एक पल ने दोनों के दिमाग में एक छोटी-सी जगह बना ली। अगले ही हफ्ते, किस्मत ने फिर करवट ली। शैफाली अपने कॉलेज की तरफ से साइंस प्रोजेक्ट की एक प्रदर्शनी में आई थी और मैं वहां पर एक जज पैनल के रूप में आया था। मैंने उसे देखा और मुस्कुरा दिया। "फिर मिल ही गए," उसने कहा। "लगता है शहर छोटा है या किस्मत बड़ी," शैफाली ने चुटकी ली।

इस बार बातचीत लंबी चली। कला, काम, सपने, यात्राएं दोनों को पता ही नहीं चला कि कब दो अजनबी अपनी दुनिया एक-दूसरे के सामने खोलने लगे। मैं दिल्ली वापस लौट आया, परंतु फोन पर लंबी बातें चलने लगी धीरे-धीरे हम एक-दूसरे की दुनिया में सहज होने लगे। मुलाकातें तो कम होती थीं, परंतु शैफाली का केयरिंग नेचर, मुस्कान और सादापन मुझे उसकी तरफ खींचने लग गया। मैंने शैफाली को आजादी, सपने देखना और खुद पर भरोसा करना सिखाया। कई सालों की फोन पर बात और छोटी-छोटी मुलाकातों के बाद हमने तय किया कि यह कहानी सिर्फ 'मुलाकात' तक सीमित नहीं रहेगी, यह रिश्ता अब साझेदारी, विश्वास और प्यार की नई शुरुआत बनेगी।

प्यार तो हो गया परंतु करियर की उठापटक के बीच मैंने तय नहीं कर पा रहा था कि इसको आगे कैसे मुकाम दिया जाए? एक तरफ करियर को संवारने का समय था और उसी बीच मैं विदेश शिफ्ट हो गया। कभी-कभी तो ऐसा भी लगा की अब ये दूरी इस रिश्ते को यहीं पर ही न रोक दें। अब फोन पर बातें करना बहुत महंगा था, परंतु शैफाली अपने समर्पण के प्रति अपनी ट्यूशन और डांस क्लासेज से कमाए सारे पैसे सिर्फ मुझसे बात करने में खर्च कर देती। बातें कम हो रही थीं मिलना तो बिल्कुल मुश्किल था। विदेश में रहते हुए अकेलेपन में शैफाली की फोन कॉल मुझे लिए रामबाण का काम करती। विदेश की चकाचौंध भी मुझे शैफाली के समर्पण और प्यार से अलग न कर पाई। जब ये प्रेम कहानी शादी की बात तक पहुंची, तो जिंदगी एक नए प्रश्नपत्र के साथ उनके सामने खड़ी थी। घरवालों के सवाल, दोनों परिवारों के विचारों और हैसियत में जमीन आसमान का फर्क और समाज के करोड़ों प्रश्न दोनों के सामने मुंह फैलाए खड़े थे। घरवालों की तरफ से पहले तो पूर्ण मना था, परंतु दोनों ने हार नहीं मानी। दोनों अपनी सीमाओं में रहते हुए अपने-अपने घरवालों को मनाने का पूर्ण प्रयास हर पल करते रहे। ये समय ऐसे गुजर रहा था कि मुझे तो आईएएस बनने की परीक्षा जैसा लग रहा था, परंतु शैफाली बहुत धैर्यवान थी। वो अपने फैसले पर अडिग थी। पूरे दो साल बीत गए तब जाकर घर वाले माने। फिर समाज के लोगों ने भी अड़ंगे लगाए और ये प्रेम की नाव भारी तूफान में हिचकोले लगाते-लगाते किनारे तक आ ही गई, फिर वो घड़ी आई, जिसका हम दोनों को लंबे समय से प्रतीक्षा थी। इस बीच पिछले दो सालों में हम दोनों कभी मिले नहीं, क्योंकि दूरियां लंबी थीं, परंतु दोनों के प्रेम ने ये जंग जीत ली। जब विवाह मंडप पर दोनों ने एक-दूसरे को देखा, तो दोनों की आंखों में सालों की प्रतीक्षा, परिवार और समाज से विजय की चमक और चेहरे पर एक संतोषप्रद मुस्कान थी। उन्हें लगा की अब अंतिम मंजिल पर पहुंच गए, जो एक अगली लंबी यात्रा पर साथ चलने के लिए आगे ले जाएगी। आज भी सालों बाद जब दोनों उस समय को याद करते हैं, तो चेहरे पर एक मुस्कान के साथ ये पंक्तियां बरबस ही मुंह से निकल जाती हैं "जीत जाएंगे हम, तू अगर संग है।" ये पंक्तियां आज भी, उन्हें जीवन के विभिन्न मोड़ों पर आती हुई परीक्षाओं में हौसला देती है। हमारी प्रेम कहानी इस बात को सिद्ध करती है कि यदि प्रेम सच्चा हो और हृदय में धैर्य और एक-दूसरे पर विश्वास हो, तो चाहें कितनी भी बाधाएं आएं आप मंजिल पर पहुंचते अवश्य हैं। कभी-कभार शैफाली बोलती है "हम सच में यहां तक आ गए विश्वास नहीं होता।" मैं हर बार उसका हाथ थाम कर कहता है "जब साथी सही हो और दोनों साथ चलें, तो सफर अपने आप सुंदर हो जाता है।"

-शिवमोहन और शैफाली, कानपुर

जॉब का पहला दिन

शुरू हुआ जीवन का एक नया अध्याय

जीवन के कतिपय अनुभव ऐसी मधुर स्मृतियों में परिणत हो जाते हैं, जो आगे चलकर हमारे व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और पेशेवर पहचान को गहराई से प्रभावित करती हैं। वर्षों के सतत अध्ययन, तैयारी, लंबी प्रतीक्षा और कठिन संघर्ष के बाद जब किसी प्रतिष्ठित महाविद्यालय में नियुक्ति मिलती है, तो मन में एक साथ कई भावनाएं उमड़ती हैं। उत्साह, संकोच, जिम्मेदारी और भविष्य को लेकर एक अनोखी सी आशा आपको चहुंओर से घेर लेती हैं। शाहजहांपुर के एक प्रतिष्ठित महाविद्यालय में मेरा पहला दिन भी बिल्कुल ऐसा ही था। भावनाओं का सुंदर संगम, नए माहौल का स्पर्श और सीखने के असीमित अवसरों का आरंभ।

यद्यपि सुबह से ही मन में हल्की-सी घबराहट थी, किंतु उस घबराहट पर मेरी उत्सुकता भारी पड़ रही थी। मैंने अलमारी से सलीकेदार औपचारिक पोशाक चुनी, आईने में एक नजर खुद को देखा और मन ही मन कहा, "आज से जीवन का एक नया अध्याय शुरू हो रहा है।"

महाविद्यालय पहुंचने तक मन में कई सवाल थे- कैसा वातावरण होगा? सहकर्मी कैसे होंगे? विद्यार्थी कैसा व्यवहार करेंगे? और सबसे महत्वपूर्ण यह कि क्या मैं अपनी भूमिका को उतनी ही कुशलता से निभा पाऊंगा, जितनी अपेक्षा संस्था मुझसे करती है? इन सब चिंताओं के बावजूद मेरे भीतर एक सकारात्मक ऊर्जा थी, जो कदमों को आगे बढ़ाते हुए आश्वस्त कर रही थी कि सब कुछ अच्छा होगा।

महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर कदम रखते ही परिसर की साफ-सुथरी हरियाली, बेमिसाल स्वच्छता, भवनों की सादगीपूर्ण भव्यता और विद्यार्थियों की हलचल ने मेरे मन में एक अद्भुत रोमांच एवं आत्मीयता का भाव जगा दिया। ऐसा लग रहा था मानो यह जगह मेरे इंतजार में ही थी। कुछ छात्र बड़ी विनम्रता से मुस्कुराकर मेरा अभिवादन कर चुके थे। यह छोटा-सा व्यवहार मेरे भीतर के तनाव को थोड़ा कम कर गया। प्रशासनिक भवन के अंदर स्टाफ रूम तक पहुंचने पर वहां पहले से उपस्थित शिक्षकों ने बड़े स्नेह से मेरा स्वागत किया। खास बात तो यह थी कि मेरे विभाग में उस समय कोई शिक्षक कार्यरत नहीं था, लिहाजा मुझे नियुक्ति के साथ ही विभाग का विभागाध्यक्ष बनने का सुअवसर प्राप्त हुआ। साथी शिक्षकों से परिचय भी एक आत्मीय संवाद की तरह था। हर कोई अपने अनुभव साझा करने को उत्सुक और मुझे सहज महसूस कराने को तत्पर। वातावरण में न तो औपचारिकता का बोझ था और न ही प्रतिस्पर्धा की कठोरता, था तो बस एक सहयोगी भाव, जो किसी भी नए व्यक्ति के लिए सबसे बड़ी ताकत होता है।

फिर आया वह क्षण, जिसका सबसे अधिक इंतजार था-पहली कक्षा लेने का। हाथ में चाक और उपस्थिति रजिस्टर लिए जब मैं कक्षा में पहुंचा, तो लगभग अस्सी छात्रों की निगाहें मेरी ओर उठीं। यह क्षण अत्यंत भावुक और चुनौतीपूर्ण था। उनके लिए मैं एक नया शिक्षक था और मेरे लिए वे भविष्य के निर्माण की जिम्मेदारी। मैंने मुस्कुराते हुए अभिवादन किया और छात्रों की आंखों में सम्मान के साथ-साथ उत्सुकता की चमक महसूस की। मैंने अपना संक्षिप्त परिचय दिया और उनसे भी अपने बारे में बताने को कहा। विद्यार्थियों की प्रतिक्रियाएं सुनकर यह समझ आ गया कि कक्षा में विविध पृष्ठभूमि, अलग-अलग विचार और सीखने की भिन्न गति वाले छात्र मौजूद हैं और इन्हीं के बीच मैं आने वाले दिनों में अपनी शिक्षण-यात्रा को आकार दूंगा।

व्याख्यान के दौरान छात्रों की उत्सुकता, प्रश्न पूछने की सहजता और ध्यान से सुनने का स्वभाव देखकर मन का सारा तनाव समाप्त हो गया। यह अनुभव किसी औपचारिक पाठ्य प्रस्तुति जैसा नहीं, बल्कि एक संवाद जैसा था, जहां ज्ञान का आदान-प्रदान दोनों तरफ से हो रहा था। कक्षा के अंत में जब छात्रों ने तालियों के साथ मेरा स्वागत किया, तो हृदय गर्व और कृतज्ञता से भर उठा। यही वह पल था, जिसने मुझे एहसास दिलाया कि शिक्षक की भूमिका केवल विषय पढ़ाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह छात्रों के जीवन में प्रेरणा, मार्गदर्शन और सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी बनती है।

पहली कक्षा के बाद विभाग में लौटते हुए कई शिक्षकों ने उत्सुकता से पूछा- 'पहले दिन का अनुभव कैसा रहा?' उनकी आत्मीयता ने दिन को और भी सुखद बना दिया। चाय की गरमा-गरम चुस्की के साथ जब हम शिक्षण-प्रक्रिया, विभागीय गतिविधियों और छात्रों की संभावनाओं पर बातचीत कर रहे थे, तब महसूस हुआ कि यह महाविद्यालय केवल एक संस्था नहीं, बल्कि एक जीवंत परिवार है, जिसे ज्ञान, सहयोग और सामूहिक प्रयत्नों ने एक सूत्र में बांध रखा है। दोपहर में मुझे प्राचार्य महोदय के साथ बैठक में शामिल होने का अवसर मिला। वहां वार्षिक गतिविधियों की रूपरेखा, अनुसंधान परियोजनाएं, छात्रों के अतिरिक्त विकास की योजनाएँ तथा नई शिक्षण तकनीकों पर चर्चा के साथ ही साथ मुझे कई नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं। यह देखकर मन अति प्रसन्न हुआ कि संस्था केवल औपचारिक शिक्षण तक सीमित नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति सजग और प्रतिबद्ध है। इस बैठक में मेरा सुझाव भी सुना गया, जिससे मेरा आत्मविश्वास और बढ़ गया।

दिन के अंत में जब मैं परिसर से बाहर निकला, तब पूरे दिन की स्मृतियां मेरे मन में चलचित्र की तरह चल रही थीं। महाविद्यालय का वह पहला दिन आज भी स्मृतियों में उज्जवल है और हमेशा रहेगा, एक प्रेरणा की तरह, एक विश्वास की तरह और एक नए आरंभ की तरह।

– शिशिर शुक्ला, शाहजहांपुर

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,712.37	26,186.45
बढ़त	447.05	152.70
प्रतिशत में	0.52	0.59

सोना 1,32,900 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,83,500 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 6 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2445, फॉर्चुन 13 किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1875, उजाला 1910, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2155, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2330, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4360, बहेड़ी 4320

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3000, मसूरी- 1200, बासमती- 6300, परमल- 1000

दाल दलहन : काला चना- 4200, साबुत चना दाल- 3900, मूंग साबुत- 6600, राजमा- 9400-12000, दाल उड़द- 7000, साबुत मसूर दाल- 4200, मसूर दाल- 3400, उड़द साबुत- 5400, काबुली चना- 9700, अरहर दाल- 10200, लोबिया/करमानी- 2200

महंगाई नरम रही तो रेपो दर भी कम होगी, 0.2% सही स्तर नहीं : मल्होत्रा

आरबीआई के गवर्नर ने कहा - आगे चलकर हम महंगाई में गिरावट की उम्मीद कर रहे हैं

मुंबई, एजेंसी

आगे बढ़ाने पर होगा जोर, जमा दरों में नरमी का अनुमान : गवर्नर

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि जब तक महंगाई नरम रहती है, तब तक नीतिगत रेपो दर कम ही रहेगी। आरबीआई ने शुक्रवार को रेपो दर में 0.25% की कटौती कर इसे 5.25% कर दिया। इस फैसले की घोषणा के बाद आरबीआई मुख्यालय में मल्होत्रा ने उक्त बात कही।

उन्होंने यह नहीं बताया कि रेपो दर कितनी और नीचे जा सकती है, लेकिन कहा कि आरबीआई के महंगाई अनुमान नरम ही दिखा रहे हैं। मल्होत्रा ने कहा कि आगे चलकर हम नरम महंगाई की उम्मीद कर रहे हैं। अगर महंगाई इसी तरह रहती है तो हम उम्मीद करते हैं कि नीतिगत दरें ऊंची नहीं, बल्कि कम ही रहेंगी। आगे आरबीआई पूरी तरह आंकड़ों पर आधारित रहेगा और अगली नीति समीक्षाओं में छह सदस्यीय दर निर्धारण समिति क्या फैसला लेगी, इसके बारे में अभी कुछ कहना अटकलबाजी होगी। हाल में जितनी कम महंगाई (0.2%) दिख रही है, क्या भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए वह सही है, तो मल्होत्रा ने कहा कि निश्चित रूप से नहीं। 0.2% महंगाई का सही स्तर नहीं है। हमारा लक्ष्य चार प्रतिशत है। हम उसी तरह की महंगाई हासिल करने की कोशिश करते हैं। हालांकि गवर्नर ने सलाह दी कि इस बहुत कम महंगाई के आंकड़े को बहुत गंभीरता से न लीजिए, क्योंकि कई कारक इसे प्रभावित करते हैं और इसमें उतार-चढ़ाव या अस्थिरता आ सकती है।

उन्होंने कहा कि ऊंचा तुलनात्मक आधार (पिछले साल ऊंचे खाद्य मूल्य) के कारण महंगाई कम दिख रही है। वृद्धि के बारे में उन्होंने कहा कि 2025-26 की पहली छमाही की तुलना में दूसरी छमाही में नरमी का अनुमान है।

मुंबई। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक का जोर अब इस बात पर होगा कि रेपो दर में कटौती का लाभ बैंकों से कर्ज लेने वालों को मिले। उन्होंने कहा कि आगे जमा दरों में नरमी आने का अनुमान है और लोगों से अपील की कि वे बचत के लिए धन जमा करते समय चालू ब्याज दर के बजाय वास्तविक ब्याज दर को देखें, जो अभी काफी ऊंची है। उन्होंने कहा कि अब हमें मौद्रिक नीति का लाभ आगे पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित करना है। इस साल आरबीआई ने प्रमुख ब्याज दर में कुल 1.25 प्रतिशत की कमी की है। आरबीआई को उम्मीद है कि जमा दरें और नीचे आएंगी। हम उम्मीद करते हैं कि आगे चलकर, खासकर इस कटौती के बाद, जमा दरें कुछ हद तक और कम होंगी। मल्होत्रा ने कहा कि कम महंगाई से जमा करने वाले को वास्तविक लाभ ज्यादा होता है, क्योंकि महंगाई का घटक बहुत कम है। उन्होंने कहा कि जब महंगाई इतनी कम है और आगे भी कम रहेगी, तो भले ही ब्याज दर कम लगे, लेकिन महंगाई के मुकाबले ब्याज दरें काफी ऊंची हैं।

आरबीआई ने मुद्रास्फीति अनुमान घटाकर किया 2%

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति अनुमान को 2.6 से घटाकर दो प्रतिशत कर दिया है। मुद्रास्फीति के लक्ष्य को लेकर 2016 में लचीली व्यवस्था अपनाये जाने के बाद पहली बार हेडलाइन (खुदरा) मुद्रास्फीति 2025-26 की दूसरी तिमाही में औसतन 1.7 प्रतिशत रही। यह आरबीआई को दिये लक्ष्य के निचले स्तर दो प्रतिशत से भी कम है। आरबीआई को दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ मुद्रास्फीति चार प्रतिशत (दो से 6%) रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है। यह अक्टूबर 2025 में और भी घटकर केवल 0.3 प्रतिशत पर आ गई जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा ने कहा कि मुद्रास्फीति में अनुमान से अधिक तेजी से गिरावट खाद्य कीमतों में सुधार से आई।

रुपये का लक्षित स्तर या दायरा नहीं

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये के लिए कोई लक्षित स्तर या दायरा नहीं रखता है और घरेलू मुद्रा को खुद ही अपना ''सही स्तर'' खोजने की अनुमति देता है। मल्होत्रा का यह बयान ऐसे समय में आया है जब रुपया इसी हफ्ते अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर को पार कर अपने सबसे निचले भाव पर पहुंच गया। गुरुवार को इसने 90.43 रुपये प्रति डॉलर का रिकॉर्ड निचला स्तर छुआ था। मल्होत्रा ने कहा कि हम रुपये के लिए मूल्य का कोई स्तर या दायरा नहीं रखते हैं।

शिकायतों के समाधान को चलेगा अभियान

भारतीय रिजर्व बैंक लोकपाल के पास एक महीने से अधिक समय से लंबित सभी शिकायतों के समाधान के लिए जनवरी से दो महीने का अभियान शुरू करेगा। आरबीआई लोकपाल के पास बड़ी संख्या में शिकायतें प्राप्त होने के परिणामस्वरूप लंबित मामलों की संख्या में वृद्धि के साथ यह कदम उठाया गया है। आरबीआई लोकपाल योजना बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों समेत वित्तीय संस्थानों की सेवाओं में कमी से संबंधित शिकायतों का समाधान करने में मदद करती है।

एक लाख करोड़ की प्रतिभूतियों का खरीद

आरबीआई ने बैंकों एवं गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) में पर्याप्त नकदी बनाए रखने के लिए इस महीने खुला बाजार परिचालन (ओएमओ) के तहत एक लाख करोड़ की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद करने का निर्णय लिया। केंद्रीय बैंक इस माह 5 अरब डॉलर की तीन-वर्षीय डॉलर/रुपया खरीद-बिक्री अदला-बदली करेगा। इनसे 15 दिसंबर को देय अग्रिम कर भुगतान की किस्त के लिए बैंकिंग प्रणाली के व्यय से नकदी संकट कम करने में मदद मिलेगी।

यूपीआई को मंजूरी के लिए आठ अन्य देशों से बातचीत जारी : वित्तीय सेवा सचिव

- **भूटान, सिंगापुर, कतर, मॉरीशस, नेपाल, यूएई, श्रीलंका और फ्रांस में हो रहा उपयोग**

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय वित्त सेवा सचिव एम. नागराजू ने शुक्रवार को कहा कि भारत अपने डिजिटल भुगतान मंच यूपीआई को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य बनाने के लिए आठ देशों के साथ बातचीत कर रहा है। फिलहाल भारत की लोकप्रिय भुगतान प्रणाली यूपीआई को आठ देशों में स्वीकार्य किया गया है। इनमें भूटान, सिंगापुर, कतर, मॉरीशस, नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), श्रीलंका और फ्रांस शामिल हैं। इससे भारतीय पर्यटक विदेशों में लेन-देन के लिए यूपीआई का इस्तेमाल कर सकते हैं।

नागराजू ने कहा कि हम अब यूपीआई लेनदेन को संभव बनाने के लिए सात-आठ देशों से बातचीत कर रहे हैं जिनमें पूर्वी एशिया के कई देश शामिल हैं। उन्होंने बताया कि भारत कुछ देशों के साथ व्यापार वार्ताओं के दौरान यूपीआई को भी शामिल कर रहा है। नागराजू ने कहा कि कुछ देशों के साथ जिन व्यापार वार्ताओं को हम आगे बढ़ा रहे हैं, उनमें यूपीआई का भी एक पहलू रखने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि इस क्षेत्र में गहराई से शामिल वित्तीय-प्रौद्योगिकी उद्योग भी इसमें अपनी भूमिका निभा सके। उन्होंने कहा कि भारत को लागत और पैमाने के स्तर पर बढ़त हासिल है और इस लाभ का उपयोग देश के हित में करना चाहता है।

समस्याओं के लिए एआई समाधान बनाएं कंपनियां

नई दिल्ली। आईटी और आईटी आधारित सेवा (आईटीईएस) कंपनियों को विभिन्न क्षेत्रों की खास समस्याओं के लिए एआई आधारित समाधान बनाने चाहिए। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस कृष्णन ने शुक्रवार को कहा कि ऐसा करने से नई नौकरियां पैदा होने की संभावना है। नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्मार्ट गवर्नमेंट (एनआईएसजी) के सम्मेलन में उन्होंने कहा कि लोग सोच सकते हैं कि बड़ी कंप्यूट सुविधाओं की कमी से भारत एआई के बड़े मॉडल बनाने की दौड़ में पीछे रह गया है, लेकिन भारत एआई मॉडल के जरिये आम लोगों की जरूरतों के समाधान बनाकर बढ़त हासिल कर सकता है।

जीडीपी में सहकारिता की हिस्सेदारी करेंगे तीन गुना

गांधीनगर, एजेंसी

- **शाह ने कहा- निश्चित रणनीति के तहत 50 करोड़ सहकारी सदस्य बनाने का लक्ष्य**
- **गांधीनगर के महात्मा मंदिर सम्मेलन केंद्र में आयोजित अर्थ समिट को किया संबोधित**

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि अपनी 'निश्चित रणनीति' के तहत सरकार का लक्ष्य अगले कुछ वर्षों में देश की जीडीपी में सहकारिता क्षेत्र के योगदान को तीन गुना करना और 50 करोड़ से ज्यादा सक्रिय सहकारी सदस्य बनाना है।

शाह ने गांधीनगर के ''महात्मा मंदिर'' सम्मेलन केंद्र में आयोजित 'अर्थ समिट' को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने वर्ष 2030 तक वैश्विक जैविक बाजार में भारत का हिस्सा 20 प्रतिशत और वर्ष 2035 तक 40 प्रतिशत तक बढ़ाने का भी लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि सरकार पूरे देश में सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करना चाहती है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार बनने के बाद ग्रामीण विकास, खेती, पशुपालन और सहकारिता क्षेत्र को देश के आर्थिक प्रणाली और पूरे विकास के ज़रूरी हिस्सों के तौर पर पहचाना गया। शाह ने कहा कि पूरी तरह से विकसित भारत के दृष्टिकोण में हर नागरिक की भलाई शामिल है, और उस लक्ष्य को पाने के लिए सहकारिता, खेती, पशुपालन और ग्रामीण विकास क्षेत्र पर ध्यान देना ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि एक निश्चित रणनीति के तहत, हमने तय किया है कि कुछ ही साल में हम हर पंचायत में एक सहकारिता संस्था बनाएंगे। हम 50 करोड़ से ज्यादा सक्रिय सहकारी सदस्य बनाएंगे और देश की जीडीपी में सहकारिता क्षेत्र के योगदान को तीन गुना करेंगे। उन्होंने कहा कि गुजरात में बनास डेयरी ने डेयरी सेक्टर में संसाधनों के अधिकतम इस्तेमाल वाली अर्थव्यवस्था का एक मॉडल बनाया है और वह मॉडल अब पूरे देश में इस्तेमाल के लिए उपलब्ध है।

प्राकृतिक खेती में किसानों के लिए बहुत संभावनाएं

शाह ने कहा कि अब सहकारिता मंत्रालय देश में गन्ना क्षेत्र के लिए भी ऐसा ही मॉडल तैयार करने पर काम कर रहा है। ताजा आंकड़े बताते हैं कि देश में 49 लाख किसान पहले ही प्राकृतिक खेती अपना चुके हैं और किसानों के लिए इसमें बहुत संभावनाएं हैं। शाह ने कहा कि भारत ऑर्गेनिक्स और अमूल के समर्थन से हम अंतरराष्ट्रीय स्तर के हिसाब से किसानों की ज़मीन और उपज के जैविक परीक्षण के लिए प्रयोगशालाओं की एक शृंखला बना रहे हैं। गेहूं और चावल जैसे करीब 40 जैविक उत्पाद पहले से ही ऑनलाइन बेचे जा रहे हैं। हमने एक लक्ष्य रखा है कि 2030 तक भारत का वैश्विक जैविक बाजार में 20 प्रतिशत से ज्यादा और 2035 तक 40 प्रतिशत से ज़्यादा हिस्सा होगा। इस मकसद के लिए हमने दो बहु-राज्य सहकारिता बनाए हैं। उनमें से एक किसानों से जैविक उत्पाद खरीदेगी, जबकि दूसरी उन्हें बेचेगी।

राष्ट्रीय

उपकर वाले विधेयक को लोस ने दी मंजूरी

वित्त मंत्री सीतारमण के पेश किए स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक को ध्वनिमत से दी गई स्वीकृति

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा ने पान मसाला पर उपकर लगाने के प्रावधान वाले विधेयक को शुक्रवार को मंजूरी दे दी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' पर हुई चर्चा का जवाब दिया, जिसके बाद सदन ने विभिन्न संशोधनों को खारिज करते हुए विधेयक को ध्वनिमत से स्वीकृति दी। वित्त मंत्री ने कहा कि यह किसी भी वित्त मंत्री की जिम्मेदारी होती है कि राजस्व बढ़ाया जाए ताकि विभिन्न क्षेत्रों में मांग को पूरा किया जा सके, लेकिन यहां एक सरकार है जिसने कर के दायरे को घटाया है। आयकर की सीमा में भारी छूट दी गई है और 12 लाख तक की आय पर कर देने की जरूरत नहीं है।

सीतारमण ने कहा कि जीएसटी में व्यापक बदलाव किया गया है ताकि चीजें किफायती हों। उनका कहना था कि आयकर की सीमा बढ़ाने से लोगों के हाथ में एक लाख करोड़ रुपये बचे हैं। क्या लोगों की बुनियादी जरूरत की वस्तु पर कर लगा रही हूं, बिल्कुल नहीं। सिर्फ हानिकारक वस्तुओं पर कर लगाया जा रहा है। मुझे लगता है कि शायद ही कोई सदस्य यह कहेगा कि पान मसाला की कीमत किफायती होनी चाहिए।

- **वित्त मंत्री ने कहा- शायद ही कोई यह कहेगा कि पान मसाला की कीमत किफायती होनी चाहिए**

विधेयक के दायरे में सिर्फ हानिकारक वस्तुएं ही

सीतारमण ने कहा कि यह भी सत्य है कि रक्षा और सड़क निर्माण के लिए पैसे की जरूरत होती है। सीतारमण ने कहा कि बोफोर्स मामले के बाद 30 साल तक तोप की खरीद नहीं की गई और स्थिति यह हुई कि इस अवधि में कई रक्षा मंत्री तो फैसले ही नहीं कर पाए। उन्होंने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय रक्षा साजो-समान की कथित तौर पर खरीद नहीं होने का उल्लेख भी किया। वित्त मंत्री का कहना था कि मैं इस विधेयक के दायरे में आटे को नहीं ला सकती, इसमें सिर्फ हानिकारक वस्तुएं ही लाई जा सकती हैं। उपकर कोई नई व्यवस्था नहीं है। 2014 से पहले चार उपकर का संग्रह था। सीतारमण ने कहा कि क्षतिपूर्ति उपकर के संग्रह से राज्यों का हिस्सा उन्हें भेजा गया है। उनका कहना था कि राजस्व संग्रह कैग की छानबीन के दायरे में आता है।

जीएसटी पर नहीं पड़ेगा विधेयक का असर

सीतारमण ने कहा था कि विधेयक का मकसद अतिरिक्त संसाधन जुटाना है तथा इससे मिलने वाले राजस्व का एक हिस्सा राज्यों के साथ साझा किया जाएगा। वित्त मंत्री ने सदन में विधेयक को चर्चा और पारित कराने के लिए रखते हुए यह भी कहा था कि इस विधेयक का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की व्यवस्था पर कोई असर नहीं पड़ेगा तथा पान मसाला के उपभोग पर 40 प्रतिशत की जीएसटी बरकरार रहेगी। 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' पान मसाला पर लगाए जाने वाले क्षतिपूर्ति उपकर की जगह लेगा।

पान मसाला का विज्ञापन करने वाले अभिनेताओं के लिया जाए पुरस्कार वापस

पान मसाला और गुटके को बढ़ावा देने के लिए विज्ञापन कर रहे अभिनेताओं को उनके बेहतर अभिनय के लिए मिले पुरस्कार वापस लेने की मांग शुक्रवार को लोकसभा में उठी। निचले सदन में गुजरात में शराबबंदी खत्म करने का मुद्दा भी उठाया गया। पान मसाला पर उपकर लगाने संबंधी स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक 2025 पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) के हनुमान बेनीवाल ने कहा कि किसी मामले में कानून बनाने से ज्यादा महत्वपूर्ण उस पर अमल करना होता है। बेनीवाल ने शाहरूख खान, अजय देवगन और सलमान खान जैसे अभिनेताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे अदाकार विज्ञापन के जरिये पान मसाला और गुटकों के सेवन को बढ़ावा देते हैं।

निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर मुस्लिम आरक्षण का लगाया आरोप

नई दिल्ली। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शुक्रवार को कांग्रेस पर 'मुस्लिम आरक्षण' को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया और कहा कि केंद्र सरकार को एक समिति बनाकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) के आरक्षण की सुरक्षा करनी चाहिए। उन्होंने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान यह विषय उठाया। निशिकांत दुबे ने कहा कि कांग्रेस का हाथ मुसलमानों के साथ है...उसने मुस्लिम समुदाय को पहले आंध्र प्रदेश में चार प्रतिशत आरक्षण दिया और अब वही तेलंगाना और कर्नाटक में किया। उनका कहना था कि केंद्र सरकार को एक समिति बनाकर आरक्षण बचाना चाहिए। शून्यकाल के दौरान भाजपा के बंटी विवेक साहू ने मध्य प्रदेश में कफ सीरप से बच्चों की मौत का विषय उठाया और कहा कि सरकार को दवाओं के विनिर्माण और परीक्षण के नियमों को सख्त बनाना चाहिए।

गत वर्ष सड़क हादसों में मौत के मामले बढ़कर 1.77 लाख : गडकरी

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को संसद को बताया कि भारत में सड़क दुर्घटना में मरने वालों की संख्या 2024 में 2.3 प्रतिशत बढ़कर 1.77 लाख से अधिक हो गई, जिसका अर्थ है कि हर दिन 485 लोगों की मौत सड़क हादसों में हुई। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि फरवरी 2020 में सड़क सुरक्षा पर तीसरे वैश्विक मंत्री स्तरीय सम्मेलन में अपनाए गए 'सड़क सुरक्षा पर स्टॉकहोम घोषणापत्र' में 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों और चोटों को 50 प्रतिशत तक कम करने का एक नया वैश्विक लक्ष्य रखा गया है।

रिलायंस की और 1,120 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

नई दिल्ली। ईडी ने रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी की कंपनियों के खिलाफ धनशोधन मामले की जांच के तहत और 1,120 करोड़ की संपत्तियां कुर्क की हैं। अधिकारियों ने कहा कि रिलायंस समूह की कुल 10,117 करोड़ की संपत्तियां अब तक कुर्क की जा चुकी हैं।

- **ईडी ने कहा- अब तक कुल 10,117 करोड़ की संपत्तियां की जा चुकी हैं कुर्क**

अधिकारियों ने बताया कि मुंबई के बैलार्ड एस्टेट में स्थित रिलायंस अनिल अंबानी समूह के रिलायंस सेंटर समेत 18 संपत्तियों, सावधि जमा और गुपचुप निवेश से जुड़े शेयरों को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अस्थायी रूप से कुर्क किया गया है। उन्होंने कहा कि रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की सात अन्य संपत्तियों, रिलायंस पावर लिमिटेड की दो संपत्तियों, रिलायंस वैल्यू सर्विस प्राइवेट लिमिटेड की नौ संपत्तियों, रिलायंस वैल्यू सर्विस प्राइवेट लिमिटेड, रिलायंस वेंचर एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, फी मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, आधार प्रॉपर्टी कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड और गेमसा इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर सावधि जमा के साथ-साथ रिलायंस वेंचर एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड और फी मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किए गए गुपचुप निवेश को कुर्क कर लिया गया है।

वक्फ पंजीकरण की समयसीमा नहीं बढ़ेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने 'उम्मीद' पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण की समयसीमा बढ़ाने की संभावना से शुक्रवार को इन्कार करते हुए कहा कि उन मुत्तवलियों (वक्फ का देखभाल करने वाले) को तीन महीने तक जुर्माने और किसी कठोर सजा से राहत दी जाएगी, जो पंजीकरण का प्रयास करते हुए सफल नहीं हो सके।

उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह तक 1.51 लाख संपत्तियों का पंजीकरण हो चुका था। मंत्री का कहना था कि जो लोग पंजीकरण नहीं कर पाए हैं वो वक्फ न्यायाधिकरण का रुख कर सकते हैं। केंद्र ने सभी वक्फ संपत्तियों की 'जियो-टैगिंग' के बाद एक डिजिटल सूची बनाने के लिए बीते छह जून को एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास (उम्मीद) अधिनियम केंद्रीय पोर्टल शुरू किया था। 'उम्मीद' के प्रावधान के अनुसार, देश भर में सभी पंजीकृत वक्फ संपत्तियों का विवरण अनिवार्य रूप से छह महीने के भीतर अपलोड किया जाना है। पंजीकरण के लिए छह महीने की मियाद शुक्रवार को खत्म हो रही है।

- **केंद्रीय मंत्री रीजीजू ने कहा- पंजीकरण का प्रयास करने वाले मुत्तवलियों को दी जाएगी राहत**

पंजीकरण को दी गई थी छह माह की अवधि

रीजीजू ने कहा कि वक्फ कानून बनाने के बाद हमने उम्मीद पोर्टल शुरू किया था और सभी वक्फ संपत्तियों को पोर्टल पर पंजीकृत करने के लिए संबंधित पक्षों को छह महीने की अवधि दी गई थी। आज आखिरी दिन है और अब भी लाखों संपत्तियों का पंजीकरण नहीं हो सका है। कई सांसदों और सामाजिक संगठनों के लोगों ने पोर्टल की मियाद बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि अब तक उम्मीद पोर्टल पर 1.51 लाख वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण हुआ है। मंत्री ने कहा कि मैं उन भी मुतवल्लियों को आश्वस्त करता हूं कि अगले तीन महीनों तक कोई जुर्माना नहीं लगाएंगे या कोई सख्त कार्रवाई नहीं करेंगे जिन्होंने पंजीकरण की कोशिश की, किसी कारणवश पंजीकरण नहीं हो सका।

कर्नाटक में हिजाब और भगवा शॉल को लेकर फिर विवाद

हावेरी। कर्नाटक के हावेरी जिले के कॉलेज में विद्यार्थियों के कुछ ग्रुप हिजाब और भगवा शॉल के साथ कक्षा में पहुंचे, जिसके कारण कॉलेज परिसर में तनाव उत्पन्न हो गया। अक्की अलूर गांव स्थित सीजी बेल्लाड सरकारी कॉलेज की इस घटना ने कर्नाटक के शैक्षणिक संस्थानों ड्रेस-कोड पर बहस को फिर से सुर्खियों में ला दिया है।

विद्यार्थियों का समूह गुरुवार को ये शिकायत करते हुए भगवा शॉल के साथ कक्षा में पहुंचा था कि वे कॉलेज प्रशासन द्वारा पोषाक के नियमों को लागू करने में कथित विफलता के खिलाफ आवाज उठाना चाहते थे। विद्यार्थियों ने कहा कि उन्होंने बार-बार शिकायत की थी।

मंदिर का पैसा अराध्य का, सहकारी बैंक को बचाने के लिए नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए टिप्पणी की कि किसी मंदिर के अराध्य के धन का उपयोग वित्तीय संकटग्रस्त सहकारी बैंकों को सहारा देने के लिए नहीं किया जा सकता। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने यह कड़ी टिप्पणियां कुछ सहकारी बैंकों द्वारा दायर अपील पर सुनवाई के दौरान कीं। सुप्रीम कोर्ट ने केरल हाईकोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

अपील में केरल हाईकोर्ट के उस निर्देश को चुनौती दी गई थी, जिसमें बैंकों से थिरुनेल्ली मंदिर देवास्वोम को जमा राशि लौटाने को कहा गया था। प्रधान न्यायाधीश ने सवाल किया, आप मंदिर के धन का उपयोग बैंक को बचाने के लिए करना चाहते हैं? यह निर्देश देने में क्या गलत है कि मंदिर का धन, संकट ग्रस्त सहकारी बैंक में रखने के बजाय राष्ट्रीयकृत बैंक में जमा किया जाना चाहिए जो अधिकतम ब्याज दे सके। पीठ ने कहा कि मंदिर का धन अराध्य का है और इसको मंदिर के हितों, संरक्षित के लिए उपयोग किया जाना चाहिए तथा यह किसी सहकारी बैंक के लिए आय या जीवनयापन का स्रोत नहीं बन सकता।

- **कुछ सहकारी बैंकों की याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी**

न्यायपालिका में एआई के उपयोग पर सुनवाई से इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक प्रणाली में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग के अनियमित उपयोग को रोकने से संबंधित जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई से शुक्रवार को इन्कार कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह न्यायपालिका में एआई और मशीन लर्निंग उपकरणों के दुष्प्रभावों से अवगत है, लेकिन इन मुद्दों का समाधान न्यायिक निर्देशों के बजाय प्रशासनिक स्तर पर अधिक उपयुक्त रूप से किया जा सकता है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता अनुपम लाल दास की दलील सुनी, जो याचिकाकर्ता कार्तिकेय रावल की ओर से पेश हुए थे।

कुलपतियों की नियुक्त पर बनाएं सहमति

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केरल में दो विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के चयन को लेकर अगर मुख्यमंत्री पिनराई विजयन व राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर के बीच सहमति नहीं बन पाती है तो वह समाधान के लिए हस्तक्षेप करेगा। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और पीबी वराले की पीठ एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विवि और डिजिटल विज्ञान नवाचार एवं प्रौद्योगिकी विवि के कुलपतियों की नियुक्ति पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने राज्यपाल के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि और मुख्यमंत्री के अधिवक्ता जयदीप गुप्ता को गतिरोध समाप्त करने को समाधान खोजने का निर्देश दिया।

वर्ल्ड ब्रीफ

एअर एंबुलेंस नहीं पहुंची, अब बीमार जिया कल जाएंगी लंदन

ढाका। गंभीर रूप से बीमार बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की उपचार के वास्ते लंदन रवानगी रविवार तक के लिए टल गई है। कतर की पेशकश वाली 'एअर एंबुलेंस' के यहां नहीं पहुंच पाने के कारण यह देरी हुई है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की 80 वर्षीय प्रमुख जिया को 23 नवंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और वह बृहस्पतिवार देर रात या शुक्रवार तड़के लंदन रवाना होने वाली थीं। बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने कहा, 'अगर सब कुछ ठीक रहा तो एअर एम्बुलेंस कल शनिवार पहुंचने की संभावना है। यदि मैडम का मेडिकल बोर्ड इसकी मंजूरी देता है तो इंशाअल्लाह वह रविवार को लंदन के लिए उड़ान भरेंगी।

इजराइल ने थाईलैंड को वायु रक्षा प्रणाली देने की घोषणा की

यरूशलम। इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आईएआई) ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि वह रॉयल थाई वायु सेना को एक एडवांस्ड वायु रक्षा प्रणाली की आपूर्ति करेगी। बयान में वायु रक्षा प्रणाली की रकम और आपूर्ति की तारीख का कोई उल्लेख नहीं किया गया है लेकिन इजराइली मीडिया की मानें तो यह पूरी डील लगभग 107 मिलियन अमेरिकी डॉलर की है। आईएआई ने बताया कि उसका बराक एमएक्स इंटीग्रेटेड एयर- और मिसाइल-डिफेंस सिस्टम थाईलैंड को पहली मीडियम-रेंज एयर-डिफेंस क्षमता देगा, जो बैलिस्टिक और हवाई दोनों तरह के खतरों से पूरी सुरक्षा देगा। यह प्रणाली थाई एयरस्पेस को ड्रोन, फाइटर जेट, क्रूज मिसाइलों और 150 किलोमीटर तक की रेंज वाली मिसाइलों से बचाएगी।

अमेरिका : पुतिन के करीबी से जुड़ी कंपनी पर 71 लाख डॉलर जुर्माना

वाशिंगटन। अमेरिका के वित्त विभाग ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीबी उद्योगपति ओलेग देरिपस्का की आलीशान रियल एस्टेट संपत्तियों का प्रबंधन करके पाबंदियों का उल्लंघन करने के आरोप में न्यूयॉर्क में स्थित एक कंपनी पर 71 लाख डॉलर का जुर्माना लगाया है। वित्त विभाग के विदेशी संपत्तियां नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) ने कहा कि ग्रेसटाउन इंक नामक संपत्ति प्रबंधन कंपनी को देरिपस्का के स्वामित्व वाली एक कंपनी की ओर से अप्रैल 2018 से मई 2024 के बीच 24 बार भुगतान के जरिए कुल 31,250 अमेरिकी डॉलर की राशि हासिल हुई। ओएफएसी ने कहा कि उसने ग्रेसटाउन को नोटिस जारी कर कहा था कि देरिपस्का के साथ लेनदेन पर प्रतिबंध है, लेकिन कंपनी लेनदेन करती रही।

पाकिस्तान: हिंदू छात्राओं को धमकी पढ़ना है तो इस्लाम धर्म अपनाओ

करांची, एजेंसी

- छात्राओं के अभिभावकों ने लगाया आरोप, सरकार के शिक्षा मंत्री ने दिया जांच का आदेश

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में कुछ हिंदू स्कूली छात्राओं पर पढ़ाई जारी रखने के लिए इस्लाम धर्म अपनाने के लिए दबाव डाला गया और उन्हें स्कूल में कलमा पढ़ने के लिए मजबूर किया गया। छात्राओं के अभिभावकों की ओर से जताए गए विरोध के बाद मामला मीडिया के जरिए जानकारी में आने पर सरकार ने जांच के आदेश दिए हैं।

नवंबर के अंत में, सिंध के मिरपुर साक्रो में स्थित सरकारी उच्च विद्यालय की कुछ हिंदू छात्राओं के माता-पिता ने मीडिया को बताया था कि स्कूल की प्रधानाध्यापिका ने हिंदू छात्राओं से कहा था कि वे अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए इस्लाम धर्म अपना लें। माता-पिता ने आरोप लगाया कि हिंदू छात्राओं को कलमा पढ़ने के लिए मजबूर किया गया और उनके धर्म का मजाक उड़ाया गया। इस आरोप के बाद आक्रोश फैल गया। माता-पिता ने यह दावा भी किया कि इस्लाम धर्म अपनाने या कलमा पढ़ने से इन्कार करने पर कुछ छात्राओं को उनके घर लौटा दिया गया। धार्मिक मामलों के राज्य मंत्री खीसो मल खील दास ने बृहस्पतिवार को संसद के उच्च सदन सीनेट को बताया कि प्रांतीय शिक्षा मंत्री ने इस मामले की जांच का आदेश दिया है।

भारत के लिए नए भविष्य की उम्मीद

अमेरिका के साथ लगातार कटु होते संबंधों और व्यापार तनाव के बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान कई प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। व्यापार, ऊर्जा, रक्षा और संचार के क्षेत्रों में किए गए इन समझौतों का उद्देश्य भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार को सौ बिलियन डॉलर तक ले जाना और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना है। भारत ने इन समझौतों के साथ पश्चिमी देशों को अपनी रणनीतिक स्वायत्तता का स्पष्ट संदेश तो दिया ही है, अपने सुदृढ़ भविष्य के लिए एक नया मार्ग भी प्रशस्त किया है। माना जा रहा है कि भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देते हुए एक जटिल संतुलन बनाने की कोशिश की है, इससे अमेरिका से संबंधों पर तो कुछ असर पड़ सकता है, लेकिन भारत की स्वतंत्र विदेश नीति को इससे मजबूती मिलेगी।

रूस के साथ समझौते

2030 तक आर्थिक सहयोग कार्यक्रम

भारत-रूस का 2030 तक व्यापार-निवेश का विस्तार के लिए महत्वाकांक्षी कार्यक्रम, लक्ष्य व्यापार को 100 बिलियन डॉलर तक पहुंचाना।

भारत के लिए परिणाम

- भारत का लक्ष्य रूस को फार्मास्यूटिकल्स, कृषि उत्पाद और मशीनरी का निर्यात बढ़ाकर व्यापार असंतुलन को कम करना है।
- द्विपक्षीय बस्तियों की प्रणाली विकसित करने से अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम होगी, प्रतिबंधों के प्रभाव से बचा जा सकेगा।
- महत्वपूर्ण खनिजों, उर्वरकों और अन्य आवश्यक वस्तुओं के लिए भारत की आपूर्ति शृंखलाओं में विविधता लाने में मदद मिलेगी।

रक्षा-सैन्य तकनीकी सहयोग

रक्षा संबंधों को नया रूप देने पर सहमति, लॉजिस्टिक सपोर्ट का पारस्परिक आदान-प्रदान भी शामिल।

भारत के लिए परिणाम

- युद्धपोतों, सैन्य विमानों को एक-दूसरे के बंदरगाहों व सैन्य सुविधाओं तक पहुंच, परिचालन पहुंच बढ़ेगी।
- रक्षा उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की सुविधा इससे भारत की रक्षा विनिर्माण क्षमता मजबूत होगी।
- भारत को सोवियतयुग के सैन्य हार्डवेयर को उन्नत रूसी प्रौद्योगिकी के साथ आधुनिक बनाने में मदद मिलेगी।
- रूस से मजबूत रक्षा संबंध पश्चिमी देशों के दबाव के बाद भी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखने में मदद करेंगे।

ऊर्जा भागीदारी, परमाणु सहयोग

भारत को तेल, गैस और कोयले की निर्बाध आपूर्ति का आश्वासन, कुडनकुलम की शेष इकाइयों के निर्माण और नए परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थलों पर चर्चा में प्रगति।

भारत के लिए परिणाम

- रूस से निरंतर ऊर्जा आपूर्ति भारत की बढ़ती अर्थ व्यवस्था के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करती है।
- परमाणु ऊर्जा सहयोग से भारत को अपने स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने में काफी मदद मिलेगी।

कनेक्टिविटी, मोबिलिटी

अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारे समेत परिवहन गलियारों में सहयोग।

भारत के लिए परिणाम

- मध्य एशिया और यूरोप के लिए एक छोटा और सस्ता व्यापार मार्ग मिलने से भारतीय निर्यातकों को लाभ।
- ये गलियारे भारत की पहुंच को यूरेशिया तक बढ़ाते हैं, जिससे क्षेत्रीय संपर्क और प्रभाव में वृद्धि होती है।
- भारतीय श्रमिकों, रूसी पर्यटकों की यात्रा को आसान बनाएंगे, सांस्कृतिक-व्यक्तिगत संबंध मजबूत होंगे।

अमेरिका के नजरिए से...

समझौते दर्शाते हैं कि भारत अमेरिकी दबाव के बावजूद रूस के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत ने रूस से ऊर्जा आयात बढ़ाना जारी रखा है और रुपये-रूबल व्यापार तंत्र को परिष्कृत कर रहा है, जो अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने का एक तरीका है।

गांधी की समाधि पर पुतिन नतमस्तक अहिंसा व सच्चाई के लिए किया याद

लिखा- नई, निष्पक्ष और बहुध्रुवीय दुनिया के सिद्धांत का प्रभाव आज भी कायम

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत यात्रा पर आए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को राजघाट जाकर महात्मा गांधी की समाधि पर शीश नवाया और उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके साथ रूसी राष्ट्रपति ने बापू की समाधि की परिक्रमा भी की। उन्होंने भारत की आजादी के सर्वोच्च नायक को अहिंसा और सच्चाई के लिए याद किया और उनकी समाधिक पर पुष्पचक्र चढ़ाने के साथ उनके प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की।

पुतिन ने राजघाट पर रखी स्मारिका में रूसी भाषा में लिखा, महात्मा गांधी ने अहिंसा और सच्चाई के जरिए हमारी धरती पर शांति के लिए एक अनमोल योगदान दिया, जिसका प्रभाव आज भी कायम है। उन्होंने लिखा कि महात्मा गांधी ने एक नई, ज्यादा निष्पक्ष और बहुध्रुवीय दुनिया की व्यवस्था का रास्ता दिखाया, जो अब बन रही है। रूस के राष्ट्रपति ने स्मारिका में लिखा, समानता, आपसी सम्मान और सहयोग पर अपनी शिक्षाओं में आज भी भारत दुनिया के लोगों के साथ मिलकर और अंतरराष्ट्रीय मंच पर इन्हीं सिद्धांतों और मूल्यों की रक्षा करता है। उन्होंने यह भी लिखा, रूस भी ऐसा ही करता है।

राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे पुतिन।

राष्ट्रपति भवन में पुतिन का किया गया औपचारिक स्वागत

नई दिल्ली। भारत की यात्रा पर आए रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन का प्रधानमंत्री मोदी के साथ होने वाली शिखर वार्ता से पहले शुक्रवार सुबह राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पुतिन ने एक-दूसरे का अपने-अपने देश के गणमान्य व्यक्तियों से परिचय कराया। पुतिन ने सलामी गारद का भी निरीक्षण किया। गुरुवार शाम यहां पहुंचे पुतिन का खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पालम हवाई अड्डे पर पहुंचकर गले लगकर स्वागत किया था। हवाईअड्डे से दोनों नेता मोदी के सरकारी आवास तक एक ही कार में गए, जहां निजी रात्रिभोज का आयोजन किया गया था।

रूसी राष्ट्रपति ने मोदी से कहा- मुझे आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद

- अपने भारत दौरे के सकारात्मक नतीजा निकलने की उम्मीद जताई

नई दिल्ली। पुतिन ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान उन्हें भारत आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री के साथ बैठक के दौरान पुतिन ने कहा, प्रिय प्रधानमंत्री, प्रिय दोस्तों, सबसे पहले निमंत्रण और कल की बहुत अच्छी शाम के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

यूक्रेन मुद्दे पर शांति के प्रति रूस की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए पुतिन ने विश्वास जताया कि भारत में उनके इस दौरे के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। उन्होंने रूस और भारत के बीच गहरे संबंधों का उल्लेख करते हुए यूक्रेनी मुद्दे को हल करने में मदद के लिए मोदी के प्रयासों की सराहना की। साथ ही शांतिपूर्ण समाधान के संबंध में रूस और अमेरिका की कार्रवाइयों के बारे में भी सूचित करते हुए कूटनीति और बातचीत का उल्लेख किया।

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पुतिन की यह पहली भारत यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब दोनों देश तेजी से जटिल होते भू-राजनीतिक परिदृश्य से गुजर रहे हैं। रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के दबाव में है और भारत रूस के साथ ऐतिहासिक संबंधों को संतुलित करते हुए अमेरिका के साथ मजबूत संबंध बनाए रखने के लिए काम कर रहा है।

मीडिया पर प्रतिबंध के खिलाफ न्यूयॉर्क टाइम्स ने पेंटागन पर ठोका मुकदमा

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी मीडिया हाउस 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने गुरुवार को अमेरिकी रक्षा विभाग के खिलाफ मीडिया पर लगाए गए प्रतिबंधात्मक नियमों को लेकर मुकदमा दायर किया है। अखबार का आरोप है कि मंत्रालय की यह नीति संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान के प्रथम संशोधन का उल्लंघन करती है। कोलंबिया के जिला न्यायालय में दायर इस मुकदमे में रक्षा विभाग, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता शॉन पार्नेल को प्रतिवादी बनाया गया है।

शिकायत में बताया गया है कि छह अक्टूबर को मंत्रालय ने पेंटागन फैसिलिटी अल्टरनेट क्रेडेंशियल्स पर एक नई नीति जारी की, जिसे पेंटागन बैज या बिल्डिंग पास भी कहा जाता है। यह नीति मंत्रालय के अधिकारियों को असीमित विवेक प्रदान करती है। इसके अंतर्गत वे वैध समाचार संकलन में शामिल पत्रकार की मान्यता को तुरंत निलंबित और अंततः रद्द तक कर सकते हैं। यह नियम पेंटागन परिसर के अंदर और बाहर दोनों जगह पत्रकारिता गतिविधियों पर लागू होता है, या यदि कोई पत्रकार ऐसी जानकारी प्रकाशित करता है जिसे विभाग के अधिकारियों ने मंजूरी नहीं दी है। शिकायत में कहा है, यह नीति पहले संशोधन का उल्लंघन करते हुए पत्रकारों की उस क्षमता को प्रतिबंधित करने का प्रयास करती है जो वे हमेशा करते आए हैं। यानी सरकारी कर्मचारियों से सवाल पूछना या ऐसी खबरों के लिए जानकारी जुटाना जो जनता को सिर्फ आधिकारिक घोषणाओं से परे ले जाएं।

- रक्षा मंत्री हेगसेथ, उनके प्रवक्ता समेत कई को बनाया प्रतिवादी

रक्षा मंत्री पर गोपनीय सैन्य योजना लीक करने का आरोप

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने यमन में हूती विद्रोहियों पर होने वाले सैन्य हमले से संबंधित संवेदनशील योजनाएं अपने निजी फोन से साझा करके अमेरिकी सैनिकों को जोखिम में डाल दिया। पेंटागन के महानिरीक्षक की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट में गैरअनुमोदित मैसेजिंग ऐप और उपकरणों के इस्तेमाल को लेकर भी उन पर सवाल उठाए गए हैं। महानिरीक्षक ने पाया कि हेगसेथ के पास 'सिग्नल चैट' नामक मैसेजिंग ऐप में साझा की गई जानकारी को 'डी-क्लासिफाई' यानी गोपनीय श्रेणी से हटाने का अधिकार था। रिपोर्ट में कहा गया है कि हूती विद्रोहियों पर होने वाले हमले का संवेदनशील विवरण जारी करना, पेंटागन के आंतरिक नियमों का उल्लंघन है।

मस्क के सोशल मीडिया मंच एक्स पर 12 करोड़ यूरो जुर्माना

लंदन। यूरोपीय संघ के नियामकों ने शुक्रवार को एलन मस्क के सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर डिजिटल नियमों का पालन न करने के लिए 12 करोड़ यूरो (लगभग 14 करोड़ डॉलर) का जुर्माना लगाया। यूरोपीय आयोग ने यह निर्णय दो साल पहले ''एक्स'' (पूर्व में ट्विटर) के खिलाफ शुरू की गई जांच के बाद लिया है। यह जांच 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ के डिजिटल सेवा अधिनियम (डीएसए) के तहत की गई थी। डीएसए एक व्यापक कानून है जो सोशल मीडिया और अन्य ऑनलाइन मंच से कहता है कि यूरोप के उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए वे ज्यादा जिम्मेदारी लें और अपनी साइट पर आने वाली हानिकारक या गैर-कानूनी सामग्री तथा उत्पादों को तुरंत हटाएं। अगर वे ऐसा नहीं करते तो बहुत भारी जुर्माना लग सकता है।

आयोग ने कहा कि वह सोशल मीडिया मंच एक्स को डीएसए की पारदर्शिता आवश्यकताओं के तीन अलग-अलग उल्लंघनों के कारण दंडित कर रहा है। नियामकों ने कहा कि 'एक्स' के नीले टिक निशान नियमों का उल्लंघन करते हैं क्योंकि उनका भ्रामक डिजाइन उपयोगकर्ताओं को धोखाधड़ी और गलत जानकारी के जोखिम में डाल सकता है।

पराजित देश के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाए जापान: चीन

बीजिंग। चीन ने जापान से द्वितीय विश्व युद्ध में पराजित देश के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने, युद्धोत्तर अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को चुनौती देना बंद करने तथा एशिया-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता को नुकसान पहुंचाने से बचने का आग्रह किया।

चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता जियांग बिन ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह टिप्पणी जापानी सरकार की ओर से रक्षा व्यय में वृद्धि को मंजूरी देने और फिलीपींस के साथ जापानी मिसाइल के निर्यात पर बातचीत करने के संदर्भ में की। जियांग बिन ने जापान की आलोचना करते हुए कहा कि हाल के वर्षों में जापान ने बार-बार अपने शांतिवादी संविधान के तहत दी गई प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन ,रक्षा बजट में भारी वृद्धि और घातक हथियारों के निर्यात को बढ़ावा दिया है तथा अपने तीन गैर-परमाणु सिद्धांतों में संशोधन करने का प्रयास किया है। कहा, जापान ने सैन्य विकास पर लगी पाबंदियों को तेजी से ढीला किया है, जिससे वहां सैन्यवाद के फिर उभरने का खतरा पैदा हो गया है।

विश्व कप, ओलंपिक और निवेशक वीजा आवेदनों को प्राथमिकता देगा अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी

- दुनिया भर में 400 अतिरिक्त कांसुलर अधिकारी तैनात किए

ट्रंप प्रशासन ने दुनिया भर में अमेरिकी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों को निर्देश दिया है कि वे उन विदेशियों के वीजा आवेदनों को प्राथमिकता दें जो अमेरिका में निवेश करना चाहते हैं या 2026 विश्व कप, 2028 ओलंपिक और अन्य प्रमुख खेल आयोजनों में भाग लेने आ रहे हैं। अमेरिका ने इसके साथ वीजा आवेदन संभालने के लिए दुनिया भर में 400 से अधिक अतिरिक्त कांसुलर अधिकारी भी तैनात किए हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार, अमेरिका में महत्वपूर्ण निवेश पर विचार कर रहे व्यापारियों और अमेरिकी उत्कृष्टता का प्रदर्शन करने वाले प्रमुख खेल आयोजनों में भाग लेने के लिए यात्रा करने वालों के वीजा आवेदन प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर होंगे। यह कदम अमेरिका में होने वाले बड़े खेल आयोजनों से पहले प्रशंसकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। नए निर्देशों के तहत, विश्व कप के प्रशंसकों के आवेदनों को सभी अन्य बी1/बी2 आवेदनों पर प्राथमिकता दी जाएगी। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बताया कि वीजा आवेदन संभालने के लिए दुनिया भर में 400 से अधिक अतिरिक्त कांसुलर अधिकारियों को तैनात किया गया है।

ट्रंप प्रशासन ने उच्च कौशल वाले विदेशी श्रमिकों के एच-1बी वीजा आवेदनों पर विचार के लिए नए मानदंड निर्धारित किए हैं। उन आवेदकों पर विशेष नजर रखने का निर्देश दिया गया है जो ऑनलाइन या अन्य माध्यमों से अमेरिकी नागरिकों की सेंसरशिप में शामिल या उसके लिए जिम्मेदार रहे हैं।

अमर्यादित भाषा: आप्रवासियों को कचरा कहने पर घिरे ट्रंप

न्यूयॉर्क। सोमालिया के आप्रवासियों को 'कचरा' कहने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान की काफी आलोचना हो रही है। मिनेसोटा राज्य के डेमोक्रेटिक पार्टी के गवर्नर टिम वाल्ज ने ट्रंप के बयान की निंदा करते हुए इसे भद्दा बताया।

वाल्ज ने बृहस्पतिवार को कहा कि ट्रंप ने मिनेसोटा के सभी निवासियों को बदनाम किया, जहां अमेरिका के दूसरे राज्यों की तुलना में सबसे अधिक सोमालियाई आप्रवासी रहते हैं। उन्होंने कहा कि सोमालियाई आप्रवासियों के प्रति ऐसी नफरत भरी टिप्पणियां पहले कभी किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने नहीं कीं। वाल्ज ने कहा, आज हमारे छोटे-छोटे बच्चे स्कूल जा रहे हैं, जबकि उनके ही राष्ट्रपति उन्हें कचरा कह रहे हैं। कई बुद्धिजीवियों ने भी ट्रंप की इस टिप्पणी को लेकर उनकी आलोचना की है। एल्बनी में स्थित न्यूयॉर्क स्टेट यूनिवर्सिटी में इतिहास के प्रोफेसर कार्ल बोन टेम्पो ने कहा, उन्होंने रोजमर्रा की बातचीत में इस तरह की भाषा को ज्यादा सामान्य बना दिया है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 6 दिसंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, द्वितीया 6 दिसंबर 21.25 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

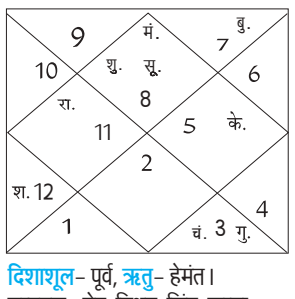

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मृगशिरा 08.48 तक तत्पश्चात आर्द्रा 07 दिसंबर 06.13 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

मेष — आज भूमि-संपत्ति को लेकर महत्वपूर्ण अनुबंध हो सकते हैं। नया ज्ञान अर्जित करने के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। परिवार में शांति का वातावरण रहेगा। आपके जनसंपर्क का दायरा बढ़ेगा। बच्चों के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

वृष — आज धन अनावश्यक बर्बाद हो सकता है। किसी बड़े कार्य को लेकर परेशानी दूर होगी। व्यवसाय में जल्दबाजी के कारण नुकसान हो सकता है। आपकी बातों का लोग बुरा मान सकते हैं। मित्रों के साथ आप काफी समय बिताएंगे।

मिथुन — आज आपका पारिवारिक जीवन अत्यंत सुखमय रहेगा। परिवार के साथ समय बिताने के लिए आप काम से छुट्टी भी ले सकते हैं। मानसिक रूप से सुकून का अनुभव करेंगे। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

कर्क — आज पोषण की कमी के कारण शरीर में थकावट महसूस होगी। प्रेम संबंधों को लेकर मन थोड़ा विचलित रहेगा। ऐसा कोई कार्य न करें, जिससे आपको बाद में पछताना पड़े। अपने मन की बातें सभी से शेयर न करें। लोग आपका मजाक भी बना सकते हैं।

सिंह — आज कार्यक्षेत्र की चुनौतियां दूर होंगी। दूर के रिश्तेदारों से मुलाकात होने के योग बन रहे हैं। आप लोगों की सहायता करने को लेकर तत्पर रहेंगे। लोहा और शराब कारोबारियों के लिए दिन विशेष रूप से बहुत ही अच्छा है।

कन्या — आज विरोधी आपके सामने कमजोर पड़ जाएंगे। समाज में आपका प्रभाव बढ़ेगा। आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। दिनचर्या सुव्यवस्थित रहेगी। मन में थोड़ी-बहुत कन्फ्यूजन की स्थिति रहेगी। अपने काम से संतुष्ट नहीं रहेंगे।

तुला — आज कारोबार में आपको बहुत मेहनत करनी पड़ेगी। घरेलू खर्चों को कम करने की आवश्यकता है। अनावश्यक यात्राएं हो सकती हैं। आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य छूट सकता है। गूढ़ विषयों के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक — आज आपको किसी योग्य व्यक्ति से परामर्श लेना चाहिए। मन में नकारात्मक विचार और अज्ञात भय व्याप्त हो सकता है। आर्थिक दृष्टिकोण से समय अच्छा नहीं है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों का मन पढ़ाई से उचट सकता है।

धनु — आज आप अपने कार्य की गुणवत्ता पर अत्यधिक ध्यान देंगे। दांपत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन बहुत शानदार रहेगा। अपने निर्णयों को दूसरों पर थोपने से बचें। विवाह योग्य लोगों को उत्तम रिश्ते मिल सकते हैं।

मकर — आज आप अपने करियर को लेकर थोड़े चिंतित रहने वाले हैं। सरकारी नौकरी करने वालों को उत्तम सफलता मिलेगी। विदेश यात्रा की संभावना बन रही है। आप नई तकनीक का प्रयोग सीखने का प्रयास करेंगे।

कुंभ — आज नई परियोजनाओं की शुरुआत कर सकते हैं। उधार दिया हुआ धन वापस मिलने की संभावना बन रही है। पेट में वायु विकार उत्पन्न होने की संभावना है। दोस्तों के साथ आप घूमने जा सकते हैं। अपने भविष्य को लेकर चिंता हो सकती है।

मीन — आज का दिन आपके लिए शुभ नहीं है। आपके सम्मान को ठेस पहुंच सकती है। काम को लेकर आपको यात्रा करनी पड़ेगी। सोशल मीडिया पर अधिक समय बर्बाद न करें। अजीबोगरीब स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

सुडोकू-182

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1			2				
4								
		5						
1								
		2						
	6				9			
	8						7	

सुडोकू - 181 का हल

1	2	5	3	6	8	4	9	7
8	3	9	1	4	7	2	5	6
4	6	7	9	2	5	8	3	1
3	9	6	2	7	1	5	4	8
5	1	2	8	3	4	7	6	9
7	8	4	5	9	6	3	1	2
2	5	3	6	8	9	1	7	4
9	4	8	7	1	3	6	2	5
6	7	1	4	5	2	9	8	3

उमरान मलिक एक बेहतरीन गेंदबाज हैं। मुझे लगता है कि आईपीएल में छोटे मैदान और अच्छी पिचें होने के कारण आपको तेज गेंदबाज़ी के लिए एक एक्स फैक्टर की ज़रूरत होती है। मुझे लगता है कि वहअच्छा प्रदर्शन करेगा।
-सुनील नारायण

स्टेडियम

बरेली, शनिवार,6 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सेंथिलकुमार और अनाहत चैंपियन बने

चेन्नई। राष्ट्रीय चैंपियन वेलावन सेंथिलकुमार ने शुक्रवार को यहां स्क्वाश इंडियन टूर 4 में पुरुष वर्ग का और अनाहत सिंह ने महिला वर्ग का खिताब अपने नाम किया। शीर्ष वरीय और दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी सेंथिलकुमार ने मिस्र के एडम हवाल को 11-7, 11-9, 9-11, 11-4 से हराकर पुरुषों का खिताब जीता। महिलाओं के फाइनल में दिल्ली की अनाहत सिंह (दुनिया की 29वें नंबर की खिलाड़ी) ने अनुभवी हमवतन जोशना चिनप्पा (पूर्व नंबर 10) को पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में 11-8, 11-13, 11-13, 11-6, 11-8 से शिकस्त दी।

बेंगलुरु में खेला जाएगा टेनिस का मुकाबला

बेंगलुरु। भारत और नीदरलैंड के बीच सात-आठ फरवरी को होने वाले डेविस कप क्वालीफायर की मेजबानी का अधिकार शुक्रवार को बेंगलुरु को मिला जिसने बोली में दिल्ली को पीछे छोड़ दिया। दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) ने इस साल फरवरी में टोगो की मेजबानी की थी और उसने भी इस अहम मुकाबले को आयोजित करने में दिलचस्पी दिखाई थी। बेंगलुरु ने पिछली बार 2017 में उज्बेकिस्तान के खिलाफ डेविस कप मुकाबले की मेजबानी की थी जिसमें मेजबान टीम 4-1 से जीत गई थी। कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस संघ (केएसएलटीए) ने हाल में शहर में बिली जीन किंग कप प्ले-ऑफ की मेजबानी की थी। भारत ने सितंबर में विश्व ग्रुप एक के पहले दौर में स्विट्जरलैंड को हराकर क्वालीफायर चरण में जगह बनाई जबकि नीदरलैंड दूसरे दौर में अर्जेंटीना से इसी अंतर से हार गया था।

आईपीबीएल: मुंबई ने जीत का खाता खोला

नई दिल्ली। मुंबई स्मैशर्स ने कैपिटल वॉरियर्स गुड़गांव को 4-2 से हराकर इंडियन पिकलबॉल लीग (आईपीबीएल) में अपनी पहली जीत के साथ नॉकआउट में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा। दिन के दूसरे मैच में हैदराबाद रॉयल्स ने वापसी करते हुए बेंगलुरु ब्लास्टर्स को 3-3 से बराबरी पर रोक दिया। इस परिणाम से नॉकआउट की तीन दावेदार टीम टाई अंक, मैच अंक और आपसी मुकाबले के परिणाम के मामले में बराबरी पर आ गयी। अंतिम नॉकआउट स्थान के लिए मुंबई, गुड़गांव और बेंगलुरु के बीच तीन टीम का प्ले-इन होगा। शनिवार प्ले-इन मुकाबलों की विजेता टीम चौथे स्थान पर अपनी जगह पक्की कर क्वालीफायर एक में तीसरे स्थान की टीम से भिड़ेगी।

फखर जमां ने आचार संहिता तोड़ी

दुबई : पाकिस्तान के बैटर फखर जमां पर मैच फीस का 10 परसेंट जुर्माना लगाया गया है। उन्हें 29 नवंबर को श्रीलंका के खिलाफ ट्राई-सीरीज फाइनल के दौरान आईसीसी कोड ऑफ़ कंडक्ट के लेवल 1 को तोड़ने का दोषी पाया गया। जमान को आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.8 को तोड़ने का दोषी पाया गया, जो प्लेयर्स और प्लेयर सपोर्ट स्टाफ के लिए है, जो इंटरनेशनल मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाने से जुड़ा है।

अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन। एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने बनाई 44 रनों की बढ़त

ब्रिस्बेन (ऑस्ट्रेलिया), एजेंसी

एशेज सीरीज : दूसरा दिन

- **इंग्लैंड ने पांच कैच छोड़े, रूट 138 रन बनाकर नाबाद रहे**
- **ऑस्ट्रेलिया के वेदरॉल्ड, लाबुशेन और स्मिथ ने ठोके अर्धशतक**

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड : **334/10** (पहली पारी)
ऑस्ट्रेलिया : **378/6** (पहली पारी जारी)

ऑस्ट्रेलिया ने शीर्ष क्रम के सभी बल्लेबाजों को मिली अच्छी शुरुआत से शुक्रवार को यहां एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन स्टंप तक इंग्लैंड के खिलाफ छह विकेट पर 378 रन बनाकर पहली पारी में 44 रन की बढ़त हासिल कर ली।

इंग्लैंड को खराब गेंदबाजी और कम से कम पांच कैच छूटने से काफी नुकसान हुआ जिससे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज फायदा उठाने में सफल रहे। सलामी बल्लेबाज जेक वेदरल्ड ने ऑस्ट्रेलिया की पारी की तेज शुरुआत कराते हुए 72 गेंद में 78 रन बनाए जबकि मार्नस लाबुशेन (65) ने लगातार दूसरा अर्धशतक पूरा किया और कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने 61 रन बनाए। गाबा की पिच में कुछ असमान उछाल के बावजूद दिन में बल्लेबाजों का दबदबा रहा। एलेक्स कैरी का दो बार कैच छूटा। एक बार जब उन्होंने खाता भी नहीं खोला था और फिर 25 रन पर उनका कैच छूटा जिससे वह स्टंप तक 45 गेंद में 46 रन बनाकर खेल रहे हैं। माइकल नेसर को भी एक जीवनदान मिला जिससे वह 7वें विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी में 15 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। पर्थ में सीरीज का पहला मैच दूसरे ही दिन खत्म हो गया था जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने आठ विकेट से जीत हासिल की थी। पर ब्रिस्बेन में यह दिन-रात्रि टेस्ट लंबा चलता दिख रहा है। इंग्लैंड ने दूसरे दिन सुबह नौ विकेट पर 325 रन से आगे खेलना शुरू किया, पर 11वें नंबर के खिलाड़ी जोफ्रा आर्चर के आउट होने से पहले स्कोर में 14 गेंद में नौ रन और जोड़े। रूट ने 135 रन से खेलना शुरू किया पर जब आखिरी विकेट के लिए 70 रन की भागीदारी खत्म हुई तो वह 138 रन बनाकर नाबाद रहे जो ऑस्ट्रेलिया में उनका पहला एशेज शतक है। पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की जीत के नायक रहे ट्रेविस हेड ने नौवें ओवर में विकेटकीपर स्मिथ द्वारा आर्चर की गेंद पर तीन रन पर कैच छूटने के बाद 30 रन और जोड़े।

रोहित-कोहली से फिर अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ निर्णायक मुकाबला आज दोपहर 1.30 बजे से, गेंदबाजों की होगी कड़ी परीक्षा

विशाखापत्तनम, एजेंसी

भारत विराट कोहली और रोहित शर्मा से फिर से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत हासिल करके शृंखला अपने नाम करने की कोशिश करेगा। भारत के कुछ युवा खिलाड़ी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और ऐसे में उन पर दबाव होगा। दक्षिण अफ्रीका टेस्ट शृंखला जीतने के बाद अब वनडे शृंखला जीतने में भी कसर नहीं छोड़ेगा और ऐसे में भारतीय टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की जरूरत है।

भारत अगर इस मैच में जीत हासिल करता है तो पिछले कुछ समय से टीम को लेकर चल रही अटकलें पर भी विराम लग जाएगा। इसके लिए कोहली और रोहित को फिर से अपना महत्वपूर्ण योगदान देना होगा। इसमें कोई संदेह नहीं कि इन दोनों का वनडे क्रिकेट में कोई सानी नहीं है और उन्हें इस तरह के दबाव वाले मैच में खेलने का अच्छा अनुभव है। इसलिए भारत की जीत में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। रोहित और कोहली अपनी करियर के अवसान पर हैं और वह इसमें एक और गौरवशाली अध्याय जोड़ने की कोशिश करेंगे। कोहली ने अपनी पिछली तीन पारियों में दो शतक और एक अर्धशतक लगाया है, जबकि रोहित ने अपनी पिछली चार पारियों में एक शतक और दो अर्धशतक लगाए हैं। उन्हें कुछ युवा बल्लेबाजों का अच्छा सहयोग मिल रहा है जैसा कि पिछले मैच में रुतुराज गायकवाड़ ने अपना योगदान दिया था। उन्होंने अपना पहला वनडे शतक लगाया था। लेकिन यशस्वी जायसवाल को अभी भी इस श्रृंखला में सलामी बल्लेबाज के रूप में अपनी क्षमता का भरपूर प्रदर्शन करना बाकी है। यह प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने के लिए उत्सुक होगा।

जायसवाल को बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के खिलाफ जूझना पड़ रहा है फिर चाहे वह वेस्टइंडीज के जेडन सील्स हों या इस श्रृंखला में मार्को यानसन और नांद्रे बर्गर। वह अपने करियर में 30 बार बाएं हाथ के गेंदबाजों का शिकार बने हैं।

जायसवाल और टीम प्रबंधन इससे अनजान नहीं रह सकते और इसमें सुधार करने का काम शायद पहले ही शुरू हो चुका है। लेकिन अगर वह सुधार नहीं कर पाए तो टीम को अन्य विकल्पों पर विचार करने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। टीम के पास गायकवाड़ के रूप में एक अदद सलामी बल्लेबाज मौजूद है। एसीए-वीडीसीए स्टेडियम की पिच अक्सर बल्लेबाजों के अनुकूल होती है और भारत का यहां शानदार रिकॉर्ड रहा है। उसने यहां 2005 से 10 एकदिवसीय मैचों में से सात में जीत हासिल की है लेकिन यहां खेले गए पिछले मैच में उसे आस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था।

भारत वाशिंगटन सुंदर को विश्राम देकर उनकी जगह तिलक वर्मा को मध्यक्रम की बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए अंतिम एकादश में शामिल करने पर भी गंभीरता से विचार करेगा। ऋषभ पंत भी एक विकल्प हो सकते हैं लेकिन तिलक स्पिन गेंदबाजी भी कर लेते हैं और वह बेहतरीन क्षेत्ररक्षक के भी हैं। कप्तान केएल राहुल ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन इस श्रृंखला में ओस के कारण टॉस की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो गई है। भारत वनडे में पिछले 20 मैच से टॉस नहीं जीत पाया है जिसका खामियाजा उसे रायपुर में दूसरे वनडे में भुगतना पड़ा। भारतीय गेंदबाज भी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। अब भारत को उम्मीद होगी कि उनके युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा अच्छा प्रदर्शन करेंगे और प्रभावशाली अर्शदीप सिंह का पूरा साथ देंगे। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका सीरीज जीतने के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन वह तेज गेंदबाज बर्गर और बल्लेबाज टोनी डी जॉर्जी की फिटनेस को लेकर चिंतित है। यह देखना होगा कि ये दोनों खिलाड़ी इस मैच के लिए पूरी तरह फिट हो पाते हैं या नहीं।

टीम

भारत : केएल राहुल (कप्तान/विकेट कीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी जॉर्जी, रुबिन हरमन, केशव महाराज, मार्को यान्सेन, एडेन मार्करम, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायन।

टेस्ट में हार के बाद वनडे सीरीज में जीतने की बेताबी : डोएशे

विशाखापत्तनम : सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने शुक्रवार को कहा कि टेस्ट सीरीज में उम्मीद से खराब प्रदर्शन के कारण भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा वनडे सीरीज जीतने के लिए कुछ हद तक 'बेताब' है।

भारत हाल ही में दक्षिण अफ्रीका से से दो मैचों की टेस्ट सीरीज 0-2 से हार गया था और वनडे सीरीजअब 1-1 से बराबर है। डोएशे ने एकदिवसीय सीरीज के निर्णायक तीसरे वनडे की पूर्व संध्या पर कहा, खिलाड़ियों का यह एक बहुत ही अलग समूह है, लेकिन खिलाड़ी अपनी जिम्मेदारी को लेकर पूरी तरह से जागरूक है।

लोकेश राहुल की कप्तानी में भारतीय टीम ने रांची में पहला वनडे 17 रन से जीता लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने रायपुर में चार विकेट की जीत से शानदार वापसी की। डोएशे ने कहा हम हमेशा जीतना चाहते हैं। जब कुछ हार का सिलसिला शुरू हो जाता है और प्रदर्शन हमारी अपेक्षा से कम हो जाता है तो निश्चित तौर पर मुझे लगता है कि यह श्रृंखला के दृष्टिकोण से थोड़ी हताशा है। डोएशे ने हालांकि कि कहा कि इस टीम के खिलाड़ी ऐसे दबाव भरे हालात से निपटने के आदी हो चुके हैं।

मैक्सवेल, रसेल व अश्विन समेत कई बड़े नाम रहेंगे गायब

अबू धाबी, एजेंसी

- **अबू धाबी में आज होगी आईपीएल 2026 की नीलामी**
- **10 फ्रेंचाइजी के 77 स्लॉट भरने के लिए होगी जोरआजमाइस**

1355 क्रिकेट खिलाड़ियों ने कराया रजिस्ट्रेशन

अबू धाबी में 6 दिसंबर को होने वाली आईपीएल 2026 नीलामी में 10 फ्रेंचाइजी 77 स्लॉट भरने के लिए एक-दूसरे को पछाड़ती नजर आएंगी। इसमें 31 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। कुल 1355 क्रिकेट खिलाड़ियों - जिसमें 1,062 भारतीय और 293 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं- ने पहले ही आने वाली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन करा लिया है।

नीलामी में शामिल होने वाले खिलाड़ियों की फाइनल शॉर्टलिस्ट 5 दिसंबर के बाद सभी टीमों की दिलचस्पी जानने के बाद तय की जाएगी। हालांकि, कुछ बड़े नाम आने वाली आईपीएल नीलामी से गायब रहेंगे क्योंकि कई हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों, जिन्हें उनकी संबंधित टीमों ने रिलीज कर दिया था, ने आईपीएल 2026 नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं कराने का फैसला किया है। कुछ और जाने-पहचाने चेहरे भी लीग या क्रिकेट से पूरी तरह रिटायरमेंट के कारण भविष्य के आईपीएल सीजन में वापस नहीं आएंगे। यहां उन टॉप क्रिकेटरों की पूरी लिस्ट दी गई है जो आईपीएल 2026 नीलामी का हिस्सा नहीं होंगे। ग्लेन मैक्सवेल ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट स्टार ग्लेन मैक्सवेल ने आईपीएल 2026 नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं कराने का फैसला किया है, जिससे फ्रेंचाइजी टी20 क्रिकेट लीग में उनके लगातार 13 सीजन का सिलसिला खत्म हो गया, जो 2012 में दिल्ली कैपिटल्स के साथ शुरू हुआ था।

साल की शुरुआत में आर. अश्विन ने ले लिया था संन्यास

इस साल की शुरुआत में क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने के बाद, अश्विन आईपीएल नीलामी का हिस्सा नहीं होंगे। यह ऑफ-स्पिनर पहले सीजन से ही आईपीएल का हिस्सा रहे हैं, जब सीएसके ने उन्हें एक घरेलू खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल किया था, पर उन्होंने 2009 में डेब्यू किया था। तब से, अश्विन 2017 के सीजन को छोड़कर हर आईपीएल सीजन का हिस्सा रहे हैं- यह वह सीजन था जो उन्होंने पुणे टीम में होने के बावजूद चोट के कारण मिस कर दिया था।

खेल मंत्री ने घुड़सवारी पदक विजेताओं को किया सम्मानित

नई दिल्ली : खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने हाल ही में थाईलैंड में एफईआई एशियाई घुड़सवारी चैंपियनशिप में एक व्यक्तिगत स्वर्ण सहित पांच पदक जीतने वाली भारतीय 'इवेंटिंग' और 'ड्रेसेज' टीमों को सम्मानित किया और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए घोड़ों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने हेतु एक वर्ष के अंदर देश में एक पृथकवास केंद्र स्थापित करने का वादा किया। पटाया में आयोजित प्रतियोगिता में छह सदस्यीय भारतीय टीम ने भाग लिया था जिसमें से आशीष लिमये ने दो पदक जीते।

सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए शेफाली नामांकित

दुबई, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में 87 रन की तेजतर्रार पारी खेलने और दो महत्वपूर्ण विकेट लेने वाली भारतीय क्रिकेटर शेफाली वर्मा को नवंबर महीने के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है।

सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल के चोटिल हो जाने के कारण शेफाली को भारतीय टीम में जगह मिली थी। उन्हें फाइनल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था और अब वह महिलाओं के पुरस्कार के लिए नामांकित की गई तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं। महिला वर्ग का पुरस्कार हासिल करने के लिए उन्हें संयुक्त अरब अमीरात की ईशा ओझा और थाईलैंड की थिपाचा पुथावोंग की चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

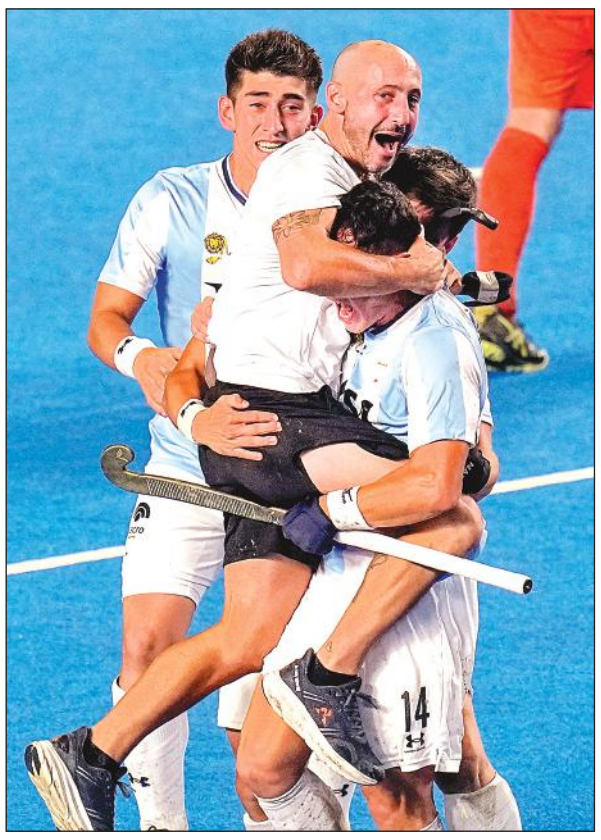

हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 के क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड के खिलाफ 1-0 की जीत का जश्न मनाते अर्जेंटीना के खिलाड़ी। एजेंसी

जूनियर हॉकी विश्व कप | मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में फ्रांस-जर्मनी का मुकाबला देखने के लिए खिलाड़ियों के परिजन और बड़ी संख्या में दर्शन मौजूद रहे

जर्मनी, स्पेन और अर्जेंटीना सेमीफाइनल में पहुंचे

चेन्नई, एजेंसी

सात बार की चैंपियन जर्मनी ने जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के रोमांचक क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को पिछली उपविजेता फ्रांस को शूटआउट में हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि स्पेन और अर्जेंटीना ने भी अंतिम चार में जगह बना ली। स्पेन ने न्यूजीलैंड को 4-3 से और अर्जेंटीना ने नीदरलैंड को 1-0 से हराया।

दो साल पहले खेले गए फाइनल की यादें ताजा करते हुए जर्मनी ने एक बार फिर जोश से भरी फ्रांस टीम पर अपना दबदबा कायम रखा। मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम पर यह मुकाबला देखने के लिए दोनों यूरोपीय दिग्गज टीमों के खिलाड़ियों के परिजन मौजूद थे जो लगातार हौसलाअफजाई कर रहे थे। निर्धारित समय तक स्कोर 2-2 से बराबर रहने के बाद मैच शूटआउट तक खिंचा। शूटआउट में जर्मनी के लिये जोनास वोन जर्सम, जस्टस वारवेग और लुकास कोसेल ने गोल दागे जबकि फ्रांस के लिये सिर्फ आर्टिस्टाइड मिकालेस ही गोल कर सके। इससे पहले निर्धारित समय में फ्रांस ने आखिरी पांच मिनट बाकी रहते हुगो डोलोउ के फील्ड गोल के दम पर स्कोर 2-2 से बराबर किया। जर्मनी के लिए 30वें मिनट में एलेक वोन श्वेरिन ने पहला गोल दागा लेकिन इसी मिनट जवाबी हमले में फ्रांस के मेलो मार्तिनेश ने पेनल्टी कॉर्नर तब्दील करके स्कोर बराबर कर दिया। ब्रेक के बाद छठे मिनट में जर्मनी के पॉल ग्लांडेर ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके टीम को फिर बढत दिला दी थी लेकिन फ्रांस के डोलोउ ने 55वें मिनट में स्कोर बराबर कर दिया। इससे पहले बेहद रोमांचक मुकाबले में आखिरी सेकंडों में पेनल्टी कॉर्नर पर ब्रूनो अविला के गोल के दम पर स्पेन ने न्यूजीलैंड को 4-3 से हराया।

क्वार्टर फाइनल में मुकाबला करते जर्मनी (लाल जर्सी) व फ्रांस के खिलाड़ी। एजेंसी

स्पेन ने पहले ही क्वार्टर में तीन गोल करके मैच का रूख एकतरफा करने की कोशिश की लेकिन न्यूजीलैंड ने अगले तीन क्वार्टर में एक एक गोल करके वापसी की और लग रहा था कि मैच शूटआउट तक जाएगा लेकिन स्पेन को आखिरी पलों में निर्णायक पेनल्टी कॉर्नर मिला। स्पेन के लिये निकोलस मुस्तारोस ने दूसरे मिनट में, जोसेफ मार्तिन ने दसवें और अलबर्ट सेराहिमा ने 12वें मिनट में फील्ड गोल किये।

तीसरे क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना के लिये कप्तान रूइज तोमाज ने 52वें मिनट में गोल किया। नीदरलैंड को आखिरी मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन गोल नहीं हो सका।

भारतीय हॉकी कोच फुल्टोन के बेटे जैक खेल रहे आयरलैंड से

चेन्नई : भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन के बेटे जैक ने जब अपने पिता की 'कर्मभूमि' पर आयरलैंड के लिए जूनियर विश्व कप में पदार्पण किया तो उनकी हौसलाअफजाई के लिए पिता दर्शक दीर्घा में नहीं थे। इस महीने अपना सत्रहवां जन्मदिन मनाने जा रहे जैक ने मदुरै में कनाडा के खिलाफ आयरलैंड के लिये विश्व कप में पहला मैच खेला जब उनके पिता क्रेग भारतीय पुरुष हॉकी टीम के साथ मलेशिया के इपोह में सुल्तान अजलन शाह कप टूर्नामेंट में व्यस्त थे। चेन्नई में स्विटजरलैंड के खिलाफ क्लासीफिकेशन मैच में मिली जीत के बाद जैक ने कहा मैं इससे पहले एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के दौरान यहां आ चुका हूं।

भारत ने आयरलैंड को 4-0 से हराया

सैंटियागो (चिली) : पूर्णिमा यादव के दो गोल की बदौलत भारत ने शुक्रवार को एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप के पूल सी के अपने अंतिम मैच में आयरलैंड को 4-0 से हराया। पूर्णिमा (42वें, 58वें मिनट), कनिका सिवाच (12वें मिनट) और साक्षी राणा (57वें मिनट) ने भारत के लिए गोल किए।

भारत ने मैच की शुरुआत से ही दबदबा बनाना शुरू किया। टीम ने 12 सेकेंड के अंदर ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन उनका प्रयास गोल में नहीं बदला। भारत ने 10वें मिनट में अपना दूसरा पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन यह मौका भी बेकार चला गया।

साक्षी ने इसके दो मिनट बाद सर्कल के अंदर कनिका को एक बेहतरीन पास दिया, जिन्होंने प्रतिद्वंद्वी टीम की गोलकीपर को कुशलता से चकमा देकर मैच का पहला गोल दाग दिया।